लोक कथाओं की क्लासिक पुस्तकें सीरीज़–15

दक्षिणी नाइजीरिया की लोक कथाऐं

ऐलफिन्स्टन डैरैल

1910

हिन्दी अनुवाद सुषमा गुप्ता

2022

Series Title: Lok Kathaon Ki Classic Pustaken Series – 15
Book Title: Dakshinee Nigeria Ki Lok Kathayen (Folktales of Southern Nigeria)
Published Under the Auspices of Akhil Bhartiya Sahityalok

E-Mail: hindifolktales@gmail.com
Website: www.sushmajee.com/folktales/index-folktales.htm

Map of Nigeria
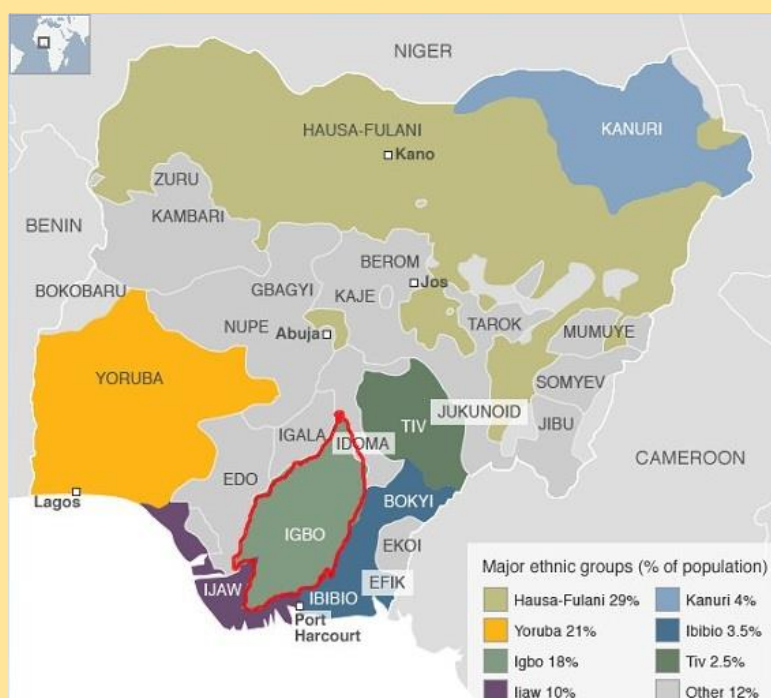
विंडसर, कैनेडा

2022

Contents

लोक कथाओं की क्लासिक पुस्तकें

लोक कथाऐं किसी भी समाज की संस्कृति का एक अटूट हिस्सा होती हैं। ये संसार को उस समाज के बारे में बताती हैं जिसकी वे लोक कथाऐं हैं। आज से बहुत साल पहले, करीब 100 साल पहले, ये लोक कथाऐं केवल ज़बानी ही कही जातीं थीं और कह सुन कर ही एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को दी जाती थीं इसलिये किसी भी लोक कथा का मूल रूप क्या रहा होगा यह कहना मुश्किल है। फिर इनका एकत्रीकरण आरम्भ हुआ और इक्का दुक्का पुस्तकें प्रकाशित होनी आरम्भ हुई और अब तो बहुत सारे देशों की लोक कथाओं की पुस्तकें उनकी मूल भाषा में और उनके अंग्रेजी अनुवाद में उपलब्ध हैं।

सबसे पहले हमने इन कथाओं के प्रकाशन का आरम्भ एक सीरीज़ से किया था – "देश विदेश की लोक कथाऐं" जिनके अन्तर्गत हमने इधर उधर से एकत्र कर के 2500 से भी अधिक देश विदेश की लोक कथाओं के अनुवाद प्रकाशित किये थे – कुछ देशों के नाम के अन्तर्गत और कुछ विषयों के अन्तर्गत।

इन कथाओं को एकत्र करते समय यह देखा गया कि कुछ लोक कथाऐं उससे मिलते जुलते रूप में कई देशों में कही सुनी जाती है। तो उसी सीरीज़ में एक और सीरीज़ शुरू की गयी – "एक कहानी कई रंग"[1]। इस सीरीज़ के अन्तर्गत एक ही लोक कथा के कई रूप दिये गये थे। इस लोक कथा का चुनाव उसकी लोकप्रियता के आधार पर किया गया था। उस पुस्तक में उसकी मुख्य कहानी सबसे पहले दी गयी थी और फिर वैसी ही कहानी जो दूसरे देशों में कही सुनी जाती हैं उसके बाद में दी गयीं थीं। इस सीरीज़ में 20 से भी अधिक पुस्तकें प्रकाशित की गयीं। यह एक आश्चर्यजनक और रोचक संग्रह था।

आज हम एक और नयी सीरीज़ प्रारम्भ कर रहे हैं "लोक कथाओं की क्लासिक पुस्तकें"। इस सीरीज़ में हम उन पुरानी लोक कथाओं की पुस्तकों का हिन्दी में अनुवाद कर रहे हैं जो बहुत शुरू शुरू में लिखी गयी थीं। ये पुस्तकें तब की हैं जब लोक कथाओं का प्रकाशन आरम्भ हुआ ही हुआ था। अधिकतर प्रकाशन 19वीं सदी से आरम्भ होता है। जिनका मूल रूप अब पढ़ने के लिये मुश्किल से मिलता है और हिन्दी में तो बिल्कुल ही नहीं मिलता। ऐसी ही कुछ अंग्रेजी और कुछ दूसरी भाषा बोलने वाले देशों की लोक कथाओं की पुस्तकें हम अपने हिन्दी भाषा बोलने वाले समाज तक पहुँचाने के उद्देश्य से यह सीरीज़ आरम्भ कर रहे हैं।

इस सीरीज़ में चार प्रकार की पुस्तकें शामिल हैं –

1. अफ्रीका की लोक कथाओं की सारी पुस्तकें
2. भारत की लोक कथाओं की सारी पुस्तकें
3. 19वीं सदी की लोक कथाओं की पुस्तकें
4. मध्य काल की तीन पुस्तकें – डैकामिरोन, नाइट्स औफ स्ट्रापरोला और पैन्टामिरोन। ये तीनों पुस्तकें इटली की हैं।

इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि ये सारी लोक कथाऐं बोलचाल की भाषा में लिखी जायें ताकि इन्हें हर वह आदमी पढ़ सके जो थोड़ी सी भी हिन्दी पढ़ना जानता हो और उसे समझता हो। ये कथाऐं यहाँ तो सरल भाषा में लिखी गयी है पर इनको हिन्दी में लिखने में कई समस्याऐं आयी है जिनमें से दो समस्याऐं मुख्य हैं।

[1] "One Story Many Colors"

एक तो यह कि करीब करीब **95** प्रतिशत विदेशी नामों को हिन्दी में लिखना बहुत मुश्किल है चाहे वे आदमियों के हों या फिर जगहों के। दूसरे उनका उच्चारण भी बहुत ही अलग तरीके का होता है। कोई कुछ बोलता है तो कोई कुछ। इसको साफ करने के लिये इस सीरीज़ की सब किताबों में फुटनोट्स में उनको अंग्रेजी में लिख दिया गया हैं ताकि कोई भी उनको अंग्रेजी के शब्दों की सहायता से कहीं भी खोज सके। इसके अलावा और भी बहुत सारे शब्द जो हमारे भारत के लोगों के लिये नये हैं उनको भी फुटनोट्स और चित्रों द्वारा समझाया गया है।

ये सब पुस्तकें “लोक कथाओं की क्लासिक पुस्तकें” नाम की सीरीज के अन्तर्गत प्रकाशित की जा रही हैं। ये पुस्तकें आप सबका मनोरंजन तो करेंगी ही साथ में दूसरी भाषओं के लोक कथा साहित्य को हिन्दी में प्रस्तुत करेंगी। आशा है कि हिन्दी साहित्य जगत में इनका भव्य स्वागत होगा।

सुषमा गुप्ता
2022

दक्षिणी नाइजीरिया की लोक कथाऐं

नाइजीरिया देश अफ्रीका महाद्वीप के पश्चिम की ओर उसके दक्षिणी तट पर स्थित है। नाइजीरिया दुनियॉ का सातवॉ सबसे ज़्यादा जनसंख्या वाला देश है और अफ्रीका का सबसे ज़्यादा जनसंख्या वाला देश है। यहॉ पेट्रोल बहुत होता है और यही इनकी आमदनी का मुख्य जरिया है।

यद्यपि नाइजीरिया में बहुत सारी जनजातियॉ हैं पर वहॉ की तीन जनजातियॉ सबसे ज़्यादा मशहूर हैं – योरुबा, फुलानी या हौसा और ईबो। यहॉ 500 से भी ज़्यादा भाषाऐं बोली और समझी जाती हैं पर योरुबा, हौसा और ईबो भाषाऐं सबसे ज़्यादा बोली और समझी जाती हैं। पर टूटी अंग्रेजी यहॉ बहुत सारे लोग बोलते और समझते हैं। इनकी अपनी कोई लिपि नहीं है ये अपनी भाषाऐं लिखने के लिये रोमन लिपि का इस्तेमाल करते हैं।

यहॉ की जनसंख्या में ईसाई और मुसलमान करीब करीब आधे आधे हैं। नाइजीरिया में खाना बहुत तीखा बनता है और वहॉ के लोग अधिकतर पाम का तेल और मूँगफली का तेल खाते है। ये लोग बीयर भी बहुत पीते हैं। यहॉ की स्टार बीयर बहुत अच्छी होती है और दूसरे देशों तक में भी बहुत मशहूर है। ये लोग फुटबाल और बास्केट बाल खूब खेलते हैं।

अफ्रीका के 54 देशों में से केवल पॉच देशों की ही लोक कथाऐं ज़्यादा मिलती हैं – नाइजीरिया, घाना, तनज़ानिया, दक्षिण अफ्रीका, और इथियोपिया। योरुबा दंत कथाओं के अनुसार दुनियॉ का पहला आदमी नाइजीरिया के एक शहर इले–इफे में पैदा हुआ था इसलिये इनकी दुनियॉ यहीं से शुरू होती है और यहॉ की सभ्यता दुनियॉ की हर सभ्यता से पुरानी है। उधर इथियोपिया में करीब साढ़े तीन मिलियन साल पुराना एक ढॉचा ऐसा मिला है जिससे ऐसा लगता कि दुनियॉ का सबसे पुराना आदमी यहीं था। मिश्र के पिरामिडों को कौन नहीं जानता कि वहॉ की सभ्यता कितनी पुरानी है।

इस महाद्वीप से हमने 400 से भी अधिक लोक कथाऐं इकट्ठी की हैं। इस महाद्वीप से नीचे लिखी पुस्तकें हिन्दी में उपलब्ध हैं। "लोक कथाओं की क्लासिक पुस्तकें" सीरीज़ में यह 15वीं पुस्तक है और इसी सीरीज़ की अफ्रीका की लोक कथाओं की यह 7वीं पुस्तक है। इससे पहले की छह पुस्तकें हैं — "ज़ंज़ीबार की लोक कथाऐं", "नेलसन मन्डेला की अफ्रीका की लोकप्रिय लोक कथाऐं", "चौदह सौ कौड़ियॉ और दूसरी...", "अफ्रीका की लोक कथाऐं", "लावारिस लड़की और दूसरी कहानियॉ", "गाय की पूँछ का चॅवर और..."।[2]

अब प्रस्तुत है दक्षिणी नाइजीरिया की लोक कथाओं का यह संग्रह। ये सब कथाऐं दक्षिणी नाइजीरिया की यानी कैलैबार प्रदेश की तरफ की हैं और एक पुस्तक से ली गयीं हैं जो इन्टरनैट पर अंग्रेजी में उपलब्ध है।[3] इस पुस्तक का हिन्दी अनुवाद यहॉ प्रस्तुत है। इस पुस्तक में 40 लोक कथाऐं हैं पर यहॉ केवल 39 लोक कथाऐं ही दी गयी हैं। एक कथा "इटुऐन और राजा की पत्नी" कुछ अश्लीलता की वजह से यहॉ शामिल नहीं की गयी है। आशा है कि दक्षिणी नाइजीरिया की ये लोक कथाऐं तुम सबको बहुत पसन्द आयेंगी और नाइजीरिया की संस्कृति और सभ्यता के बारे में कुछ जानकारी देंगी।

---

[2] See the full list of the books of African Folktales at the back of this book

[3] Dayrell, Elphinstone. "Folk Stories From Southern Nigeria". London, Longmans, Green & Co. 1910. Contains 40 tales. It is available in English at :
http://www.worldoftales.com/Nigerian_folktales.html AND
http://www.sacred-texts.com/afr/fssn/index.htm also.
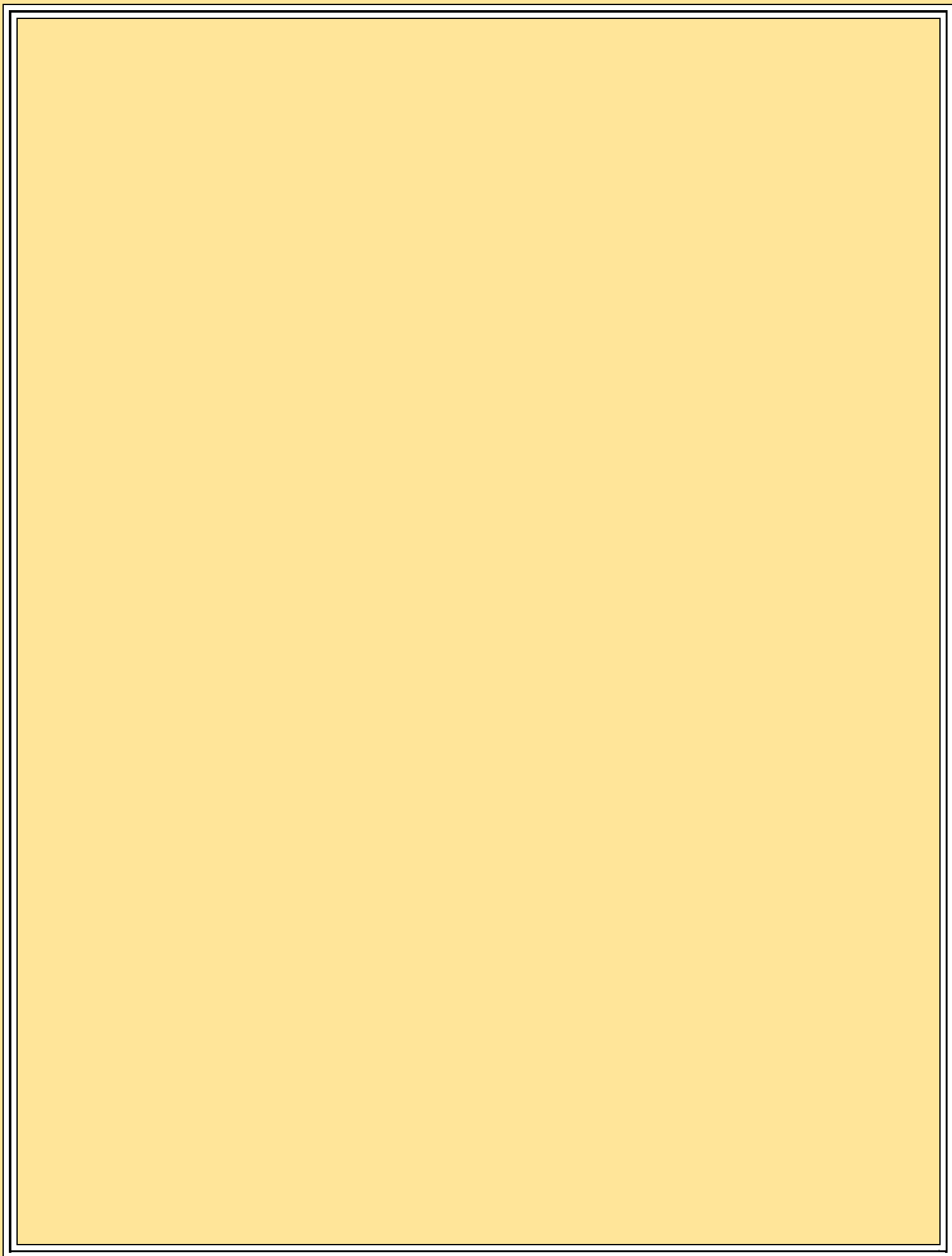
1 एक कछुआ और उसकी सुन्दर बेटी[4]

एक बार की बात है कि नाइजीरिया में एक बहुत ही ताकतवर राजा राज करता था। वह इतना ताकतवर था कि सारे जंगली जानवर और दूसरे जानवर भी उसका कहा मानते थे। कछुआ वहाँ सारे जानवरों और आदमियों में सबसे अक्लमन्द जानवर समझा जाता था।

इस राजा के एक लड़का था जिसका नाम था एकपैन्यौन[5]। राजा ने अपने इस लड़के के शादी पचास सुन्दर लड़कियों के साथ कर दी थी पर उसको उनमें से एक भी पसन्द नहीं थी। राजा इस बात से बहुत गुस्सा था।

उसने यह घोषणा करा रखी थी कि अगर कोई लड़की उसके बेटे की पत्नियों से ज़्यादा सुन्दर होगी और वह उसके बेटे को अच्छी लग गयी तो वह उसको और उसके माता पिता तीनों को मार देगा।

अब राजा के राज्य में एक कछुआ भी रहता था जिसकी बेटी बहुत ही सुन्दर थी। माँ ने सोचा कि इतनी सुन्दर लड़की को घर में रखना ठीक नहीं क्योंकि अगर कहीं राजकुमार ने उसको देख लिया और वह उसको पसन्द करने लगा तो वे सब बहुत मुश्किल में पड़ जायेंगे।

---

[4] A Tortoise With a Beautiful Daughter (Tale No 1)

[5] Ekpenyon – name of the Prince

उसने अपने पति से कहा कि या तो वह अपनी बेटी को मार दे या फिर उसे कहीं जंगल में छोड़ आये। पिता कछुआ अपनी बेटी को बहुत प्यार करता था इसलिये वह उसको मारना नहीं चाहता था सो किसी तरीके से उसने उसको तीन साल तक घर में छिपा कर रखा।

एक दिन जब कछुआ और उसकी पत्नी दोनों अपने खेतों पर गये हुए थे राजकुमार शिकार खेलने के लिये जंगल में उनके घर की तरफ आ निकला।

उसको एक चिड़ा कछुए के घर की बाड़ पर बैठा दिखायी दे गया। चिड़ा कछुए की उस सुन्दर बेटी की तरफ इतनी मग्न हो कर देख रहा था कि उसको राजकुमार के आने का पता ही नहीं चला।

राजकुमार ने एक तीर चलाया और वह चिड़ा मर कर उस घर की बाड़ के अन्दर की तरफ गिर पड़ा। राजकुमार ने अपने एक नौकर को उसे उठाने के लिये भेजा।

जब वह नौकर उस चिड़े को ढूँढ रहा था तो उसको भी कछुए की वह लड़की दिखायी दे गयी। वह भी उस लड़की की सुन्दरता से इतना ज़्यादा प्रभावित हुआ कि वह तुरन्त ही राजकुमार के पास भागा गया और जा कर उसे जो कुछ उसने देखा था बता दिया।

राजकुमार भी तुरन्त भागा भागा आया और उस बच्ची को देखते ही उसको उससे प्यार हो गया। उसने वहाँ रुक कर तब तक उससे बातें कीं जब तक कि वह उससे शादी के लिये राजी नहीं हो

गयी। बाद में वह घर चला गया पर उसने अपने पिता को यह नहीं बताया कि वह कछुए की लड़की को प्यार करने लगा था।

अगले दिन उसने अपने खजांची को बुलाया और **60** कपड़े के टुकड़े और **300** डंडियाँ[6] कछुए को भिजवायीं। फिर दोपहर बाद वह खुद कछुए से मिलने गया और उससे कहा कि वह उसकी बेटी से शादी करना चाहता था।

कछुआ तुरन्त भाँप गया कि जिस पल से वह डर रहा था वही सामने खड़ा था और अब उन तीनों की ज़िन्दगी को खतरा था।

पर वह धीरज रख कर राजकुमार से बोला — "अगर राजा को इस बात का पता चल गया तो वह न केवल मुझे बल्कि मेरी पत्नी और बेटी को भी मार देंगे।"

राजकुमार बोला कि उन लोगों के मारे जाने से पहले वह खुद को मार लेगा इसलिये वह उसकी चिन्ता न करे।

काफी जिद के बाद आखिर कछुआ मान गया और उसने कहा कि वह अपनी बेटी की शादी राजकुमार से कर देगा पर जब उसकी बेटी शादी के लायक हो जायेगी तब।

उसके बाद राजकुमार घर चला गया और जा कर अपनी माँ को बताया कि वह क्या करके आया था।

सुन कर उसकी माँ को तो बहुत चिन्ता हो गयी कि अब तो उसका बेटा गया। वह अपने बेटे को बहुत प्यार करती थी।

---

[6] Translated for the word "Rods" – maybe used as currency in Nigeria in those times

उसको विश्वास था कि जब राजा इस सबके बारे में सुनेगा तब वह जरूर ही उस कछुए के परिवार को मार देगा।

हालाँकि रानी जानती थी कि राजा जब यह सब सुनेगा तो कितना गुस्सा होगा फिर भी वह चाहती थी कि उसका बेटा उस लड़की से शादी जरूर कर ले जिसको वह इतना प्यार करता था।

यह सोच कर वह कछुए के पास गयी और उसको कुछ और पैसे, कपड़े, याम[7] और पाम का तेल[8] अपने बेटे की तरफ से दे आयी ताकि वह अपनी बेटी की शादी किसी और से न कर दे।

अगले पाँच साल तक राजकुमार कछुए की बेटी ऐडैट[9] से बराबर मिलता जुलता रहा। ऐडैट को शादी के घर[10] में रखने से ठीक पहले राजकुमार ने अपने पिता से कहा कि वह ऐडैट से शादी करने जा रहा था।

यह सुन कर तो राजा आग बबूला हो गया। उसने अपने सारे राज्य में मुनादी पिटवा दी कि फलॉ दिन सारे लोग फैसला सुनने के लिये चौराहे पर आयें।

---

[7] Yam is kind of root vegetable widely eaten in southern Nigeria. It reaches up to even 5-6 pound of weight each piece. See its picture above.

[8] Palm oil – extracted from palm tree nuts and is most used cooking oil in Nigeria

[9] Adet – name of the daughter of the Tortoise

[10] Translated for the words “Marriage House”. In Nigeria this is a custom that a few years (or a few months depending up on the custom) before the marriage the girl is kept in a separate house with her friends. She is kept there well and is fed well so that when she is married she looks good, happy and healthy and there she is taught how to behave in in-law’s house also.

निश्चित दिन पर सारे लोग चौराहे पर इकट्ठा हुए और राजा और रानी भी सबके बीच में अपने अपने पत्थरों पर बैठ गये। बैठने के बाद राजा और रानी ने अपने नौकरों को ऐंडैट को वहाँ लाने के लिये कहा।

जब ऐंडैट वहाँ आयी तो राजा खुद भी उसकी सुन्दरता देख कर हैरान रह गया। फिर उसने अपने आये हुए लोगों से कहा कि उसने उन सबको यह कहने के लिये बुलाया है कि वह अपने बेटे से बहुत नाराज है क्योंकि उसने राजा का कहना नहीं माना है और वह बिना उसकी जानकारी के ऐंडैट से शादी करने को तैयार है।

पर अब जब उसने ऐंडैट को देख लिया है तब वह यह यकीन से कह सकता हूँ कि वह वाकई बहुत सुन्दर है और उसके बेटे ने बहुत ही अच्छी लड़की चुनी है। इसलिये वह अपने बेटे को माफ करता है।

जब लोगों ने लड़की को देखा तो उनको भी लगा कि लड़की बहुत अच्छी है और राजकुमार की पत्नी बनने के लायक है। उन्होंने राजा से प्रार्थना की कि अब वह उस घोषणा को वह बिल्कुल ही खत्म कर दे जो उसने पहले करायी थी। राजा ने मान लिया।

पर क्योंकि पुरानी घोषणा ईबो के नियमों[11] के अनुसार हुई थी इसलिये राजा ने आठ ईबो लोगों को बुलवाया और उनको बताया कि अब राज्य भर में से वह घोषणा हटा ली गयी है और अब कोई

[11] Laws of Igbos

भी माता पिता और उनकी बेटी जो राजकुमार की पत्नियों से ज़्यादा सुन्दर होगी नहीं मारी जायेगी।

फिर राजा ने ईबो को उस घोषणा को हटाने के लिये पाम की शराब और पैसे दिये और उनको आदर सहित वापस भेज दिया। उनको भेजने के बाद राजा ने अपने बेटे और ऐडैट की शादी की घोषणा की और दोनों की शादी उसी दिन कर दी गयी।

दोनों की शादी की शानदार दावत दी गयी जो पचास दिन तक चली। राजा ने पाँच गाय मारीं। दावत में बहुत सारा फू फू था, पाम के तेल के चौप थे और सड़कों पर पाम की शराब के बड़े बड़े बर्तन रखे हुए थे ताकि किसी को पीने की कोई कमी न रहे।

कुछ स्त्रियों ने राजा के सामने एक नाटक पेश किया और सारे समय गाना और नाचना चलता रहा। राजकुमार और उसके साथियों ने भी चौराहे पर कई खेल खेले।

जब शादी की दावत खत्म हो गयी तो राजा ने राज करने के लिये कछुए को अपना आधा राज्य दे दिया और उसके खेत में काम करने के लिये तीन सौ दास दे दिये।

राजकुमार ने भी अपने ससुर को उसकी सेवा के लिये दो सौ स्त्रियाँ और सौ सुन्दर लड़कियाँ दीं। इस सबको पा कर कछुआ राज्य का सबसे अमीर आदमी हो गया।

राजकुमार और कछुए की बेटी दोनों बहुत दिनों तक आराम से रहे। फिर जब राजा मर गया तो उसके बाद राजकुमार राजा बन गया।

यह कहानी बताती है कि कछुआ सारे आदमियों और जानवरों में सबसे ज़्यादा अक्लमन्द होता है।

इस कहानी से हमें यह शिक्षा भी मिलती है कि सबको अपनी सुन्दर बेटी अपने पास ही रखनी चाहिये क्योंकि कौन जाने कब कोई राजकुमार आ जाये और उसका हाथ पकड़ कर ले जाये और कब वे शाही परिवार में शामिल हो जायें और कब वे खुद भी अमीर हो जायें और अपने परिवार को भी अमीर बना दें।

2 शिकारी और उसका उधार[12]

यह बहुत समय पहले की बात है कि कैलैबार[13] के एक जंगल में एक शिकारी रहता था उसका नाम था ऐफियोंग[14]। वह बहुत सारा शिकार करता और फिर उनसे बहुत पैसा कमाता।

सारे लोग उसको जानते थे पर उसका सबसे अच्छा दोस्त था ओकुन[15]। वह उसी के घर के पास ही रहता था।

ऐफियोंग था तो बहुत अच्छा आदमी पर उसमें एक गड़बड़ थी और वह यह कि वह खर्चीला बहुत था। वह हर एक के साथ खाने पीने में बहुत पैसा खर्च करता था।

सो एक दिन उसका शिकार से कमाया हुआ सारा पैसा खत्म हो गया और उसको फिर से शिकार के लिये जाना पड़ा।

पर इस बार उसकी किस्मत शायद ठीक नहीं थी क्योंकि हालॉकि उसने बहुत मेहनत की, दिन और रात शिकार किया पर फिर भी उसको कोई शिकार नहीं मिला।

एक दिन ऐफियोंग को बहुत भूख लगी थी और खाने को उसके पास कुछ था नहीं सो वह अपने दोस्त ओकुन के पास गया

---

[12] Hunter Pays His Debt (Tale No 2)

[13] Calabar is a city of Nigeria in its Cross River State

[14] Effiong – name of the hunter

[15] Okun – name of the friend of the hunter Effiong

और उससे दो सौ डंडियॉ[16] उधार लीं और उससे एक निश्चित दिन को अपना पैसा वापस ले जाने को कहा।

और साथ में उसको यह भी कहा कि वह जब उसके घर आये तो अपनी भरी हुई बन्दूक साथ ले कर आये।

अब ऐफियोंग ने क्या किया कि ओकुन के आने वाले दिन के कुछ दिन पहले जब वह शिकार के लिये गया हुआ था उसने एक चीते और एक जंगली बिल्ले[17] से दोस्ती कर ली। और जहॉ वह रात को ठहरा था उस खेत पर रहने वाले एक बकरे और एक मुर्गे से भी दोस्ती कर ली।

ऐफियोंग ने ओकुन से पैसे तो उधार ले लिये थे पर उसकी यह समझ में नहीं आ रहा था कि वह अपने वायदे वाले दिन उसके पैसे वापस कैसे करेगा।

उसके दिमाग में फिर एक बात आयी और अगले ही दिन वह अपने दोस्त चीते के पास चल दिया।

उसने चीते से भी दो सौ डंडियॉ उधार मॉगीं और उसको उनको उसी दिन वापस करने का वायदा किया जिस दिन उसने ओकुन को उसका उधार वापस करने के लिये बुलाया था।

[16] Translated for the word "Rods" – maybe this was the currency used in Nigeria in those times
[17] Translated for the words "Leopard and wild cat". See the picture of Leopard above.

उसने चीते से यह भी कहा कि जब वह अपना पैसा लेने आये और वह अगर घर में न हो तो जो कुछ भी उसे उसके घर में दिखायी दे उसे वह उसके घर आने तक आराम से खा सकता है।

उसके बाद वह शिकारी के आने का इन्तजार करे और वह आ कर उसको उसका पैसा वापस कर देगा। चीता राजी हो गया।

शिकारी फिर अपने दोस्त बकरे के पास गया और उससे भी उसने दो सौ डंडियॉ इसी शर्त पर उधार लीं।

फिर वह जंगली बिल्ले और मुर्गे के पास गया और उन दोनों से भी उसने दो दो सौ डंडियॉ इसी शर्त पर उधार लीं और उनसे भी उसने यही कहा कि अगर वह घर पर न हो तो जो कुछ उनको उसके घर में मिले उसको वे खा सकते थे और वह जब घर लौटेगा तब उनको उनका पैसा वापस कर देगा।

पक्का किया गया दिन आ पहुॅचा। शिकारी ने मक्का के कुछ दाने फर्श पर बिखेर दिये और घर छोड़ कर चला गया। पर वह कहीं दूर नहीं गया बल्कि वह तमाशा देखने के लिये वहीं अपने घर के पास ही छिप कर खड़ा हो गया।

उस दिन सुबह सुबह जब मुर्गा बॉग दे रहा था तो उसे याद आया कि शिकारी ने तो उस दिन उससे अपने घर आ कर अपने पैसे वापस ले जाने के लिये कहा था सो वह उसके घर की तरफ चल पड़ा।

वहाँ जा कर उसने देखा कि शिकारी का घर तो खाली पड़ा था। फिर उसको याद आया कि शिकारी ने तो यह भी कहा था कि "अगर मैं न होऊँ तो जो कुछ तुम्हें वहाँ दिखायी दे जाये वह खा लेना और मेरा इन्तजार करना" सो उसने सामने पड़े हुए मक्का के दाने देखे तो उनको खाना शुरू कर दिया।

थोड़ी ही देर में जंगली बिल्ला अपने पैसे लेने के लिये शिकारी के घर आ गया। उसने भी शिकारी को उसके घर में नहीं देखा पर उसको मुर्गा मक्का के दाने खाता नजर आ गया।

उसे भी याद आया कि शिकारी ने उससे कहा था कि "अगर मैं न होऊँ तो जो कुछ तुम्हें वहाँ दिखायी दे जाये वह खा लेना और मेरा इन्तजार करना"।

बस वह दबे पाँव उस मुर्गे के पीछे गया और उसके ऊपर कूद कर उसको तुरन्त ही मार डाला और उसे खाना शुरू कर दिया।

इतने में ही बकरा अपने पैसे लेने आ गया। उसको भी उसका दोस्त शिकारी उसके घर में कहीं दिखायी नहीं दिया पर उसको भी यह याद आ गया कि शिकारी ने उससे कहा था कि "अगर मैं न होऊँ तो जो कुछ तुम्हें वहाँ दिखायी दे जाये वह खा लेना और मेरा इन्तजार करना।"

सो इधर उधर देखने पर उसे जंगली बिल्ला दिखायी दे गया जो बड़ा मस्त हो कर मुर्गा खा रहा था। वह बिल्ला मुर्गा खाने में इतना ज़्यादा मस्त था कि उसको बकरे के आने का पता ही नहीं चला।

उधर बकरा शिकारी को उसके घर में न देख कर बहुत गुस्से में था क्योंकि उसके पैसे उसको तुरन्त ही वापस नहीं मिल रहे थे सो वह बिल्ले के ऊपर कूद पड़ा।

बिल्ले को यह बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगा पर क्योंकि वह बकरे जितना बड़ा नहीं था जो वह उसका मुकाबला कर सकता सो उसने मुर्गे का बचा हुआ माँस उठाया और जंगल की तरफ भाग गया।

इस तरह उसके तो पैसे गये क्योंकि उसने शिकारी के आने का इन्तजार ही नहीं किया।

अब घर में केवल बकरा रह गया। अब वही घर का मालिक था सो उसने खूब ज़ोर ज़ोर से चिल्लाना शुरू कर दिया। चीता उस समय शिकारी से अपना पैसा वसूल करने उसके घर आ रहा था सो उसने बकरे की आवाज सुनी।

जैसे जैसे वह शिकारी के घर के पास आता जा रहा था बकरे की बू तेज होती जा रही थी और उसके मुँह में पानी आता जा रहा था। अब चीता बकरे के इतने पास आ गया था कि वह उस पर कूद सकता था।

बकरा बड़ा बेफिक और निडर हो कर शिकारी के घर में घास चर रहा था क्योंकि वह अपने दोस्त के घर में था। कभी कभी वह में में कर लेता था पर वैसे वह अपनी घास और पेड़ से गिरे हुए पत्ते खाने में लगा हुआ था।

इतने में चीता बकरे के ऊपर कूदा और तुरन्त ही उसको मार दिया। अब उसने अपना खाना खाना शुरू किया।

अब तक सुबह के आठ बज चुके थे। शिकारी के दोस्त ओकुन ने अपना सुबह का नाश्ता किया, अपनी बन्दूक उठायी और शिकारी के घर अपनी दो सौ डंडियॉ लेने के लिये चल दिया जो उसने उससे उधार ली थीं।

जब ओकुन शिकारी के घर के पास पहुॅचा तो उसे कुछ चबाने की आवाज सुनायी दी। वह बड़ी होशियारी से आगे बढ़ा और शिकारी के घर की बाड़ के उस पार झॉक कर देखा तो देखा कि एक चीता बड़े आराम से एक बकरा खा रहा था।

ओकुन ने अपनी बन्दूक निकाली, निशाना साधा और चीते पर गोली चला दी। चीता तुरन्त मर गया। चीते की मौत का मतलब था कि शिकारी अब अपने चार देनदारों से आजाद हो चुका था क्योंकि बिल्ले ने मुर्गा मारा, बकरे ने बिल्ला को भगा दिया, चीते ने बकरा मारा और उसके दोस्त ओकुन ने अब चीते को मार दिया।

इस तरह ऐफियोंग ने आठ सौ डंडियॉ बचा ली थीं पर वह इससे भी सन्तुष्ट नहीं था। जैसे ही उसने बन्दूक के चलने की आवाज सुनी तो वह जहॉ छिपा खड़ा यह सब तमाशा देख रहा था वहॉ से निकल कर अपने घर आया जहॉ ओकुन मरे हुए चीते के पास खड़ा था।

उसने ओकुन से डॉट कर पूछा — “अरे तुमने मेरे इतने पुराने दोस्त चीते को मार दिया? मैं अभी जा कर इस सबको राजा को बताता हूँ वही न्याय करेगा।”

जब ऐफियोंग ने ऐसा कहा तो ओकुन डर गया और उससे प्रार्थना की कि वह यह सब राजा से न कहे क्योंकि इस सबसे राजा गुस्सा हो जायेगा। पर ऐफियोंग तो अपनी पर अड़ा हुआ था वह कुछ सुनना नहीं चाहता था।

आखिरकार ओकुन ने कहा — “अगर तुम सारा मामला दबा दो और किसी से इस बारे में बात न करो तो मैंने तुमको जो दो सौ डंडियॉ उधार दी थीं मैं उनको तुमसे वापस नहीं लूँगा।”

यही तो ऐफियोंग चाहता था पर फिर भी वह इस बात पर एकदम से राजी नहीं हो गया। आपस में कुछ ना नुकुर करने के बाद ही वह इस बात पर राजी हुआ।

उसने ओकुन से कहा कि वह अब जा सकता था और अपने दोस्त चीते का शरीर वह खुद ही गाड़ देगा। ओकुन जान बचा कर वहॉ से चला गया।

इधर ऐफियोंग ने चीते के शरीर को बजाय गाड़ने के अपने घर के अन्दर खींच लिया। उसने बड़ी होशियारी के साथ उसकी खाल निकाल ली और उसका मॉस खा लिया।

जब उसकी खाल बेचने लायक हो गयी तो वह उसे पास के बाजार में जा कर बेच आया। उस खाल के भी उसको बहुत सारे पैसे मिले।

अब जब भी कोई जंगली बिल्ला किसी मुर्गे को देखता है तो उसे मार देता है क्योंकि ऐसा करके वह सोचता है कि वह शिकारी से अपनी दो सौ डंडियों का कर्जे में से कम से कम कुछ कर्जा तो वसूल कर ही रहा है।

इसलिये कभी दोस्तों को पैसा उधार मत दो क्योंकि अगर वे तुम्हारा पैसा वापस नहीं कर पायेंगे तो तुमको किसी भी तरह नुकसान पहुँचाने की कोशिश जरूर करेंगे।

3 दो खालों वाली स्त्री[18]

इयाम्बा प्रथम कैलैबार[19] का एक बहुत बड़ा और ताकतवर राजा था। उसने अपने आस पास के बहुत सारे देश जीत लिये थे। वहाँ के आदमी और औरतों को भी वह पकड़ लाया था। वे लोग उसके खेतों पर अपनी पूरी ज़िन्दगी काम करते रहते थे।

इस राजा के दो सौ पत्नियाँ थीं पर किसी से भी उसको एक बेटा नहीं था।
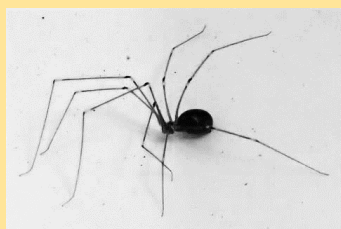
यह देख कर कि अब राजा बूढ़ा होता जा रहा था और उसके कोई बेटा नहीं था उसके दरबारियों ने उसको एक मकड़े की लड़की से शादी करने की सलाह दी क्योंकि मकड़ों के तो हमेशा ही बहुत सारे बच्चे हुआ करते थे।

लेकिन जब राजा ने मकड़े की लड़की को देखा तो उसको वह बिल्कुल भी अच्छी नहीं लगी क्योंकि वह बहुत ही बदसूरत थी। लोगों ने उसे बताया कि वह बदसूरत इसलिये थी क्योंकि उसकी माँ के बहुत सारे बच्चे थे।

---

[18] The Woman With Two Skins (Tale No 3)
[This story is a peculiar version of the story of the courteous Sir Gawain with “His Bride, hideous by day and a pearl by loveliness by light”. The Ju Ju man answers to the witch and to the stepmother of the Prince, who, by a magical potion makes the King forget his own true love.]

[19] Calabar is a city of Nigeria in its Cross River State towards Southwest.

फिर भी राजा ने अपने लोगों की खुशी के लिये उस मकड़े की लड़की से शादी कर ली और उसको भी अपनी दूसरी पत्नियों के साथ ही रख दिया।

परन्तु उसकी पत्नियों ने राजा से शिकायत की कि वे उसके साथ नहीं रह सकतीं क्योंकि वह बहुत बदसूरत थी। आखिरकार राजा ने उसके लिये एक अलग घर बनवा दिया जहॉ उसको भी वही खाना पीना मिलता था जो उसकी दूसरी पत्नियों को मिलता था।

राज्य का हर आदमी उस मकड़े की लड़की से नफरत करता था क्योंकि वह बहुत बदसूरत थी पर सचमुच में वह बदसूरत नहीं थी। वह बहुत सुन्दर थी। वह दो खालों के साथ पैदा हुई थी।

उसकी मॉ ने उससे कहा था कि वह अपनी बदसूरत वाली खाल को सिवाय रात के और कभी न उतारे जब तक कि उसको उतारने का ठीक समय न आ जाये और सुबह को तुरन्त उठते ही उस खाल को ओढ़ लिया करे।

राजा की पटरानी को मकड़े की लड़की के इस भेद का पता चल गया कि वह बहुत सुन्दर थी इसलिये वह उससे घबराने लगी कि यदि यह राजा को यह पता चल गया कि मकड़े की लड़की बहुत सुन्दर है तो राजा उसको अधिक प्यार करने लगेगा।

सो वह एक जू जू करने वाले[20] के पास गयी। उसको उसने **200** डंडियॉ[21] दीं और कहा कि वह उसके लिये एक ऐसा काढ़ा बना दे जिसको पी कर राजा यह भी भूल जाये कि वह मकड़े की लड़की को जानता भी था।

जू जू करने वाले ने ऐसे काढ़े के लिये **350** डंडियों की मॉग की जिसके लिये राजा की पटरानी तुरन्त तैयार हो गयी। जू जू करने वाले ने ऐसी दवा बनाने का वायदा किया और उसको वह दवा बना कर दे दी।

राजा की पटरानी ने वह दवा राजा को उसके खाने में मिला कर पिला दी। कुछ दिनों तक उस दवा ने काम किया कि राजा मकड़े की उस लड़की के पास से निकल जाता और उसे पहचानता भी नहीं था।

इस तरह चार महीने बीत गये और राजा ने मकड़े की लड़की अडियाहा[22] को अपने पास नहीं बुलाया। अडियाहा राजा की इस बेरुखी से बहुत तंग आ गयी और अपने माता पिता के घर चली गयी।

अडियाहा का पिता उसको एक दूसरे जू जू करने वाले के पास ले गया जो जादू टोना करने में बहुत होशियार था। उसने तुरन्त ही

[20] Ju Ju people of Nigeria are like Ojha of India who help to cure the patients by Black Magic and even to do Black Magic themselves on somebody.

[21] Translated for the word “Rods” – maybe the currency used in Nigeria in those times

[22] Adiaha – name of the daughter of spider

पता लगा लिया कि यह टोटका राजा की पटरानी ने उस लड़की के ऊपर करवाया था ताकि वह अडियाहा की तरफ देखे भी नहीं।

उस जू जू करने वाले ने मकड़े से कहा कि वह उसको एक ऐसी दवा तैयार करके देगा जिसे उसकी बेटी अपने पति को पिला देगी। उस जू जू करने वाले ने मकड़े से इस दवा के काफी पैसे ऐंठे और वह दवा बना कर उसको दे दी।

अडियाहा ने उस दवा को राजा के खाने में मिला दिया और वह खाना राजा को खिला दिया। जैसे ही राजा ने वह खाना खाया उसकी तो आँखें खुल गयीं। वह अडियाहा को अपनी पत्नी के रूप में पहचान गया और उसने उसको उसी शाम को अपने महल में बुला लिया।

अडियाहा तो बहुत खुश हो गयी। शाम से ही वह राजा से मिलने की तैयारी में लग गयी। वह शाम को नदी पर नहाने गयी और वहाँ से लौट कर उसने अपने सबसे अच्छे कपड़े पहने और राजा से मिलने के लिये चल दी।

जब वह राजा के महल में पहुँची तो रात हो चुकी थी। चारों तरफ अँधेरा ही अँधेरा था। उसने अपनी बदसूरत वाली खाल निकाल दी थी तब राजा ने देखा कि अडियाहा कितनी सुन्दर थी। राजा उससे बहुत खुश हुआ। सुबह होते ही अडियाहा ने अपनी वह बदसूरत खाल फिर से ओढ़ ली और अपने घर चली गयी।

चार रात तक वह ऐसा ही करती रही। रात को वह अपनी बदसूरत खाल निकाल देती और सुबह को अपनी बदसूरत खाल को पहन कर अपने घर चली जाती।

सारे लोगों को बड़ा आश्चर्य हुआ जब कुछ समय बाद उसने एक बेटे को जन्म दिया। पर सबको सबसे ज़्यादा आश्चर्य तो इस बात का था कि उसने केवल एक ही बच्चे को जन्म दिया था नहीं तो उसकी मॉ तो एक बार में अक्सर **50–50** बच्चों को जन्म दिया करती थी।

राजा की पटरानी को इससे बहुत जलन हुई। वह फिर से उस जू जू करने वाले के पास पहुॅची। उसने फिर उस जू जू करने वाले को बहुत सारे पैसे दिये और उस जू जू करने वाले ने फिर से उसको एक और दवा दी जिसको खिलाने से राजा बीमार हो जाता और अपने बेटे को भूल जाता।

यही दवा उस बीमार राजा को फिर उस जू जू करने वाले पास भेजती और जू जू करने वाला राजा को यह बताता कि यह सब उसके बेटे ने किया है।

उसी ने राजा को बीमार किया है क्योंकि वह उसको मार कर खुद राज करना चाहता है। और अगर वह अपने आपको बचाना चाहता है तो उसको अपने बेटे को पानी में फेंक देना चाहिये।

जैसा जू जू करने वाले ने कहा था वैसा ही हुआ। दवा खाते ही राजा बीमार हो गया और जब वह बीमार हो गया तो वह जू जू करने वाले के पास गया।

जूजू करने वाले ने उसको बताया कि यह सब उसके बेटे ने किया है। उसी ने राजा को बीमार किया है क्योंकि वह उसको मार कर खुद राज करना चाहता है। और अगर वह अपने आपको बचाना चाहता है तो उसको अपने बेटे को पानी में फेंक देना चाहिये।

राजा पहले तो अपने बेटे को पानी में फेंकने के लिये तैयार नहीं हुआ पर उसके सरदारों ने उसको समझाया कि वह इस लड़के को पानी में फेंक दे और भगवान ने चाहा तो अगले साल फिर उसके एक और बेटा हो जायेगा।

राजा मान गया और उसने अपने बेटे को नदी में फिंकवा दिया। अडियाहा अपने बेटे के लिये बहुत रोयी, बहुत रोयी, पर क्या करती। बेचारी रो पीट कर बैठ गयी।

राजा की पटरानी फिर से उस जू जू करने वाले के पास गयी और उससे कहा कि अबकी बार वह एक ऐसी दवा तैयार करे जिससे राजा अडियाहा को कम से कम तीन साल के लिये भूल जाये। सो जू जू करने वाले की उस दवा के असर से अबकी बार राजा अडियाहा को तीन साल के लिये भूल गया।

तीन साल तक अडियाहा बेचारी अपने बेटे और अपने पति से अलग होने का दुख मनाती रही फिर वह अपने पिता के पास गयी और अपने जू जू करने वाले से एक और दवा ले कर आयी।

जब वह दवा उसने राजा को खिलायी तो राजा उसको फिर से पहचान गया और उसको फिर से अपने पास बुला लिया।

जिस जू जू करने वाले के पास अडियाहा गयी थी वह पानी वाला जू जू करने वाला आदमी था सो जब राजा ने अडियाहा के बेटे को नदी में फिंकवाया था तो वह वहीं था। उसने राजा के बेटे को बचा लिया और उसे अपने घर ले गया।

वह उसे पालता पोसता रहा। बड़ा हो कर वह एक बहुत ताकतवर आदमी बन गया। उसकी शक्ल राजा से बहुत मिलती जुलती थी।

इस बीच में अडियाहा ने एक बेटी को जन्म दिया। राजा की पटरानी ने जलन की वजह से राजा से फिर उस लड़की को फेंक देने के लिये कहा।

राजा को उसकी लड़की को फेंक देने के लिये राजी करने में उसे काफी देर लग गयी पर किसी तरह उसने उसको मना लिया। राजा ने उस लड़की को भी नदी में फेंक दिया और वह फिर अडियाहा को भूल गया।

इस समय भी वह पानी वाला जू जू करने वाला वहाँ मौजूद था और उसने उस लड़की को भी बचा लिया। अब उसने सोचा कि

राजा की पटरानी को उसके कामों का सबक सिखाने का यह अच्छा मौका था।

वह जवान लोगों के सरदार के पास गया और उसको हर हफ्ते जवानों में एक कुश्ती का मैच रखने के लिये उकसाया। वह सरदार इस मैच के लिये तैयार हो गया।

उधर उस जू जू करने वाले ने राजकुमार को भी उस कुश्ती में हिस्सा लेने के लिये कहा और कहा कि वह बिल्कुल चिन्ता न करे उसको कुश्ती में कोई भी नहीं हरा पायेगा।

मैच रखा गया और उस मैच में हिस्सा लेने के लिये बहुत सारे ताकतवर लोग वहाँ आये। राजा भी अपनी पटरानी के साथ उस मैच को देखने के लिये वहाँ आया।

मैच वाले दिन जू जू करने वाले ने राजकुमार को विश्वास दिलाया कि उसका जू जू इतना ताकतवर था कि कोई कितना भी बड़ा ताकतवर कुश्तीबाज क्यों न हो वह उससे जीत नहीं पायेगा। जीतने वाले को राजा कपड़े और धन का इनाम देने वाला था।

जब आये हुए कुश्तीबाजों ने राजकुमार को देखा तो हँसे और बोले — "ओह यह छोटा सा लड़का कौन है? यह हमसे क्या कुश्ती लड़ेगा?"

पर जब कुश्ती शुरू हुई तो उनको लगा कि वे तो खुद ही उसके लायक नहीं थे। वह यह देख कर भी दंग थे कि उसकी शक्ल राजा से कितनी मिलती जुलती थी।

शाम तक सबसे लड़ने के बाद राजकुमार विजयी घोषित कर दिया गया। उनमें से कई कुश्तीबाज तो बेचारे काफी घायल हो गये थे। राजा ने राजकुमार को कपड़े और पैसे दिये और शाम को अपने साथ खाना खाने की दावत दी।

राजकुमार ने खुशी से उसकी दावत मान ली। वह नदी में नहा धो कर तैयार हुआ और राजा के महल में जा पहुँचा। वहाँ उसको कई सरदार और राजा की प्रिय पत्नियाँ दिखायी दीं।

सब लोग खाना खाने बैठे। राजकुमार राजा के पास बैठा हालाँकि राजा उसको जानता नहीं था कि वह उसका अपना बेटा था। राजकुमार के बाद राजा की पटरानी बैठी।

खाने के पूरे समय तक राजा की पटरानी राजकुमार से दोस्ती बढ़ाने की कोशिश में रही क्योंकि राजकुमार जवान था और बहुत सुन्दर था। और आज तो वह सबसे अच्छा कुश्तीबाज भी घोषित किया गया था।

राजा की पटरानी ने सोचा कि अब मेरा पुराना पति बूढ़ा हो गया है पता नहीं वह कब मर जाये सो उसके बाद मैं इसे अपना नया पति बना लूँगी।

राजकुमार जितना ताकतवर था उतना ही अक्लमन्द भी था। वह उस पटरानी की सब चालें समझ रहा था। उसने दिखावे के लिये यह दिखाया कि वह सब उसको अच्छा लग रहा था जो वह उसके साथ कर रही थी पर वह जल्दी ही अपना खाना खा कर अपने घर चला गया।

जब वह अपने घर पहुँचा तो उसने अपने पिता को सब बताया।

जू जू करने वाला बोला — "तुम अब राजा के प्यारे हो गये हो सो तुम कल राजा के पास जाओ और उससे कहो कि वह देश के सारे लोगों को बुलाये। उन सबके सामने एक मुकदमा रखा जायेगा। उसमें जो कोई भी अपराधी पाया जाये उसको ईबो[23] लोग सबके सामने मारें।"

अगले दिन वह राजकुमार राजा के पास गया और एक मुकदमा रखने की प्रार्थना की। राजा तुरन्त तैयार हो गया। उसने देश के सारे लोगों को उस मुकदमा सुनने के लिये बुला लिया।

फिर उस जू जू करने वाले ने उसको उसकी माँ के पास भेजा और कहा कि वह जा कर उसको बताये कि वह कौन था और

[23] Igbo people – they are people of justice

उससे यह भी कहे कि वह उस दिन अपनी बदसूरत वाली खाल उतार कर आये क्योंकि अब वह समय आ गया था जब इसके बाद उसको उस खाल की जरूरत नहीं पड़ेगी।

राजकुमार ने वैसा ही किया।

मुकदमे वाले दिन अडियाहा जा कर एक कोने में बैठ गयी। किसी ने भी उस अजनबी को नहीं पहचाना कि वह मकड़े की बेटी थी। राजकुमार अपनी बहिन को भी ले आया और अपनी माँ के पास आ कर बैठ गया।

अडियाहा ने जैसे ही राजकुमार की बहिन को देखा तो तुरन्त बोली — "यह तो मेरी बेटी होनी चाहिये जिसके लिये मैं इतना रोयी हूँ।" और उसको बड़े प्यार से गले लगा लिया।

राजा और उसकी पटरानी भी आ गये और सब लोगों के बीच में एक पत्थर पर आ कर बैठ गये। सब लोगों ने उनको नमस्कार किया।

राजा उठा और उसने घोषणा की कि आज वे सब उस कुश्ती में जीतने वाले लड़के की प्रार्थना पर एक मुकदमा सुनने के लिये इकट्ठा हुए हैं।

जो कोई भी हारेगा वह मरने के लिये ईबो के हवाले कर दिया जायेगा चाहे वह खुद या उसकी कोई पत्नी ही क्यों न हो। ईबो लोग उसका सिर पत्थर पर रख कर उसे मार देंगे।

सारे लोग मुकदमा सुनने के लिये बहुत उत्सुक थे कि ऐसा क्या मुकदमा है जो उन सबको बुलाया गया है। राजकुमार चारों तरफ घूमा और फिर बोला — "क्या आप लोग समझते हैं कि मैं किसी सरदार का बेटा होने के लायक हूँ?"

सब एक आवाज में बोले "हाँ हो।"

फिर वह अपनी बहिन का हाथ पकड़ कर भीड़ के बीच में ले आया और भीड़ से पूछा — "क्या यह मेरी बहिन किसी सरदार की बेटी होने के लायक नहीं है?"

लोगों ने उसकी सुन्दर बहिन को देखते हुए कहा — "हाँ है। यह तो किसी सरदार की ही नहीं बल्कि राजा की भी बेटी होने के लायक है।"

फिर वह अपनी माँ को ले कर आया जो अपने बहुत सुन्दर कपड़ों और मोतियों[24] के गहनों में और भी अधिक सुन्दर लग रही थी और भीड़ से पूछा — "क्या यह किसी राजा की पत्नी होने के लायक नहीं है?"

सबने एक आवाज में कहा — "बिल्कुल है। बल्कि इसको तो कई अच्छे बेटों की माँ भी होना चाहिये।"

फिर उसने राजा की पटरानी की तरफ इशारा करते हुए लोगों को अपनी कहानी सुनायी कि किस तरह उसकी माँ ने जो एक मकड़े की बेटी थी राजा से शादी की, फिर किस तरह राजा की पटरानी

[24] Translated for the word "Beads", not the pearls.

उससे जलने लगी और फिर कैसे उसने राजा के लिये उसकी मॉ के खिलाफ बुरा जू जू बनवाया।

उस बुरे जू जू की वजह से राजा उसकी मॉ को भूल गया। और फिर किस तरीके से उसने उसको और उसकी बहिन को नदी में फिंकवा दिया पर पानी वाले जू जू करने वाले ने उन दोनों को बचा लिया।

अब मैं इस मुकदमे का नतीजा राजा और आप लोगों पर छोड़ता हूॅ। इसमें यदि मैं गलती पर हूॅ तो मुझे ईबो को दे दिया जाये और यदि यह स्त्री गलती पर है तो इसको ईबो को दे दिया जाये। जैसा भी आप सब ठीक समझें।"

जब राजा को यह पता चला कि यह कुश्तीबाज लड़का उसका अपना बेटा है तो वह बहुत खुश हुआ और उसने तुरन्त ही अपनी पटरानी को ईबो को सौंप दिया और उनको हुक्म दे दिया कि वे उसके साथ अपने कानून के अनुसार बर्ताव करें।

ईबो लोगों को लगा कि राजा की पटरानी एक जादूगरनी थी सो वे उसको एक जंगल में ले गये और उसको एक खम्भे से बॉध दिया। वहॉ उसको हिप्पोपोटेमस की खाल से बने हुए कोड़े से **200** कोड़े मारे।

उसके बाद उन्होंने उसको ज़िन्दा जला दिया ताकि वह फिर किसी और के लिये कोई परेशानी खड़ी न कर सके। उसकी राख नदी में फेंक दी गयी।

राजा ने अडियाहा और अपने बच्चों को गले लगाया और लोगों में यह घोषित कर दिया कि अब अडियाहा ही उसकी पटरानी है।

जब मुकदमा खत्म हो गया तो अडियाहा को बहुत बढ़िया कपड़े पहनाये गये, मोतियों के गहने पहनाये गये और राजा के नौकर उसको महल में ले गये।

उस रात राजा ने अपने लोगों को एक बहुत बड़ी दावत दी और उनको बताया कि वह अपनी इतनी सुन्दर पत्नी को पा कर बहुत खुश था जिसको उसने पहले कभी पहचाना ही नहीं था।

उसको अपने ताकतवर बेटे और अपनी बेटी को पाने की भी बहुत खुशी थी।

उसकी वह दावत **166** दिन तक चली। इसके बाद राजा ने यह कानून बना दिया कि कोई भी स्त्री यदि अपने पति के खिलाफ इस तरह की कोई दवा बनवाती पायी गयी तो उसको मौत की सजा दी जायेगी।

उसके बाद राजा ने अपनी पत्नी, बेटे और बेटी के लिये तीन महल बनवाये और सब लोग आनन्द से रहने लगे। काफी दिनों बाद जब राजा मर गया तो उसका बेटा राजा बन गया।

4 राजा का जादू का ढोल[25]

यह बहुत दिनों पुरानी बात है कि नाइजीरिया के कैलैबार[26] प्रदेश में ऐफ्रियाम ड्यूक[27] नाम का एक राजा राज करता था। वह बहुत ही शान्तिप्रिय राजा था और उसको लड़ाई बिल्कुल भी अच्छी नहीं लगती थी।

उसके पास जादू का एक ढोल था। वह जब भी उस ढोल को बजाता था तो उसमें से बहुत अच्छा अच्छा खाना और पीने के लिये शराब आदि निकलते थे। सो जब भी कोई राजा उस पर चढ़ाई करता था तो बजाय लड़ने के वह अपने दुश्मनों को बुलाता और अपना ढोल बजाता।

तुरन्त ही उन सबके सामने बड़ी बड़ी मेजें लग जाती और उन पर मजेदार स्वादिष्ट खाना और शराब आदि लग जाते – फू फू, मछली, सूप, पकाया हुआ याम[28], भिंडी, कई प्रकार की बीयर आदि आदि। यह सब देख कर उसके दुश्मनों की सेना बहुत ताज्जुब करती।

---

[25] The King's Magic Drum (Tale No 4)

[26] Calabar is a city of Nigeria in its Cross River State

[27] Efriam Duke – name of the King of Calabar

[28] Yam is root tuber vegetable and is a very popular stable food of West African countries especially of Nigeria. See the picture of one of the cooked dishes of yam.

दुश्मनों की सेना इतना अच्छा खाना खा कर बहुत खुश होती। सारे सैनिक सन्तुष्ट हो जाते क्योंकि उनका पेट भर जाता और वे बिना लड़े ही चले जाते। इस तरह वह राजा अपने दुश्मनों को भी खुश और दूर रखता था।

उस ढोल में बस एक ही कमी थी और वह यह कि अगर उसके मालिक का पैर सड़क पर पड़ी किसी लकड़ी की डंडी पर पड़ जाये या फिर किसी गिरे हुए पेड़ पर पड़ जाये तो उस ढोल से निकला हुआ सारा खाना खराब हो जाता था और 300 ईबो[29] लोग डंडे ले कर प्रगट हो जाते थे और उस ढोल के मालिक और उससे निकला खाना खाने वालों को बहुत मारते थे।

ऐफ्रियाम ड्यूक एक बहुत अमीर आदमी था। उसके पास बहुत सारे खेत थे, सैंकड़ों गुलाम थे और समुद्र के किनारे एक बहुत बड़ा अन्न का गोदाम था।

उसके पास पाम के तेल के बहुत सारे डिब्बे थे। उसकी पचास पत्नियाँ थीं और उनसे उसके बहुत सारे बच्चे थे। उसकी सब पत्नियाँ बहुत अच्छी माँऐं थीं और वे अपने बच्चों को तन्दुरुस्त रखती थीं।

हर कुछ महीनों में राजा अपनी सब प्रजा को अपने घर बुलाता था और एक शानदार दावत देता था। यहाँ तक कि वह अपने राज्य के जंगली जानवरों को भी नहीं छोड़ता था – शेर, चीते,

[29] Igbo people are to maintain discipline

भालू, जंगली गायें, बारहसिंगे आदि आदि सभी जानवरों को वह उस दावत में बुलाता था।

उन दिनों जंगली जानवरों से आदमियों को कोई परेशानी नहीं होती थी क्योंकि सभी आपस में दोस्ती से रहते थे और कोई एक दूसरे को मारता नहीं था।

सारे लोग राजा के ढोल से जलते थे और उसको पाना चाहते थे पर राजा उस ढोल को किसी को देता नहीं था।

एक सुबह राजा की एक पत्नी ऐक्वोर एडेम[30] अपनी बेटी को एक खास झरने पर नहलाने के लिये ले जा रही थी क्योंकि उसके शरीर पर बहुत सारी फुन्सियॉ हो रहीं थीं।

उस झरने के पास पाम का एक पेड़ था और उस पेड़ के ऊपर एक कछुआ बैठा था। वह कछुआ वहॉ बैठा बैठा अपने दोपहर के खाने के लिये पाम की कुछ गिरी[31] तोड़ रहा था कि गिरी तोड़ते समय उसकी एक गिरी नीचे गिर गयी।

बच्ची ने जैसे ही पाम की गिरी जमीन पर देखी तो वह उसे खाने के लिये चिल्लायी। मॉ को कुछ और नहीं सूझा तो उसने वह गिरी उठा कर बच्ची को दे दी।

[30] Ekwor Edem – name of the king's wife

[31] Translated for the words "Palm Nuts". See their picture above.

कछुआ ऊपर बैठा यह सब देख रहा था। वह तुरन्त ही पेड़ से नीचे उतरा और उस स्त्री से पूछा कि उसकी पाम की गिरी कहाँ है। माँ ने भोलेपन से जवाब दिया कि वह गिरी तो नीचे पड़ी थी सो मैंने उसे बच्ची को खाने के लिये दे दी।

यह कछुआ भी राजा का ढोल लेना चाहता था तो उसने सोचा कि यह अच्छा मौका है राजा के ढोल लेने का। वह इस बात को ले कर खूब हल्ला गुल्ला मचायेगा और राजा को उसका ढोल उसको देने पर मजबूर कर देगा।

यही सोच कर वह बच्ची की माँ से बोला — "मैं तो बहुत ही गरीब हूँ। बड़ी मुश्किल से मैं अपने और अपने परिवार के लिये खाना लाने के लिये पेड़ पर चढ़ कर पाम की कुछ गिरी तोड़ रहा था कि तुमने मेरी गिरी ले ली और अपनी बच्ची को दे दी।

अब मैं यह सब मामला जा कर राजा को बताता हूँ। जब वह यह सुनेगा कि उसकी पत्नी ने मेरा खाना चुराया है तब मैं देखता हूँ कि वह क्या कहता है।"

जब माँ अपनी बच्ची को झरने में नहला चुकी तो अपने साथ वह कछुए को भी अपने घर ले गयी और राजा को बताया कि उसके साथ क्या हुआ था।

राजा ने कछुए से पूछा कि वह अपनी गिरी के बदले में क्या लेगा – धन, कपड़े, पाम का तेल, अनाज? पर कछुए ने इन सबके लिये मना कर दिया।

राजा ने फिर कहा और जो भी कुछ तुमको चाहिये तुम वह मॉग लो मैं तुम्हें वही दे दूॅगा।

अबकी बार कछुए ने तुरन्त राजा के ढोल की तरफ इशारा करते हुए कहा — "मुझे तो केवल आपका यह ढोल ही चाहिये।"

हालॉकि राजा कछुए को वह ढोल देना नहीं चाहता था पर उससे बहस से बचने के लिये राजा ने वह ढोल कछुए को दे दिया पर उसने उसे यह नहीं बताया कि उसकी क्या कमी थी – जैसे कि उसको सड़क पर पड़े किसी लकड़ी के डंडे पर या किसी गिरे हुए पेड़ पर पैर नहीं रखना चाहिये।

कछुआ खुशी खुशी घर चला गया और जा कर अपनी पत्नी को अपनी जीत की कहानी सुनायी।

उसने अपनी पत्नी से कहा — "मैं अब बहुत अमीर हो गया हूॅ अब मुझे काम करने की कोई जरूरत नहीं है। मैं अब जब भी चाहूॅ तभी खाना खा सकता हूॅ। मुझे तो बस इस ढोल को बजाने की जरूरत है और यह ढोल मेरे सामने बहुत सारा खाना और शराब ला कर दे देगा।"

कछुए की पत्नी और बच्चे तो यह सुन कर बहुत ही खुश हुए और उन्होंने उससे उस ढोल को बजाने के लिये कहा ताकि वे सब खूब अच्छा अच्छा खाना खा सकें क्योंकि वे सभी भूखे थे।

कछुआ यह सुन कर ढोल बजाने के लिये तुरन्त ही राजी हो गया क्योंकि जो चीज़ वह ले कर आया था और जो अब उसकी अपनी थी उसका कमाल वह अपने परिवार को दिखाना चाहता था।

इसके अलावा वह खुद भी बहुत भूखा था सो उसने वह ढोल उसी तरीके से बजा दिया जैसे उसने राजा को दावत देने के समय बजाते देखा था।

जैसे ही कछुए ने ढोल बजाया वहाँ बहुत सारा स्वादिष्ट खाना प्रगट हो गया। कछुए का पूरा परिवार बैठ गया और उन सबने खूब पेट भर कर खाना खाया।

यह सब तीन दिन तक ठीक ठाक चलता रहा। उसके सारे बच्चे अच्छा और खूब खाना खा खा कर खूब मोटे हो गये।

अब इस सबको दिखाने के लिये कछुए ने सब आदमियों को, जानवरों को और राजा को भी दावत दी। जब सबको यह बुलावा मिला तो सब बहुत हँसे क्योंकि वे यह जानते थे कि कछुआ तो बहुत ही गरीब है वह इतने सब लोगों को खाना कैसे खिलायेगा। इसलिये बहुत ही थोड़े लोग उसके यहाँ आये।

पर राजा को तो मालूम था कि कछुए के पास ढोल है और वह कितनी भी बड़ी दावत दे सकता है इसलिये राजा उसके यहाँ आया।

जैसे ही कछुए ने ढोल बजाया बहुत सारा मजेदार खाना हाजिर हो गया और सारे लोगों ने खूब खाना खाया।

वे सब यह देख कर हैरान थे कि कछुए के पास इतना सारा खाना आया कहाँ से? जब वे खाना खा कर अपने घर चले गये तो उन्होंने अपने जानने वालों को भी बताया कि आज उन्होंने कछुए के घर कितना सारा और कितना अच्छा खाना खाया था। ऐसा खाना तो उन्होंने अपनी ज़िन्दगी में पहले कभी नहीं खाया था।

जो लोग कछुए के घर नहीं गये थे वे बहुत दुखी हुए कि वे इतना अच्छा खाना खाने क्यों नहीं गये क्योंकि इतना अच्छा मुफ्त का खाना रोज रोज थोड़े ही मिलता है।

अब इस दावत को देने के बाद कछुआ राज्य का सबसे अमीर आदमी हो गया था और अब सब उसकी बहुत इ़ज़्ज़त करने लगे थे।

सिवाय राजा के किसी और को इस भेद का पता नहीं था कि कछुए ने यह दावत कैसे दी पर सबने यह सोच लिया कि अब यदि कछुआ उनको दावत पर बुलायेगा तो वे कभी भी ना नहीं करेंगे।

जब ढोल लिये हुए कछुए को कुछ हफ्ते बीत गये तो वह बहुत आलसी हो गया। अब वह कोई काम करने नहीं जाता था बल्कि हर समय अपनी अमीरी की ही शान बघारता रहता था। वह अब पीने भी बहुत लगा था।

एक दिन कछुआ दूर किसी खेत पर ताड़ी[32] पीने गया तो वहाँ वह अपना ढोल भी ले गया। वहाँ जा कर उसने बहुत ताड़ी पी।

---

[32] Translated for the word “Palm Wine”

पर जब वह घर लौट रहा था तो रास्ते में पड़ी एक डंडी पर उसका पैर पड़ गया।

डंडी पर पैर पड़ते ही उस ढोल का जू जू[33] तुरन्त ही टूट गया पर उसको इस बात का पता ही नहीं चला क्योंकि उसको तो यह सब कुछ मालूम ही नहीं था।

वह जब घर आया तो बहुत थका हुआ था। घर आ कर उसने वह ढोल एक कोने रख दिया और सोने चला गया। सुबह को जब वह उठा तो उसे बहुत भूख लगी थी। उसकी पत्नी और बच्चे भी खाने के लिये शोर मचा रहे थे सो तुरन्त ही उसने अपना ढोल बजाया।

पर यह क्या? बजाय खाने के वहॉ तो 300 ईबो लोग डंडा ले कर आ गये और उन्होंने कछुए और उसके परिवार वालों को अपने डंडों से खूब पीटा।

यह देख कर कछुआ बहुत गुस्सा हुआ। उसने सोचा मैंने तो बहुत सारे लोगों को दावत के लिये बुलाया था पर बहुत कम लोग आये थे और हर एक को उस दावत में खूब पेट भर कर खाना मिला और जब मैंने केवल अपने परिवार के लिये खाना मॉगा तो ये ईबो आ गये और इन्होंने हमें मारा।

[33] Ju Ju is a kind of magic or Black Magic in West Africa. In Hindi it is called “Jaadoo Tonaa”.

अब मैं सब लोगों को इसी तरह मारूँगा। क्योंकि इस ढोल की दावत तो सारे लोग उड़ायें और मार केवल मैं ही खाऊँ? यह नहीं हो सकता।

अगले दिन उसने फिर सबको शाम को तीन बजे दावत के लिये बुलाया। इस बार बहुत सारे लोग आये क्योंकि वे इतनी अच्छी दावत को खोना नहीं चाहते थे।

बीमार लोग, लॅगड़े लोग, और अन्धे लोग भी आये पर राजा और उसकी पत्नियॉ नहीं आये। राजा को पता चल गया था कि उसके ढोल का जू जू टूट चुका है इसलिये अब वहॉ खाने की बजाय मार मिलने वाली है।

जब सब लोग आ गये तो कछुए ने अपना ढोल बजाया और ढोल बजा कर जल्दी से एक बैन्च के नीचे छिप कर बैठ गया जहॉ उसको कोई नहीं देख सकता था। उसको तो मालूम था कि ढोल बजने पर क्या होने वाला है सो उसने अपनी पत्नी और बच्चों को भी पहले ही दूर भेज दिया।

जैसे ही उसने ढोल बजाया 300 ईबो लोग डंडा लिये प्रगट हो गये और उन्होंने सब मेहमानों को मारना शुरू कर दिया। कोई भी मेहमान भाग नहीं सका क्योंकि कछुए ने अपने घर के ऑगन के दरवाजे पहले से ही बन्द कर दिये थे।

यह पिटाई करीब दो घंटे तक चलती रही। बहुत सारे लोग तो इतने अधिक घायल हो गये थे कि दूसरे लोग उनको उठा उठा कर ले गये।

एक चीता ही था जो इस पिटाई से बचा रहा क्योंकि जैसे ही उसने ईबो लोगों को देखा वह समझ गया कि अब यहाँ कुछ गड़बड़ होने वाली है सो उसने एक ऊँची छलाँग लगायी और वह कछुए के घर के आँगन से बाहर कूद गया।

जब कछुआ सबकी पिटाई से सन्तुष्ट हो गया तब वह अपनी बैन्च के नीचे से बाहर निकला और उसने अपने घर के आँगन का दरवाजा खोला। तब सारे लोग बाहर निकले। फिर उसने ढोल को एक खास तरीके से बजाया तो वे सारे ईबो लोग गायब हो गये।

कछुए की इस तरह की दावत से सारे लोग कछुए से बहुत गुस्सा थे सो कछुए ने निश्चय किया कि वह अगले दिन वह ढोल राजा को वापस कर देगा। अगले दिन सुबह ही कछुए ने वह ढोल उठाया और राजा के महल की तरफ चल दिया।

राजा के महल में पहुँच कर वह राजा से बोला कि वह उस ढोल से सन्तुष्ट नहीं था और वह अपनी गिरी के बदले कुछ और लेना चाहता था।

अब उसको इस बात की कोई ज़्यादा फिक्र नहीं थी कि अब राजा उसे क्या देता है क्योंकि राजा की दी हुई पहली चीज़ की तो उसने पूरी कीमत वसूल कर ली थी।

अब वह अपनी गिरी के बदले में कुछ गुलाम या कुछ खेत या कुछ कपड़े या कुछ धन लेने के लिये भी तैयार था।

राजा ने उसे यह सब देने से इनकार कर दिया और क्योंकि राजा कछुए के लिये सचमुच ही बहुत दुखी था इसलिये उसने उसको जादू का एक फू फू[34] का पेड़ देने का विचार किया। कछुआ भी यह जादू का पेड़ लेने के लिये तुरन्त तैयार हो गया।

यह जादू का फू फू का पेड़ साल में फल तो एक बार ही देता था परन्तु फू फू और सूप रोज गिराता था।

उस पेड़ की शर्त यही थी कि कछुए को दिन में केवल एक बार ही यह फू फू और सूप उस पेड़ के नीचे से पूरे दिन के लिये इकट्ठा करना होता था। वह दोबारा उसी दिन फू फू और सूप इकट्ठा करने नहीं आ सकता था।

कछुए ने राजा को उसकी दया के लिये धन्यवाद दिया, फू फू का वह पेड़ लिया और घर चला गया।

उसने अपनी पत्नी को बुलाया और उससे एक कैलेबाश[35] लाने के लिये कहा। उस दिन कछुए ने दिन भर के लिये काफी फू फू और सूप इकट्ठा कर लिया और वे सब उस खाने से बहुत खुश थे। खुशी खुशी वे सब पेट भर कर खाना खा कर सो गये।

---

[34] Foo Foo is a kind of Nigeran food

[35] Calabash is the dry cover of a pumpkin like fruit which can be used to keep dry or wet things. It looks like Indian clay pitcher. See its picture above.

लेकिन कछुए के बच्चों में से उसका एक लड़का बहुत लालची था। वह रात भर यही सोचता रहा कि उसका पिता यह सब अच्छी अच्छी चीज़ें लाता कहाँ से है।

सो सुबह उठते ही उसने अपने पिता से पूछा — "पिता जी आप यह इतना अच्छा फ़ू फ़ू और सूप कहाँ से लाये?"

उसका पिता तो चुप रहा पर उसकी चालाक पत्नी बोली — "यदि हम अपने बच्चों को फ़ू फ़ू के पेड़ का भेद बता दें तो हमारे बच्चों को यदि ज़्यादा भूख लगी तो वे दोबारा उस पेड़ के पास चले जायेंगे और फ़ू फ़ू और सूप इकट्ठा कर लायेंगे। इससे उस पेड़ का जू जू टूट जायेगा।"

लेकिन उस लालची लड़के ने अपने लिये खूब सारा खाना लाने की सोची और अगले दिन वह अपने पिता के पीछे पीछे यह देखने के लिये गया कि उसका पिता कहाँ जाता है और क्या करता है।

हालाँकि यह काम ज़रा मुश्किल था क्योंकि उसका पिता अक्सर बाहर अकेला ही जाता था और बहुत ही होशियारी से यह देखते हुए जाता था कि कहीं कोई उसका पीछा तो नहीं कर रहा पर फिर भी कछुए के उस बेटे ने उसका पीछा करने की तरकीब निकाल ही ली।

उसने एक लम्बी गर्दन वाला कैलेबाश लिया जिसमें दूसरी तरफ एक छेद था। उसमें उसने लकड़ी की राख भर

ली। उसने एक थैला भी ले लिया जैसा कि उसका पिता ले कर जाता था।

थैले में उसने एक छेद कर लिया और राख भर कर उसने वह कैलेबाश उलटा कर यानी कैलेबाश की गर्दन नीचे कर के उस थैले में रख लिया। ताकि जब उसका पिता उस पेड़ की तरफ जाये तो वह उसके पीछे पीछे राख बिखेरता जाये।

सो जब उसका पिता अपना थैला लटका कर खाना लेने के लिये चला तो उसके पीछे उसका लालची बेटा भी अपना कैलेबाश वाला थैला ले कर राख बिखेरता हुआ चला।

वह बहुत होशियारी से जा रहा था ताकि उसके पिता को ज़रा सा भी शक न हो जाये कि कोई उसका पीछा कर रहा था

आखिर कछुआ उस फ़ू फ़ू के पेड़ के पास आ पहुँचा। उसने अपने कैलेबाश उस पेड़ के नीचे रखे और दिन भर के लिये खाना इकट्ठा कर लिया।

उसका बेटा यह सब छिप कर देख रहा था। जब कछुए ने खाना अपना दिन भर का खाना इकट्ठा कर लिया तो वह घर की तरफ चल पड़ा। यह देख कर कछुए का बेटा भी वापस चल दिया। घर आ कर उसने दूसरों की तरह पेट भर कर खाना खाया और सो गया।

अगली सुबह उसने अपने कुछ भाइयों को साथ लिया और जब उसके पिता ने दिन भर का खाना इकट्ठा कर लिया तो वह अपने

भाइयों के साथ और अधिक खाना इकट्ठा करने के लिये उस पेड़ की तरफ चल दिया।

वहॉ जा कर उसने जैसे ही खाना इकट्ठा किया उस पेड़ का जू जू टूट गया और उसको दोबारा खाना नहीं मिल सका।

अगले दिन जब कछुआ रोज की तरह उस पेड़ से खाना लेने के लिये गया ता वह पेड़ तो वहॉ था ही नहीं। वह पेड़ तो नजरों से ही गायब हो गया था। वहॉ केवल कॉटे वाले पाम के पेड़ खड़े थे।

कछुआ तुरन्त ही समझ गया कि किसी ने उस पेड़ का जूजू दोबारा खाना इकट्ठा कर के तोड़ दिया था। वह बेचारा दुखी मन से घर वापस आ गया और अपनी पत्नी को बताया कि क्या हुआ था।

फिर उसने अपने परिवार के सब लोगों को इकट्ठा किया और सबसे पूछा कि यह काम किसने किया पर सबने मना कर दिया कि उन्होंने किसी ने ऐसा नहीं किया।

बेचारा कछुआ उन सबको उस फू फू पेड़ के पास ले कर आया जहॉ अब कॉटों वाला पाम का पेड़ खड़ा हुआ था।

उनको वहॉ ला कर वह उन सबसे बोला — “मेरी प्यारी पत्नी और बच्चों, मैंने तुम लोगों के लिये जो कुछ भी कर सकता था किया पर तुम लोगों ने इस पेड़ का जू जू तोड़ दिया इसलिये अब तुम सब लोग इसी कॉटों वाले पाम के पेड़ के नीचे रहो।”

उस दिन से कछुए अब वैसे ही कॉटों वाले पाम के पेड़ों के नीचे रहते पाये जाते हैं क्योंकि उनको कहीं और खाना ही नहीं मिलता।
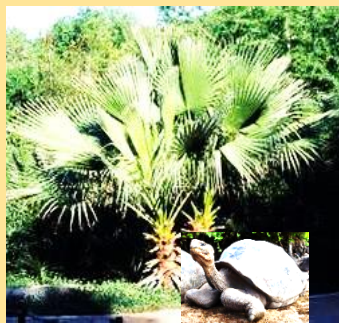
5 इटुऐन और राजा की पत्नी[36]

[36] Ituen and the Wife of the King (Tale No 5) NOT GIVEN HERE

6 एक अजनबी जिसने राजा को मारा[37]

ऐमबोटू[38] नाइजीरिया के एक बहुत पुराने शहर कैलैबार का एक बहुत ही मशहूर राजा था। वह अक्सर लड़ाई पर जाता रहता था और वह एक बहुत ही अच्छा नेता था। जितने भी लोग वह लड़ाई में बन्दी बना कर लाता उन सबको वह अपना दास बना लेता।

इस तरह से वह अमीर तो बहुत हो गया पर उसके दुश्मन भी बहुत हो गये थे। खास कर इटू[39] के लोग उससे बहुत नाराज थे और उसको मारना चाहते थे पर वे इतने ताकतवर नहीं थे कि वे उसको लड़ाई में जीत सकें सो उनको चालाकी से काम लेना था।

इटू लोगों मे एक स्त्री थी जो जादूगरनी[40] थी। वह अपने आप को किसी रूप में भी बदल सकती थी। जब उसने इटू के लोगों से यह कहा कि वह ऐमबोटू को मारने में उनकी सहायता करेगी तो इटू के लोग बहुत खुश हुए। उन्होंने भी उसको इस काम के बदले में बहुत सारे पैसे और कपड़े देने का वायदा किया।

उस स्त्री ने अपने आपको एक सुन्दर लड़की के रूप में बदला, एक तेज़ धार वाला चाकू लिया और उसको अपने कपड़ों में छिपा कर वह पुराने कैलैबार शहर चली।

---

[37] A Stranger Who killed the King (Tale No 6)

[38] Mbotu – name of the King of Calabar. Calabar is a city of Nigeria in its Cross River State.

[39] Itu – a village in Nigeria

[40] Translated for the word “Witch”

जब वह वहाँ पहुँची तो शहर में एक बहुत बड़ा नाटक खेला जा रहा था। वहाँ बहुत सारे आस पास के देशों के लोग भी गाने नाचने और दावत के लिये आये हुए थे।

ओयैकान[41] जादूगरनी भी वहाँ पहुँच गयी और चारों तरफ घूम आयी ताकि वहाँ आये सारे लोग उसको देख सकें। सब लोग उसकी सुन्दरता को देख कर हैरान थे। वह बहुत ही सुन्दर लग रही थी।

राजा सुन्दर लड़कियों का बहुत शौकीन था सो यह बात जब राजा तक पहुँची तो उसने उस स्त्री को बुला भेजा। लोगों ने सोचा कि वह सचमुच में ही राजा की पत्नी बनने के लायक थी।

जैसे ही राजा ने उसको देखा तो वह उस पर मोहित हो गया और उसने तुरन्त ही उससे शादी के लिये कहा और साथ में यह भी कहा कि वह यह शादी उसी दिन करना चाहेगा।

उस स्त्री ने यह सपने में भी नहीं सोचा था कि यह मौका उसको इतनी जल्दी मिल जायेगा। वह बहुत खुश हुई।

उसने राजा के लिये बहुत ही स्वादिष्ट खाना बनाया जिसमें उसने एक दवा मिला दी जो राजा को सुला देती और वह खुद नदी पर नहाने चली गयी।

[41] Oyaikan – name of the witch

जब वह अपना सब काम खत्म कर के घर आयी तो रात होने वाली थी सो वह अपने हाथ का बनाया खाना ले कर राजा के कम्पाउन्ड की तरफ चल दी।

राजा ने उसको बड़े प्रेम से अपने पास बिठाया। उसने भी राजा को अपना बनाया खाना यह कहते हुए खिलाया कि वह खाना उसने खास तौर पर उसके लिये अपने हाथ से बनाया था।

राजा ने वह खाना बड़े प्रेम से खाया और वह खाना खा कर उसको बहुत जल्दी नींद आने लगी क्योंकि उस जादूगरनी ने उस खाने में उसको सुलाने वाली दवा मिला दी थी।

खाने में मिलायी गयी दवा काफी तेज़ थी और उसने अपना असर जल्दी ही दिखाना शुरू कर दिया था। दोनों राजा के सोने कमरे की तरफ चले गये और वहाँ जा कर राजा बहुत जल्दी ही सो गया।

आधी रात के समय जब सारा शहर शान्त पड़ा था तो ओयैकान ने अपने कपड़ों में से अपना चाकू निकाला और सोते हुए राजा का गला काट दिया। उसने राजा के सिर को एक थैले में रखा और चुपचाप वहाँ से चल दी।

जाते समय वह सारे दरवाजे बन्द करती गयी। वह इटू पहुँची और ऐमबुटू का सिर उसने अपने राजा के सामने रख दिया।

जैसे ही इटु के राजा ने देखा कि उस जादूगरनी ने कैलैबार के राजा ऐमबुटू को मार दिया है इटु में बहुत खुशियाँ मनायी गयीं।

इटु के राजा ने अब पुराने कैलैबार पर हमला करने का निश्चय किया। उसने यह भी पक्का कर लिया कि कोई भी उसके हमले की खबर कैलैबार नहीं पहुँचायेगा।

उधर अगले दिन कैलैबार में जब लोगों ने देखा कि उनका राजा नहीं उठा तो राजा की पत्नी ने जा कर उसके सोने के कमरे का दरवाजा खटखटाया।

जब दरवाजा नहीं खुला तो उसने घर के कई लोगों को इकट्ठा किया और दरवाजा तोड़ा गया। लोगों ने देखा कि राजा तो मर चुका है और उसके बिस्तर पर बहुत सारा खून बहा पड़ा है पर उसका सिर वहाँ कहीं नहीं है।

सारे राज्य में यह खबर आग की तरह फैल गयी कि कैलैबार का राजा ऐमबुटू मारा गया और सारा राज्य दुख में डूब गया। हालाँकि सब लोग उस सुन्दर स्त्री को भूल नहीं पा रहे थे पर वे किसी भी तरह से उस स्त्री को इस मौत से जोड़ भी नहीं पा रहे थे।

वे और किसी खतरे की तरफ से भी बिल्कुल बेफिक्र थे। उनको किसी हमले की भी उम्मीद नहीं थी। असल में वे यह भी नहीं सोच पा रहे थे कि यह इटू में रहने वालों की कोई चाल थी।

दुख मनाने के बीच में वे जब पी रहे थे नाच रहे थे तो इटु के लोगों ने कैलैबार देश पर हमला बोल दिया। कैलैबार के सब लोग पकड़े गये और इटु लोगों का उनके ऊपर राज हो गया।

तब से उन्होंने यह नियम बना दिया कि कभी भी अजनबी से तो शादी करनी ही नहीं चाहिये पर उसके हाथ का खाना तो कभी भी नहीं खाना चाहिये।

7 चिमगादड़ रात को ही क्यों उड़ता है[42]

एक जंगली चूहा जिसका नाम रोयोट था ऐमिओंग[43] नाम के चिमगादड़ का बड़ा अच्छा दोस्त था। दोनों साथ साथ खाना खाते थे और और भी बहुत सारे काम वे दोनों एक साथ ही किया करते थे। पर चिमगादड़ चूहे से जलता बहुत था।

चिमगादड़ जब भी अपना खाना बनाता था उसका खाना हमेशा ही बहुत स्वाददार होता था। चूहा कहता — "चिमगादड़ भाई, क्या बात है जब भी तुम सूप बनाते हो वह बहुत ही स्वाददार होता है।"

तो चिमगादड़ जवाब देता — "चूहे भाई, मैं जब भी सूप बनाता हूॅ तो सबसे पहले मैं अपने आपको पानी में उबालता हूॅ और क्योंकि मेरा मॉस बहुत मीठा है इसलिये मेरा सूप भी बहुत स्वाद बनता है।"

बाद में चिमगादड़ ने उस जंगली चूहे से यह भी कहा कि एक दिन वह उसको बना कर दिखायेगा कि वैसा सूप कैसे बनाते हैं।

सो एक दिन उसने एक बर्तन में हलका गर्म पानी लिया और उसमें कूद गया। पर चूहे को उसने बताया कि वह उबलता हुआ पानी था। थोड़ी ही देर में वह उस पानी में से बाहर निकल आया।

---

42 Why the Bat Flies By the Night (Tale No 7)

43 Royot was the name of the wild rat and Emiong was the name of the bat

जब वे दोनों वह सूप पीने बैठे तो वह सूप और दिनों की तरह वाकई बहुत अच्छा था क्योंकि चिमगादड़ ने उसे पहले ही पका कर रख लिया था।

जंगली बिल्ला घर गया तो उसने अपनी पत्नी से कहा कि आज मैं उस चिमगादड़ के सूप की तरह बहुत ही अच्छा सूप बनाऊँगा। कह कर उसने अपनी पत्नी से कहा कि वह सूप के लिये पानी उबाले। पत्नी ने पति के लिये पानी उबाल दिया।

जब उसकी पत्नी उधर नहीं देख रही थी तब वह उस उबलते पानी में कूद पड़ा और कुछ पल में ही मर गया।

जब पत्नी ने पानी की तरफ देखा और देखा कि उसका पति तो उस उबलते पानी में डूब कर मर गया है तो वह बहुत दुखी और नाराज हुई और जा कर राजा को सब कुछ बताया कि किस तरह उसका पति मर गया था। सारा मामला सुन कर राजा ने चिमगादड़ को बन्दी बनाने का हुक्म दे दिया।

सारे जानवर चिमगादड़ को बन्दी बनाने के लिये दौड़े पर उसको भी खतरे का कुछ कुछ अन्दाजा हो गया था सो वह उड़ कर जंगल की तरफ भाग गया और जा कर झाड़ियों में छिप गया।

सारा दिन जानवर उसको ढूँढते रहे पर वह उनको कहीं नहीं मिला। वे जानवर उसको रोज सारा दिन ढूँढते पर वह उनको कहीं नहीं मिलता।

अब उसको उन जानवरों से बचने के लिये अपनी आदतें बदलनी थीं। दिन में रोज जानवर उसको ढूँढते थे इसलिये अब वह दिन में नहीं निकलता था अब वह केवल रात में ही निकलता था।

उन जानवरों के डर से ही वह आज तक भी दिन में नहीं निकलता और इसी लिये तुम लोग भी उसको दिन में नहीं देख पाते।

8 एक लड़की जिसने एक खोपड़ी से शादी की[44]

ऐफियोंग एडेम कोभम शहर[45] का रहने वाला था। उसके एक बहुत ही सुन्दर बेटी थी जिसका नाम था अफियोंग[46]। देश के सारे नौजवान उसकी सुन्दरता की वजह से उससे शादी करना चाहते थे पर उसने अपने माता पिता के कहने के बावजूद उन सब नौजवानों को मना कर दिया था।

वह बहुत ही जिद्दी किस्म की लड़की थी उसका कहना था कि वह देश के किसी ऐसे नौजवान से शादी करेगी जो सबसे सुन्दर हो, जवान हो और उसे ठीक से प्यार करे।

बहुत सारे लोग जिनसे उसके माता पिता उसकी शादी करना चाहते थे वे सब उससे उम्र में काफी बड़े थे और देखने में सुन्दर भी नहीं थे। इसलिये वह अपने माता पिता को उन सबके लिये मना करती रही। उसके माता पिता उसकी इस हरकत से बहुत दुखी और परेशान थे।

एक खोपड़ी जो आत्माओं की दुनियाँ में रहती थी उसने भी इस सुन्दर कुँआरी कैलैबार लड़की के बारे में सुना। उसने सोचा कि उसको वहाँ जाना चाहिये और उसको अपने काबू में कर लेना चाहिये।

---

44 The Disobedient Daughter Who Married a Skull (Tale No 8)

45 Effiong Edem of Cobham town

46 Afiong is the name of the daughter of Effiong Edem

सो वह अपनी साथिन आत्माओं के पास गयी और उनसे उनके शरीरों के सबसे सुन्दर हिस्से लिये। एक से उसने बहुत अच्छा सिर लिया, दूसरे से शरीर लिया, तीसरे से मजबूत बॉहें लीं, चौथे ने उसको सुन्दर टॉगें दीं।

जब उसने एक आदमी के शरीर को जिन जिन हिस्सों की जरूरत होती है वे सब उनसे ले लिये तो वह एक बहुत ही सुन्दर नौजवान बन कर कोभम के बाजार में गया।

वहॉ उसको अफियोंग दिखायी दे गयी तो उसने अपने मन में उसकी सुन्दरता की बहुत तारीफ की कि वाकई वह बहुत सुन्दर लड़की थी।

उन्हीं दिनों अफियोंग ने भी सुना कि शहर में एक बहुत ही सुन्दर नौजवान आया हुआ है जो उसके शहर के सभी नौजवानों से काफी अलग है। सो एक दिन वह बाजार गयी और उस खोपड़ी को उसकी उधार ली हुई सुन्दर शक्ल में देखा।

उसको देखते ही वह उससे प्यार करने लगी और उसको उसने अपने घर आने की दावत दी। खोपड़ी तो यह सुन कर बहुत ही खुश हो गयी और उसके साथ उसके घर चल दी।

घर ले जा कर अफियोंग ने उसको अपने माता पिता से मिलवाया और खोपड़ी ने तुरन्त ही उनसे अफियोंग से शादी करने की इजाज़त चाही।

पहले तो अफियोंग के माता पिता ने एक अजनबी से अफियोंग की शादी करने से इनकार कर दिया पर फिर अपनी बेटी की पसन्द देखते हुए वे राजी हो गये।

वह खोपड़ी अफियोंग और उसके माता पिता के साथ उसके घर में दो दिन रही फिर उसने उसके माता पिता से कहा कि अब वह अपने घर जाना चाहती थी जो वहाँ से बहुत दूर था।

लड़की तो इस बात के लिये तुरन्त ही तैयार हो गयी क्योंकि वह एक अच्छा लड़का था पर उसके माता पिता की इच्छा अपनी लड़की को इस तरह भेजने की नहीं थी।

पर जैसा कि तुम्हें मालूम है कि वह लड़की बहुत जिद्दी थी सो वह अपने माता पिता का कहना न मान कर उसके साथ चल दी।

जब उन दोनों को गये हुए कुछ दिन हो गये और उन लोगों की कोई खबर नहीं मिली तो एफियोंग एक जू जू करने वाले[47] के पास गया और उससे अपनी बेटी के बारे में कुछ बताने के लिये कहा।

अपनी कौड़ियों[48] से काफी सारे दॉव फेंकने के बाद उसने एफियोंग को बताया कि वह लड़का आत्माओं की दुनियाँ से आया था और उसकी बेटी को ले गया है। अब उसकी बेटी यकीनन मारी जायेगी सो वे उसका दुख मनाना शुरू कर दें।

---

[47] Ju Ju people of Nigeria are like Ojha of India who help to cure the patients of Black Magic and even to do Black Magic themselves on somebody – Jaadoo Tonaa.

[48] Translated for the word "Cowries". They are the sea shells. See their picture above.

उधर कई दिनों तक चलने के बाद अफियोंग और उसके पति ने इस दुनियॉ और आत्माओं की दुनियॉ के बीच की सीमा पार की।

जैसे ही वे आत्माओं की दुनियॉ में पहुॅचे टॉग वाली आत्मा खोपड़ी से अपनी टॉग मॉगने आ गयी, सिर वाली आत्मा ने अपना सिर मॉगा और शरीर वाली आत्मा ने अपना शरीर।

इस तरह से मॉगा हुआ सब कुछ दे देने के बाद वह खोपड़ी अकेली अपने असली भद्दे रूप में खड़ी रह गयी।

यह देख कर अफियोंग तो सकते में आ गयी। उसका मन घर भागने को करने लगा मगर उस खोपड़ी ने उसको वहॉ से जाने ही नहीं दिया और उसको अपने साथ चलने का हुक्म दिया। सो अफियोंग को उसके साथ ही जाना पड़ा।

जब वे खोपड़ी के घर आये तो अफियोंग खोपड़ी की मॉ से मिली। उसकी मॉ बहुत बूढ़ी थी और कोई काम करना तो दूर वह तो हिल भी नहीं सकती थी।

अफियोंग से उसकी जितनी सहायता उससे हो सकती उसने उसकी उतनी सहायता की। उसका खाना बनाया, आग जलाने के लिये लकड़ी लायी, पानी भर कर ला कर दिया। वह बुढ़िया इस सबसे बहुत खुश हुई और जल्दी ही अफियोंग को बहुत चाहने लगी।

एक दिन वह अफियोंग से बोली कि वह उसके लिये बहुत दुखी थी क्योंकि उसके देश में तो सारे लोग आदमी खाने वाले थे। अगर

किसी को पता चला कि उनके देश में कोई आदमी है तो वे तुरन्त ही आ जायेंगे और उसे मार कर खा जायेंगे।

अब क्योंकि अफियोंग ने उसकी बहुत सेवा की थी और वह उससे खुश भी बहुत थी तो उसने अफियोंग को अपने घर में छिपा लिया और उससे वायदा किया कि अगर आगे से वह अपने माता पिता का कहना मानेगी तो उससे जितनी जल्दी हो सकेगा वह उसको उसके देश वापस भेजने की कोशिश करेगी।

अफियोंग ने उससे वायदा किया कि वह आगे से अपने माता पिता का कहना मानेगी। सो उस खोपड़ी की माँ ने एक मकड़े को बुलाया जो बहुत ही अच्छे बाल बनाता था। उसने उससे अफियोंग के बहुत ही बढ़िया बाल बनाने को कहा।

उसने फिर उसको पहनने के लिये बहुत सुन्दर सी पाजेब[49] दीं और कुछ और गहने भी पहनने के लिये दिये। फिर उसने एक जू जू बना कर उसको पहनाया और हवा को उसे उसके देश ले जाने के लिये कहा।

पहले एक बहुत तेज़ तूफान आया, फिर गरज आया, फिर बिजली आयी और फिर बारिश आयी पर खोपड़ी की माँ ने सबको

[49] Translated for the word “Anklets”. This ornament is worn on the foot and is very common in India. See its picture and the way it is worn above.

वापस भेज दिया क्योंकि वे सभी अफियोंग को उसके घर ले जाने के लिये ठीक नहीं थे।

सबसे बाद में जब ठंडी खुशबूदार मन्द बहने वाली हवा आयी तो खोपड़ी की मॉ ने उसको अफियोंग को उसके घर ले जाने के लिये ठीक समझा सो उसने उसको अफियोंग को उसके घर छोड़ कर आने के लिये कहा और अफियोंग को विदा दी।

तुरन्त ही उस हवा ने अफियोंग को उसके घर के बाहर छोड़ दिया और वापस आ गयी।

जब अफियोंग के माता पिता ने अपनी बेटी को देखा तो वे तो खुशी से पागल से हो गये क्योंकि कुछ महीनों से तो उन्होंने उसके मिलने की उम्मीद बिल्कुल ही छोड़ दी थी।

उसके मिलने की खुशी में उसके पिता ने जहॉ वह खड़ी थी वहॉ से घर के दरवाजे तक उसके चलने के लिये मुलायम खालें बिछा दीं ताकि उसकी बेटी के पैर जमीन पर चलने से गन्दे न हों।

अफियोंग उन खालों पर चल कर घर तक आयी। उसके पिता ने तब उसकी सब सहेलियों को गाने नाचने और दावत के लिये बुलाया और यह सब आठ दिन तक दिन रात चला।

जब यह सब खत्म हो गया तो अफियोंग के पिता ने सारा मामला जा कर शहर के सरदार को बताया। सब कुछ सुनने के बाद सरदार ने यह कानून बना दिया कि कोई भी माता पिता अपनी बेटी की शादी किसी अजनबी से नहीं करेंगे।

अफियोंग के पिता ने फिर उससे अपने एक दोस्त से शादी करने के लिये कहा और अफियोंग राजी हो गयी। वे दोनों बहुत दिनों तक खुशी खुशी रहे। उनके कई बच्चे भी हुए।

9 एक राजा जिसने मुर्गे की बेटी से शादी की[50]

राजा ऐफिओम कैलैबार के ड्यूक शहर[51] का राजा था। वह सुन्दर लड़कियों का बहुत शौकीन था। जब भी कभी वह किसी सुन्दर लड़की के बारे में सुनता तो उसको बुला भेजता और अगर वह उसको बहुत अच्छी लगती तो उससे शादी भी कर लेता।

वह ऐसा कर सकता था क्योंकि वह बहुत अमीर था और उस लड़की के मॉ बाप को कितना भी पैसा दे सकता था जितना वे चाहते। उसने बहुत सारा पैसा तो केवल दासों को बेचने और खरीदने से ही बनाया था।

ऐफिओम के पास **250** पत्नियॉ थीं फिर भी वह दुनियॉ की सुन्दर सुन्दर लड़कियों से शादी करने को तैयार रहता। इसी लिये राजा के कई दोस्त भी उसके लिये सुन्दर लड़कियॉ ढूॅढते रहते।

एक बार उसके एक दोस्त ने उससे कहा कि एक मुर्गे की लड़की इतनी सुन्दर है कि वैसी कोई भी लड़की उसके हरम में नहीं है। जैसे ही राजा ने यह सुना तो उसने मुर्गे को बुला भेजा।

मुर्गा आया तो उसने उससे कहा कि वह उसकी लड़की से शादी करना चाहता है।

---

[50] A King Who Married a Daughter of a Cock (Tale No 9)
[51] Effiom was the King of Duke town of Calabar city of Nigeria in its Cross River State

मुर्गा बेचारा बहुत गरीब था सो राजा को ना नहीं कह सका। वह अपनी बेटी को राजा के पास ले आया। मुर्गे की लड़की वाकई बहुत सुन्दर थी। उसकी सुन्दरता ने राजा को उसी समय मोहित कर लिया।

जब राजा ने मुर्गे को छह ड्रम[52] भर कर पाम का तेल उसकी लड़की के बदले में दे दिया तो मुर्गे ने उसको होशियार किया कि वह इस बात का ध्यान रखे कि मुर्गे की बेटी होने की वजह से उसकी कुछ आदतें मुर्गी जैसी हो सकती हैं इसलिये उसको उसकी बेटी ऐडिया उनैन[53] से नाराज नहीं होना चाहिये।

जैसे अगर वह कहीं मक्का का दाना देखे और उसे उठा कर खा ले आदि आदि।

राजा बोला उसको इस बात की कोई चिन्ता नहीं है कि वह क्या खाती है और क्या पीती है बस वह उसके पास उसकी रानी बन कर रहनी चाहिये।

राजा ने ऐडिया से शादी कर ली और वह उससे इतना खुश था कि उसने अपनी सारी पत्नियों के पास जाना छोड़ दिया और वह अपना सारा समय अब ऐडिया के साथ ही बिताता था।

[52] Translated for the word "Puncheon". It is a pot of the capacity of 70-100 Gallons.
[53] Adia Unen – name of the daughter of the cock.

ऐडिया भी उसको खुश रखने की पूरी कोशिश करती थी यहाँ तक कि इस काम में वह उसकी दूसरी पत्नियों से भी आगे थी। वह उसके साथ खेलती और इतनी तरह से उसका मन बहलाती कि राजा अब उसके बिना रह ही नहीं सकता था।

वह हमेशा उसे अपने साथ ही रखता और अब अपनी पुरानी प्रिय पत्नियों की तरफ देखता भी नहीं था।

हालाँकि राजा की दूसरी पत्नियाँ आपस में एक दूसरे से बहुत नफरत करतीं थीं पर राजा के इस बरताव से वे इतनी ज़्यादा गुस्सा हुईं कि उन्होंने आपस की नफरत छोड़ कर आपस में एक मीटिंग की।

और उस मीटिंग में यह तय पाया कि वे आपस में एक दूसरे से नफरत करने की बजाय इस मुर्गे की लड़की से कहीं ज़्यादा नफरत करतीं हैं। यह लड़की जबसे इस घर में आयी थी तबसे उनमें से किसी को राजा से मिलने का कोई मौका ही नहीं मिलता था।

हालाँकि कुछ पत्नियाँ राजा की पहले भी प्रिय थीं पर पहले कम से कम दूसरी पत्नियों को भी कभी कभी तो उससे मिलने का मौका मिल जाया करता था। खास कर के जब जबकि वे उसको खास तरीके से खुश करतीं थीं पर अब तो उनको वह मौका भी नहीं मिलता था।

उनकी यह हालत उस पहले वाली हालत से कहीं बदतर थी। सो अपनी इस हालत को देखते हुए सबने यह तय किया कि ऐडिया को किसी तरीके से नीचा दिखाया जाये।

काफी बहस के बाद उनमें से राजा की एक प्रिय पत्नी जो राजा की आखिरी प्रिय पत्नी थी और जिसको राजा ने मुर्गे की लड़की आने के बाद छोड़ दिया था बोली — "यह लड़की जिसको हम सब नफरत करते हैं आखिर वह है क्या चीज़? एक मुर्गे की लड़की ही न। सो हम उसको तो राजा की नजरों में बड़ी आसानी से गिरा सकते हैं।

मैंने उसके पिता को यह कहते हुए सुना था कि अगर उसको कहीं मक्का के दाने पड़े दिखायी दे जायें तो वह उनको खाये बिना नहीं रह सकती चाहे वे कहीं भी और कैसे भी क्यों न पड़े हों।"

इत्तफाक से राजा की पत्नियों की मीटिंग खत्म होने के बाद ही राज्य के लोग राजा को सलाम करने राजा के पास आये।

यह साल में तीन बार होता था। इस समय लोग राजा के लिये याम[54], बतख, बकरे, और नयी मक्का भेंट में लाते थे और राजा भी उनको फू फू[55] और पाम के तेल की चौप खिलाता था और टोम्बो[56]

[54] Yam is a kind of root tuber vegetable which is very popular food of Nigeria. It sometimes weighs 5-10 pounds each. See its picture above.

[55] Foo Foo is a very popular food of Nigeria.

[56] Tombo is a kind of Nigerian alcoholic drink

पिलाता था। एक बड़े नाच का इन्तजाम किया जाता जो कई दिन और कई रात चलता था।

यहा वहॉ की रीति थी कि उस दावत के शुरू होने के पहले दिन सुबह सुबह राजा की बड़ी पत्नी मक्का का एक भुट्टा[57] पानी से धोती और जब सब लोग आ जाते थे तो वह उन सबके सामने उसको एक कैलेबाश में लाती और उसको जमीन पर फेंकती और चली जाती।

इस बार का प्लान यह था कि उस भुट्टे को ऐडिया के सामने फेंका जाये। सुबह के दस बजे जब सारे सरदार लोग इकट्ठे हो गये और राजा भी अपनी लकड़ी की कुर्सी पर बैठ गया तब एक नौकरानी भुट्टा ले कर आयी और उसको वह ऐडिया के सामने जमीन पर फेंक कर चली गयी।

जैसे ही उसने वह भुट्टा जमीन पर फेंका ऐडिया उसकी तरफ बढ़ी और उसने उसे उठा कर खाना शुरू कर दिया। यह देख कर वहॉ बैठे सारे लोग हॅस पड़े और राजा तो शर्म से पानी पानी हो गया।

राजा की पत्नियों और लोगों ने कहा — "हमने तो सोचा था कि राजा की सबसे प्रिय रानी ने अब तक कूड़े की तरह फेंकी गयी मक्का जमीन पर से उठा कर खाने की बजाय खाना खाने के शाही ढंग सीख लिये होंगे।"

---

[57] Translated for the "Ear Corn". See its picture above.

कुछ और बोले — "एक मुर्गे की लड़की से और उम्मीद भी क्या की जा सकती है? छोड़ो छोड़ो उस बेचारी को उसकी जन्म की आदतों के लिये क्या कहना?"

पर राजा उस सबसे इतना परेशान हुआ कि उसने अपने नौकरों से कहा कि वे ऐडिया का सब सामान बाँध कर उसे उसके पिता के पास छोड़ आयें। नौकर तुरन्त ही राजा का हुक्म बजा लाये और ऐडिया को उसके पिता के घर छुड़वा दिया गया।

उस रात राजा की तीसरी पत्नी ने जो ऐडिया की दोस्त थी राजा से इस बारे में बात की कि यह तो केवल राजा की बड़ी पत्नी की जलन थी जिसकी वजह से ऐडिया की और उसकी इतनी बेइज़्ज़ती हुई।

उसने राजा से यह भी कहा कि यह सब उसकी पत्नियों का पहले से तय किया गया प्लान था ताकि राजा ऐडिया को घर से निकाल सके क्योंकि राजा की सारी पत्नियाँ ऐडिया से जलती थीं।

राजा यह सुन कर और भी ज़्यादा गुस्सा हुआ और उसने निश्चय कर लिया कि वह अपनी बड़ी पत्नी को उसके मायके खाली हाथ भेज देगा यानी वह उसको कोई कपड़े और भेंट नहीं देगा और उसने वही किया भी।

जब वह अपने घर पहुँची तो उसके माता पिता ने उसको घर में नहीं घुसने दिया क्योंकि वे तो उसको राजा को दे चुके थे और जब भी उनको कुछ चाहिये था तो वह उनको महल से मिल जाता था।

इस तरह की हालत में अपनी बेटी को रखने का मतलब था उनका बहुत बड़ा नुकसान।

सो वह गलियों में और सड़क पर बड़ी गरीब सी हालत में इधर उधर घूमती रही और कुछ समय बाद वह बेचारी गरीबी और भूख से मर गयी। राजा को भी अपनी प्रिय पत्नी ऐडिया को निकालने का इतना ज़्यादा दुख हुआ कि वह भी अगले साल मर गया।

और जब गाँव वालों ने यह सब देखा तो एक कानून बनाया कि कोई भी आदमी किसी जानवर या पक्षी से शादी नहीं करेगा।

10 एक स्त्री, एक बन्दर और एक बच्चा[58]

ओकुन आर्चीबौंग[59] राजा आर्चीबौंग का एक दास था और कैलैबार के पास एक खेत पर रहता था। वह एक शिकारी भी था और हिरन बन्दर आदि जानवर मारा करता था।

उनकी खाल साफ करके वह धूप में सुखा लेता था और जब वे ठीक से बन जाती थीं तब उनको बाजार में बेच आता था।

बन्दर की खाल ढोल बनाने के काम आती थी और हिरन की खाल बैठने के काम आती थी। इनके मॉस को वह लकड़ी की आग पर भून लेता था और उसको भी बाजार में बेच देता था।

इतना सब बेचने के बाद भी उसको कुछ बहुत ज़्यादा पैसे नहीं मिल पाते थे सो वह बेचारा कुछ गरीब ही था।

ओकुन ने ड्यूक के घर की एक दासी ऐनकोयो[60] से शादी कर ली थी। उसने उससे शादी करने के लिये केवल थोड़ा सा ही पैसा दिया था। उसके बाद वह उसे अपने खेत पर ले आया था। उसी साल के सूखे के मौसम[61] में उसने एक बेटे को जन्म दिया।

---

[58] The Woman, the Ape and the Child (Tale No 10)

[59] Okun Archibong – name of the slave of the King

[60] Nkoyo – name of the maid of the King Okun married to

[61] There are only two seasons in Nigeria – Dry Season and Wet or Rainy Season. Dry Season lasts for about six months – from October to March and the Rainy season also lasts for six months – from April to September.

बच्चे के जन्म के चार महीने बाद ही जबकि उसका पति शिकार के लिये गया हुआ था ऐनकोयो अपने बच्चे को जब खेत पर काम पर गयी तो वह उसको भी अपने साथ वहीं ले गयी।

उसने अपने छोटे से बच्चे को एक पेड़ की छाया में लिटा दिया और खुद वह खेत में काम करने चली गयी। उसको याम बोने के लिये जमीन साफ करनी थी क्योंकि उसको उसे बारिश होने से दो महीने पहले ही बोना था। इसलिये ऐसा वह रोज करती।

जब वह काम करने गयी होती तो रोज एक बन्दर आता और उस बच्चे के साथ खेलता। वह उसको अपनी बॉहों में लेता, उसको पेड़ पर ले जाता और जब ऐनकोयो काम खत्म कर के वापस आती तो वह उस बच्चे को उसके पास वापस ले आता।

ड्यूक के राज्य में एक दूसरा शिकारी ऐडेम ऐफियोंग[62] भी रहता था। वह बहुत पहले से ऐनकोयो को प्यार करता था। उसने ऐनकोयो को अपना प्यार जताने की काफी कोशिश भी की पर ऐनकोयो को उससे कोई मतलब नहीं था क्योंकि वह अपने पति को बहुत प्यार करती थी। जब ऐनकोयो के बच्चा हुआ तो ऐडेम को उससे बहुत जलन हुई।

[62] Edem Effiong – name of the other hunter

तो हुआ यों कि एक दिन जब ऐनकोयो के पास उसका बच्चा नहीं था वह उस बन्दर के पास था तो ऐडेम ने उससे पूछा — "तुम्हारा बच्चा कहाँ है?"

ऐनकोयो ने जवाब दिया कि उसको एक बड़ा बन्दर पेड़ के ऊपर ले गया है और मेरे पीछे वही उसके बच्चे की देखभाल करता है।

ऐडेम ने देखा कि वह बन्दर तो बहुत बड़ा था सो उसने यह सब ऐनकोयो के पति से कहने का फैसला कर लिया। अगले ही दिन उसने ओकुन से कहा कि उसने उसकी पत्नी को जंगल में एक बड़े से बन्दर के साथ देखा है।

पहले तो ओकुन को इस बात पर विश्वास ही नहीं हुआ पर ऐडेम ने उससे कहा कि अगर वह उसके साथ आये तो वह उसको यह सब दिखा भी सकता है। ओकुन ने तभी तय कर लिया कि वह इस बड़े बन्दर को मार कर रहेगा।

सो अगले दिन वह ऐडेम के साथ खेत पर गया और एक बड़े से बन्दर को एक पेड़ के ऊपर अपने बच्चे के साथ खेलते हुए देखा। अपने इरादे के अनुसार उसने बड़ी होशियारी से निशाना साधा और उस बन्दर पर तीर चला दिया पर वह बन्दर मरा नहीं।

वह तीर खा कर उस बन्दर को इतना ज़्यादा गुस्सा आया और उसकी ताकत इतनी ज़्यादा थी कि उसने बच्चे के टुकड़े टुकड़े कर के नीचे फेंक दिये।

इससे ओकुन को भी इतना गुस्सा आया कि उसने पास में खड़ी अपनी पत्नी को भी मार दिया। इसके बाद भागा भागा वह राजा आर्चीबौंग के पास गया और जा कर उसे सारा हाल बताया।

राजा आर्चीबौंग बहुत बहादुर था और लड़ाई का शौकीन था। उसे मालूम था कि इस मामले पर राजा ड्यूक लड़ाई जरूर लड़ेगा सो उसने अपनी सारी सेना को लड़ाई के लिये तैयार कर लिया।

उसने ड्यूक को बता दिया कि वहॉ क्या हुआ था। यह सब सुन कर ड्यूक भी बहुत नाराज हुआ।

ड्यूक ने तुरन्त ही अपना एक आदमी राजा आर्चीबौंग के पास भेजा कि वह उस शिकारी को उसके पास भेज दे ताकि वह उसे जैसे वह चाहे वैसे उसे मार सके क्योंकि उसने उसके राज्य की एक दासी को मारा था।

पर आर्चीबौंग ने उस शिकारी को उसके पास भेजने से मना कर दिया और कहा कि इससे अच्छा है कि वह उससे लड़े। सो ड्यूक ने भी अपने आदमी इकट्ठे कर लिये और दोनो सेनाऐं आपस में लड़ने के लिये बाजार में इकट्ठी हो गयीं।

इस लड़ाई में **30** आदमी ड्यूक के मारे गये और **20** आदमी आर्चीबौंग के मारे गये। काफी सारे घायल भी हुए। आर्चीबौंग लड़ाई में बहुत अच्छा था सो लड़ाई के मैदान में उसने ड्यूक को पीछे धकेल दिया।

जब यह लड़ाई अपने पूरे ज़ोरों पर थी तो सरदारों ने ईबो लोगों को ढोल ले कर भेज कर लड़ाई रुकवायी। अगले दिन ईबो घर[63] में शिकारी का मुकदमा पेश किया गया। राजा आर्चीबौंग अपराधी घोषित कर दिया गया और उसको **6000** डंडियॉ[64] राजा ड्यूक को देने का हुक्म हुआ।

राजा आर्चीबौंग ने ये पैसे ड्यूक को देने से तो मना कर दिया और कहा कि वह बजाय पैसे देने के उससे लड़ना ज़्यादा पसन्द करेगा। पर ये पैसे वह शहर को देने को तैयार था क्योंकि ईबो ने यह मामला तय किया था।

वे लोग फिर से लड़ने के लिये तैयार हुए कि सारा देश चिल्लाया कि अब वे कोई लड़ाई नहीं चाहते थे। राजा आर्चीबौंग ने राजा ड्यूक से कहा कि उस स्त्री की मौत उसके दास ओकुन की गलती से नहीं हुई थी बल्कि उसकी मौत के लिये उसका अपना दास ऐडेम ही जिम्मेदार था क्योंकि उसी ने ओकुन से झूठ बोला था।

जब ड्यूक ने यह सुना तो उसने सारा मामला सरदारों के ऊपर छोड़ दिया अब वे जो कुछ भी तय करें। सरदारों ने ऐडेम को अपराधी घोषित करते हुए उसको पत्थर पर आने के लिये बुलाया।

ऐडेम उस पत्थर के पास आया जहॉ ईबो लोग लोगों को सजा देते थे। ईबो ने वहॉ उसको उसकी नंगी पीठ पर **200** कोड़े मारे

[63] Translated for the words “Igbo House” – it seems some kind of court place
[64] Translated for the word “Rod” – maybe used as currency in Nigeria in those days.

और फिर उसका सिर काट कर ड्यूक को भेज दिया। ड्यूक ने उसके सिर को अपने जू जू[65] के सामने रख दिया।

उस दिन से आज तक सारे बन्दर केवल आदमी से ही नहीं बल्कि उनके छोटे बच्चों तक से डरते हैं।

ईबो ने भी फिर एक कानून बना दिया कि एक सरदार को अपने दास के लड़के को दूसरे सरदार के दास की लडकी से शादी की इजाज़त नहीं देनी चाहिये क्योंकि इससे झगड़ा पैदा हो सकता है।

---

[65] Ju Ju people of Nigeria are like Ojha of India who help to cure the patients of Black Magic and even to do Black Magic themselves on somebody – Jaadoo Tonaa. In Nigeria Ju Ju are the gods also who can grant the wishes, curse the people, or abduct the people.

11 मछली और चीते की पत्नी[66]

यह बहुत साल पुरानी बात है जब नाइजीरिया के कैलैबार प्रदेश में ईयो[67] नाम का एक राजा राज करता था। उन दिनों मछलियाँ भी पानी में नहीं बल्कि जमीन पर रहा करती थीं।

एक नर मछली एक चीते[68] का बड़ा अच्छा दोस्त था। वह जंगल में चीते के घर अक्सर जाया करता था और चीता भी उसका खूब अच्छे से स्वागत करता था।

चीते की एक बहुत ही सुन्दर पत्नी थी। यह नर मछली उससे बहुत प्यार करता था। जब उनकी दोस्ती को कुछ समय बीत गया तब अगर चीता घर पर नहीं भी होता था तो भी वह नर मछली चीते के घर पहुँच जाता और उसकी पत्नी से प्यार करता।

एक दिन पड़ोस की एक बूढ़ी स्त्री ने देख लिया कि जब चीता घर में नहीं होता तो चीते के घर में क्या क्या होता है और चीते को बता दिया।

पहले तो चीते को विश्वास ही नहीं हुआ कि वह नर मछली जो उसका इतने दिनों से इतना अच्छा दोस्त था ऐसी नीच हरकत कर

---

[66] The Fish and the Leopard's Wife OR Why the Fish Lives in the Water? (Tale No 11)

[67] Eyo ruled in Calabar city of Nigeria in its Cross River State

[68] Translated for the word "Leopard". See its picture above.

सकता था पर एक रात उसने अचानक ही घर आ कर यह सब अपनी आँखों से देख लिया।

वह सब देख कर तो चीते के तन बदन में आग लग गयी और वह उस नर मछली को मारने ही वाला था कि बाद में उसने सोचा कि यह नर मछली तो उसका बहुत पुराना दोस्त था इसलिये यह सब काम वह उसके साथ खुद नहीं करेगा बल्कि जा कर राजा ईयो को इस बारे में सब कुछ बतायेगा और उसी से न्याय माँगेगा।

सो वह राजा ईयो के पास गया और सारा मामला जा कर उसको बताया। राजा ईयो ने एक कचहरी लगायी और चीते ने उसमें अपना मामला थोड़े में ही कह सुनाया।

पर जब मछली से पूछा गया कि वह अपने बचाव में क्या कहना चाहता है तो उसके पास कहने के लिये कुछ भी नहीं था।

सो राजा ने सबसे कहा – "यह तो बहुत ही बुरा मुकदमा मेरे पास आया है कि मछली चीते की काफी दिनों से दोस्त है और चीता उस पर विश्वास करता है फिर भी मछली ने चीते के घर में न होने का फायदा उठाया और उसको धोखा दिया। इसलिये उसकी सजा उसको जरूर मिलेगी।"

फिर राजा ईयो ने उस समय से यह कानून बना दिया कि सब मछलियाँ उस दिन से पानी में रहेंगी और अगर किसी ने कभी भी जमीन पर आने की कोशिश की तो वह मर जायेगी।

उसने उस दिन से यह कानून भी बना दिया कि आदमी लोग और जानवर दोनों जब भी चाहें मछली पकड़ कर खा सकते हैं। यह उस मछली को उसके दूसरे साथियों के साथ उसके दोस्त को धोखा देने की सजा थी।

12 चिमगादड़ दिन में बाहर क्यों नहीं आता[69]

एक बार की बात है कि एक माँ भेड़ के सात मेमने[70] थे। उधर एक चिमगादड़ अपने ससुर से मिलने के लिये जाने वाला था और उसके ससुर का घर उसके अपने घर से एक दिन की उड़ान की दूरी पर था।

सफर लम्बा था सो वह किसी ऐसे नौजवान जानवर को साथ ले जाना चाहता था जो उसका सामान उठा सके।

सो वह उस भेड़ के पास गया जिसके सात मेमने थे और उससे अपना सामान उठाने के लिये उसका एक मेमना माँगा। पहले तो भेड़ ने मना कर दिया पर फिर उसने देखा कि उसका मेमना इधर उधर घूमना चाहता था दुनिया देखना चाहता था सो उसने उस चिमगादड़ को हाँ कर दी।

अगले दिन सुबह चिमगादड़ उस बच्चा भेड़ को ले कर अपने ससुर के घर चल दिया। बच्चा भेड़ की पीठ पर चिमगादड़ के पाने पीने का सींग रखा हुआ था।

जब वे आधे रास्ते पहुँच गये तो चिमगादड़ ने बच्चा भेड़ से अपना पानी पीने का सींग एक बाँस के पेड़ के नीचे रख देने के

---

[69] Why the Bat is Ashamed to be Seen in the Daytime? (Tale No 12)

[70] Translated for the word "Lambs" – baby sheep

लिये कहा। बच्चा भेड़ ने वह सींग वहाँ रख दिया और वे दोनों फिर अपने सफर पर चल दिये।

जैसे ही चिमगादड़ अपने ससुर के घर पहुँचा उसने बच्चा भेड़ को तुरन्त ही अपना पानी पीने का सींग लाने के लिये वापस वहीं भेज दिया जहाँ वह उसे रखवा कर आया था।

जब बच्चा भेड़ सींग लाने चला गया तो चिमगादड़ का ससुर उसके लिये खाना ले कर आया और चिमगादड़ ने वह सारा खाना खुद ही खा लिया बच्चा भेड़ के लिये कुछ भी नहीं छोड़ा।

जब बच्चा भेड़ उसका सींग ले कर वापस लौटा तो चिमगादड़ बोला — "ओह तो तुम मेरा सींग ले आये पर तुम्हें खाने के लिये थोड़ी देर हो गयी। अब तो सारा खाना खत्म हो गया।"

उसने बच्चा भेड़ को अपना सींग फिर से उसी पेड़ के नीचे रखने के लिये वापस भेज दिया। बच्चा भेड़ जब फिर वापस लौटा तब भी उसको वापस आने में देर हो गयी थी और उसको शाम का खाना भी नहीं मिल पाया सो उस दिन उसको बिना खाना खाये ही सोने जाना पड़ा।

अगले दिन भी चिमगादड़ ने वैसा ही किया। खाना खाने से कुछ ही देर पहले उसने बच्चा भेड़ को अपना सींग लाने भेज दिया और जब उसका खाना आया तो उस लालची चिमगादड़ ने सारा खाना खुद खा लिया और बच्चा भेड़ को फिर कुछ खाने के लिये नहीं मिला।

चिमगादड़ ने यह नीच बर्ताव बच्चा भेड़ के साथ चार दिन तक किया। बच्चा भेड़ बेचारा भूख से तड़पता रहा और खाना न मिलने की वजह से कमजोर हो गया।

अगले दिन चिमगादड़ अपने घर वापस चला और बच्चा भेड़ फिर से उसका बोझा ले कर चला। जब बच्चा भेड़ घर पहुँचा तो उसने अपनी माँ से चिमगादड़ के बुरे बर्ताव के बारे में शिकायत की और रात भर दर्द के मारे कराहता रहा।

माँ भेड़ अपने बच्चों को बहुत प्यार करती थी। जब उसने अपने बच्चे के साथ चिमगादड़ के ऐसे बर्ताव के बारे में सुना तो वह बहुत दुखी हुई और उसको गुस्सा भी बहुत आया कि उसने उसके बच्चे को चार दिन तक जान बूझ कर भूखा रखा। सो उसने चिमगादड़ से इसका बदला लेने की सोची।

उसने इस बारे में कछुए की राय लेने की सोची। कछुआ गरीब जरूर था पर वह आदमियों और जानवरों दोनों की दुनियाँ में बहुत अक्लमन्द जानवर समझा जाता था।

सो माँ भेड़ कछुए के पास गयी और उसको अपनी सारी कहानी सुनायी। कछुआ उसकी कहानी सुन कर थोड़ी देर तो सोचता रहा फिर बोला कि वह सारा मामला उसके ऊपर छोड़ दे और वह खुद उससे इस बेरहमी से किये गये बर्ताव का बदला लेगा।

कुछ दिनों के बाद चिमगादड़ ने फिर से अपने ससुर के घर जाने की सोची सो वह फिर माँ भेड़ के पास गया और पहले की तरह से फिर उससे उसका एक बच्चा अपना सामान उठाने के लिये दे देने के लिये कहा।

उस समय कछुआ भी वहीं बैठा हुआ था। वह बोला कि वह भी उसी तरफ जा रहा था अगर चिमगादड़ को कोई ऐतराज न हो तो वह उसका बोझा खुशी से ले जा सकता था।

सो अगले दिन चिमगादड़ और कछुआ दोनों चिमगादड़ के ससुर के घर की तरफ चल दिये। जब वे आधे रास्ते पहुँचे तो चिमगादड़ ने कछुए के साथ भी अपनी वही पुरानी वाली चाल खेली। उसने कछुए से कहा कि वह उसका पानी पीने का सींग उस बाँस के पेड़ के नीचे छिपा दे।

कछुए ने वैसा ही किया। पर जैसे ही चिमगादड़ आगे की तरफ चलने लगा कछुए ने उसे वहाँ से उठा लिया और अपने थैले में छिपा कर रख लिया। जब वे घर पहुँच गये तो उसने उस सींग को चिमगादड़ की निगाह बचा कर आँगन के पीछे वाले हिस्से में टाँग दिया।

जब खाने का समय हुआ तो चिमगादड़ ने कछुए को अपना सींग लाने के लिये कहा। कछुआ तुरन्त आँगन के पीछे वाले हिस्से में गया और तब तक वहाँ इन्तजार करता रहा जब तक कि उसको

याम और फू फू[71] के तैयार होने आवाज नहीं आ गयी। जैसे ही उसको लगा कि याम और फू फू तैयार हो गये उसके तुरन्त बाद ही वह चिमगादड़ का सींग ले कर आ गया।

चिमगादड़ को कछुए को इतनी जल्दी आया देख कर बड़ा आश्चर्य भी हुआ और गुस्सा भी आया।

इस गुस्से में जब चिमगादड़ का खाना आया तो उसने खाना खाने से इनकार कर दिया और इस तरह उसका सारा का सारा खाना कछुए ने खा लिया।

ऐसा चार दिन तक चला। इससे चिमगादड़ भी चार दिन में ही बच्चा भेड़ की तरह कमजोर हो गया।

आखिर चिमगादड़ भूख से पैदा हुए अपने पेट के दर्द को और नहीं सह सका। वह अपनी सास के पास चुपके से गया और उसको उसे खाना तब देने के लिये कहा जब कछुआ उसको न देख रहा हो।

फिर वह बोला कि वह सोने जा रहा है और जब खाना तैयार हो जाये तो वह उसको जगा कर खाना खिला दे। इतना कह कर वह वहीं सो गया।

[71] Yam and Foo Foo are the two of many main popular and staple food dishes of Nigeria and West African countries. See the picture of cooked Yam above.

कछुआ एक कोने में छिपा हुआ यह सब चुपचाप सुन रहा था। वह जब तक इन्तजार करता रहा जब तक कि चिमगादड़ गहरी नींद नहीं सो गया। जब वह गहरी नींद सो गया तो उसने चिमगादड़ को उठाया और उसको दूसरे कमरे मे ले जा कर उसके बिस्तर पर सुला दिया।

फिर उसने धीरे से चिमगादड़ के कपड़े निकाले और उनको खुद पहन कर वहीं लेट गया जहॉ चिमगादड़ पहले लेटा हुआ था।

थोड़ी ही देर में चिमगादड़ की सास चिमगादड़ के लिये खाना ले कर आयी और ला कर वहीं रख दिया जहॉ वह लेटा था। जगाने के लिये उसने उसका कपड़ा खींचा और चली गयी।

अब वहॉ चिमगादड़ तो था नहीं वहॉ तो कछुआ था सो कछुआ उठा, उसने सारा खाना खाया और चिमगादड़ को वापस वहीं ला कर सुला दिया।

उसने थोड़ा सा पाम का तेल और फू फू उसके होठों के नीचे लगा दिया जिससे ऐसा लगे जैसे उसने खाना खाया हो। उसके कपड़े भी उसको पहना दिये गये और यह सब करने के बाद कछुआ सोने चला गया।

सुबह को जब चिमगादड़ उठा तो वह तो बहुत ही भूखा था। भूख की वजह से उसको गुस्सा भी बहुत आ रहा था। वह तुरन्त अपनी सास के पास गया और उसने उसको इस बात के लिये खूब डॉटा कि उसने उसको रात को खाना क्यों नहीं खिलाया।

वह बेचारी डर गयी और बोली कि वह तो उसके लिये खाना ले कर आयी थी, उसको उसका कपड़ा खींच कर जगाया भी था और उसने खाना खा भी लिया था।

पर चिमगादड़ ने साफ इनकार कर दिया कि उसके साथ ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। फिर उसने कछुए के ऊपर इलजाम लगाया कि वही उसका खाना खा गया होगा।

चिमगादड़ की सास ने कहा कि वह अभी गॉव के लोगों को बुलाती है और इस बात का फैसला करवाती है।

इससे पहले कि चिमगादड़ की सास गॉव के लागों को बुलवाये और इस मामले का फैसला करवाये कछुआ वहॉ से पहले ही भाग गया और गॉव के लोगों से कह आया कि यह मालूम करने का कि खाना मैंने खाया है या चिमगादड़ ने सबसे अच्छा तरीका यही है कि दोनों को कुल्ला करवाया जाये और जिसके मुॅह में से खाने के टुकड़े निकलें खाना उसी ने खाया है।

लोगों को यह बात बिल्कुल ठीक लगी। यह सब कहने के बाद कछुए ने अपना मुॅह ठीक से साफ किया और घर आ गया।

जब सब लोग घर आ गये तब चिमगादड़ की सास ने लोगों से कहा कि किस तरह उसके दामाद ने उसकी बेइज़्ज़ती की है और वह अभी भी यही कहता है कि उसके घर में उसको पॉच दिन से खाना नहीं मिला है।

लोगों ने कछुए की बात दोहरा दी कि चिमगादड़ और कछुए दोनों को कुल्ला करवा कर देख लिया जाये कि किसके मुँह में से खाने के टुकड़े निकलते हैं। जिसके मुँह से भी खाने के टुकड़े निकलें खाना उसी ने खाया है।

ऐसा ही किया गया और क्योंकि चिमगादड़ के मुँह से खाने के टुकड़े और पाम का तेल निकला सो यही समझा गया कि वह चिमगादड़ ही था जो खाना खाता रहा था।

यह सब देख कर चिमगादड़ को इतना ज़्यादा बुरा लगा कि वह वहाँ से भाग लिया और किसी झाड़ी में जा कर छिप गया।

इस शर्म की वजह से अब वह झाड़ी में से तो क्या दिन में भी बाहर नहीं निकल सकता था और केवल रात में ही अपना खाना ढूँढने के लिये बाहर निकलता है।

अगले दिन कछुआ घर वापस लौट आया और माँ भेड़ को बताया कि उसने चिमगादड़ के साथ क्या किया था और किस तरह उसको बेइज़्ज़त किया था कि वह अब किसी को मुँह दिखाने के काबिल भी नहीं रह गया था।

माँ भेड़ यह सब सुन कर बहुत खुश हुई और उसने सब लोगों से कछुए की बहुत तारीफ की किस तरह उसने उसके बच्चे के साथ बुरा बर्ताव करने का बदला लेने में उसकी सहायता की थी।

13 कीड़े धरती के नीचे ही क्यों रहते हैं[72]

जब नाइजीरिया के कैलैबार प्रदेश में राजा ईयो 3[73] सारे आदमियों और जानवरों पर राज करता था तो उसके पास मीटिंग के लिये एक बहुत बड़ी इमारत थी। उसी इमारत में वह अपनी जनता को दावत भी देता था।

यह वहाँ का रिवाज था कि जब दावत खत्म हो जाती और लोग टोम्बो[74] भी खूब सारी पी लेते उसके बाद ही लोग वहाँ स्पीच देना शुरू करते थे।

एक दिन दावत के बाद एक चींटा उठा और बोला कि वह और उसके साथी सब लागों से ज़्यादा ताकतवर थे और कोई भी जानवर यहाँ तक कि हाथी भी उसके मुकाबले में खड़ा नहीं हो सकता था।

उस दिन वह कीड़ों के बारे में खास तौर पर कुछ ज़रा ज़्यादा ही बुरा बोल रहा था।

चींटे की इस बात पर कीड़े बहुत गुस्सा हुए और उन्होंने राजा से शिकायत की। राजा बोला कि इस बात को तय करने का कि सबसे ताकतवर कौन है सबसे अच्छा तरीका यही है कि दोनों सड़क

---

[72] Why the Worms Live Underneath the Ground? (Tale No 13)
[73] Eyo 3 ruled in Calabar city of Nigeria in its Cross River State
[74] Tombo is a kind of alcoholic drink used by Nigerians

पर मिलें और वहाँ लड़ कर यह तय करें कि सबसे ज़्यादा ताकतवर कौन है।

इस लड़ाई के लिये उसने दावत से तीसरा दिन तय कर दिया और सारे लोग इस लड़ाई को देखने के लिये उस दिन वहाँ इकट्ठा हो गये।

सारे चींटे सुबह सुबह जैसा कि उनका अपना तरीका था करोड़ों की गिनती में अपने अपने बिलों से बाहर निकले और करीब एक इंच चौड़ी लाइन बना कर चल दिये। ऐसा लग रहा था जैसे कोई एक इंच की पट्टी पूरे राज्य में से हो कर जा रही हो। सबसे आगे उनके गार्ड चल रहे थे।

जब वे लोग लड़ाई के मैदान में आये तो चारों तरफ बिखर गये। अब चींटे तो करोड़ों मे दिखायी दे रहे थे और कीड़े मकोड़े केवल थोड़े से ही दिखायी दे रहे थे।

यह लड़ाई केवल कुछ मिनट ही चली क्योंकि सारे चींटों ने मिल कर उन थोड़े से कीड़ों मकोड़ों को अपने तेज़ दाँतों से काट काट कर टुकड़ों में फेंक दिया। उनमें से भी जो कुछ थोड़े बहुत बच गये थे उन्होंने धरती के नीचे छिप कर अपनी जान बचायी।

इस तरह राजा ईयो ने चींटों को विजयी घोषित कर दिया।

तबसे कीड़े मकोड़े तो धरती के नीचे ही रहते हैं और अगर वे कभी बारिश के बाद धरती से बाहर आते भी हैं तो कोई भी चीज़ उनके पास आये तो वे डर कर फिर धरती के नीचे चले जाते हैं।

उसके बाद से अब वे केवल चींटों से ही नहीं बल्कि धरती के ऊपर की हर चीज़ से डरते हैं।

14 हाथी और कछुआ[75]

जब अम्बो कैलैबार का राजा था[76] उस समय हाथी न केवल बहुत बड़ा जानवर था बल्कि उसकी ऑखें भी उसके शरीर के अनुसार ही बड़ी थीं।

उन दिनों आदमी और जानवर आपस में दोस्त हुआ करते थे और सब आपस में प्रेम से मिला जुला करते थे। हर कुछ समय बाद राजा सबको दावत देता था और हाथी उस दावत में सबसे ज़्यादा खाना खाया करता था।

हालॉकि हिप्पोपोटेमस[77] भी ज़्यादा खाने की पूरी कोशिश करता था और वह था भी बहुत बड़ा और बहुत मोटा फिर भी खाने में वह हाथी से काफी पीछे था।

सो हाथी तो बहुत खाता ही था और बड़ा भी बहुत था पर कछुआ हाथी के मुकाबले में बहुत छोटा था मगर था बहुत ही होशियार और चालाक।

---

[75] Elephant and Tortoise, OR Why the Worms Are Blind OR Why the Elephant Has Small Eyes? (Tale No 14)

[76] When Ambo was the King of Calabar city of Nigeria in its Cross River State

[77] Hippopotamus – a large animal. See his picture above.

उसने सोचा कि हाथी के इस ज़्यादा खाने पर रोक लगायी जाये और ऐसा कुछ किया जाये जिससे कि वह दूसरों की तरह ही खाना खाये।
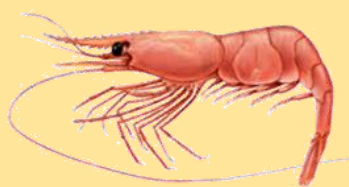
कछुए को पता था कि पाम के सूखे छिलके और श्रिम्प मछली[78] हाथी को बहुत पसन्द थे सो कछुए ने पाम के कुछ सूखे छिलके और श्रिम्प मछली अपने थैले में रख लिये और एक शाम हाथी के घर जा पहुँचा।

जब कछुआ हाथी के घर पहुँचा तो हाथी उसको अपने घर के अन्दर ले गया और उसे आराम से बिठाया। बैठने के बाद कछुए ने अपनी एक ऑख बन्द करके अपने थैले में से एक पाम का छिलका निकाला और एक श्रिम्प निकाली और उनको बड़ा रस ले ले कर खाने लगा।

हाथी को तो हमेशा ही भूख लगी रहती थी सो जब हाथी ने कछुए को कुछ खाते देखा वह बोला — "कछुए भाई, लगता है तुम कुछ अच्छा खाना खा रहे हो। क्या खा रहे हो?"

कछुआ बोला कि वह खाना हाथी के लिये तो वाकई बहुत स्वादिष्ट हो सकता था पर उसके अपने लिये वह बहुत ही दुखदायी था क्योंकि वह अपनी एक ऑख खा रहा था। कह कर उसने अपनी एक ऑख बन्द किये ही अपना सिर ऊपर उठा दिया।

---

[78] Shrimps – a kind of small fish. See its picture above.

हाथी बोला — "अगर यह खाना इतना स्वादिष्ट है तो मेरी भी एक ऑख निकाल कर मुझे भी खाने को दो न।"

कछुए को तो मालूम था कि हाथी कितना लालची था। और वह तो इसी बात का इन्तजार कर रहा था कि कब वह यह बात कहे और कब वह उसकी ऑख निकाले। इसी लिये वह एक तेज़ चाकू भी अपने साथ ले कर आया था।

वह बोला — "हाथी भाई, मैं तुम्हारी ऑख तक नहीं पहुँच सकता क्योंकि मैं बहुत छोटा हूँ और तुम बहुत बड़े हो।"

हाथी ने तब कछुए को अपनी सूँड़ से ऊपर उठा लिया और उसको अपने सिर के पास ले गया। जैसे ही कछुआ हाथी की ऑख के पास आया उसने तुरन्त ही अपने तेज़ चाकू से उसकी दॉयी ऑख निकाल ली।

हाथी दर्द के मारे चिल्ला पड़ा पर कछुए ने उसको वे पाम के सूखे खोल और श्रिम्प खाने के लिये दे दिये और वह अपना ऑख निकालने का दर्द तुरन्त ही भूल गया।

कुछ पल बाद ही हाथी बोला — "यह खाना तो बहुत ही अच्छा है मुझे तो यह खाना और चाहिये।"

पर कछुए ने कहा कि इससे पहले कि वह इतना अच्छा खाना और खाये उसको अपनी दूसरी ऑख भी निकलवानी पड़ेगी। हाथी राजी हो गया।

जल्दी ही कछुआ फिर अपने काम में लग गया और उसने हाथी की दूसरी ऑख भी बाहर निकाल दी।

और इस तरह हाथी अन्धा हो गया। कछुआ हाथी की सूँड़ के सहारे नीचे उतर आया और एक तरफ को हो गया। अब हाथी देख नहीं सकता था।

देख न पाने की वजह से हाथी को बहुत ज़ोर का गुस्सा आ गया और वह गुस्से में चारों तरफ कूदने लगा और पेड़ तोड़ने लगा और कछुए को पुकारते हुए बहुत तोड़ फोड़ करने लगा। पर कछुआ तो बोलने वाला था नहीं और हाथी को भी वह दिखायी नहीं पड़ रहा था।

अगले दिन सुबह जब हाथी ने कुछ लोगों को आते जाते सुना तो उसने उनसे समय पूछा। एक जानवर बोला — "सूरज सिर के ऊपर चढ़ आया है और मैं याम[79] और कुछ ताजा पत्ते खरीदने बाजार जा रहा हूँ।"

तब हाथी को लगा कि कछुआ उसको धोखा दे गया है। अब जो कोई भी उधर से गुजरता उसी से वह दो ऑखें उधार मॉगता पर कोई उसको ऑखें उधार देने के लिये तैयार नहीं था क्योंकि ऑखों को तो उनको खुद भी जरूरत थी।

[79] Yam is a tuber like vegetable. Sometimes it weighs 4-5 pounds each. This is Nigeria and West African people's staple and popular food – see its picture above,

अन्त में एक कीड़ा उधर से गुजरा। उसने बड़े से हाथी को देख कर बहुत ही नम्रता से उसको नमस्कार किया। हाथी ने भी उस के नमस्कार का जवाब दिया तो उस कीड़े को बहुत ही आश्चर्य हुआ और साथ में थोड़ा सा घमंड भी हुआ कि जंगल का राजा उसके नमस्कार का जवाब दे रहा था।

हाथी बोला — "कीड़े भाई, मैं अपनी ऑखें कहीं रख कर भूल गया हूॅ। क्या तुम मुझे कुछ दिन के लिये अपनी ऑखें उधार दे सकते हो? मैं तुमको उन्हें अगले बाजार वाले दिन वापस कर दूॅगा।"

कीड़ा तो यह सब सुन कर बहुत ही शान महसूस कर रहा था कि जंगल का राजा उससे कुछ मॉग रहा था सो उसने बिना सोचे समझे खुशी से हॉ कर दी। फिर उसने अपनी छोटी छोटी दोनों ऑखें निकालीं और हाथी को दे दीं।

जैसे ही कीड़े की छोटी ऑखें हाथी ने अपनी ऑखों के बड़े छेद में लगायीं उसके आस पास का सारा मॉस उन ऑखों के चारों तरफ इस तरह कस कर चिपक गया कि अगले बाजार वाले दिन जब हाथी ने कीड़े की ऑखें निकालने की कोशिश भी की तो वह लाख कोशिश करने पर भी उन्हें निकाल कर उसको वापस न दे सका।

कीड़े ने कई बार हाथी से अपनी ऑखें वापस करने की प्रार्थना की पर हाथी ने फिर उसको सुना अनसुना कर दिया।

बल्कि वह बोला — “अगर कोई कीड़ा मेरे रास्ते में है तो वह यहाँ से चला जाये क्योंकि वह इतना छोटा है कि मैं उसको देख नहीं सकता कहीं ऐसा न हो कि मेरा पैर उसके ऊपर पड़ जाये और वह मेरे पैर के नीचे आ कर मसल जाये।”

तभी से सारे कीड़े मकोड़े देख नहीं सकते और हाथी के इतनी छोटी आँखें हैं।

15 बाज़ मुर्गे क्यों खाता है[80]

यह बहुत पुराने जमाने की बात है कि एक जंगल में एक सुन्दर सी मुर्गी अपने माता पिता के साथ रहती थी। एक दिन एक बाज़[81] सुबह के समय ऊपर आसमान में चक्कर काट रहा था।

चक्कर काटते समय वह बड़े बड़े गोले में अपने पंखों को बिना हिलाये ही घूम रहा था। उसकी ऑखें पूरी खुली हुई थीं। उसने उस सुन्दर मुर्गी को अपने पिता के घर में मक्का के दाने बीनते खाते देखा तो उसको वह बहुत पसन्द आ गयी।

उसने तुरन्त ही अपने पंखों को थोड़ा सा बन्द किया और दूसरे ही पल वह जमीन के पास था। वह वहीं मुर्गी के पास ही एक बाड़ पर आ कर बैठ गया। अगर बाज़ के बस में हो तो वह जमीन पर नहीं चलता पर केवल उस मुर्गी की वजह से वह नीचे बाड़ पर आ कर बैठ गया था।

बाज़ ने मुर्गी को सीटी बजा कर नमस्ते की और कहा कि वह उससे शादी करना चाहता था। मुर्गी राजी हो गयी। बाज़ ने मुर्गी के माता पिता से इस बारे में बात की और उनको मक्का के कुछ दाने दहेज[82] में दे कर मुर्गी को अपने घर ले आया।

---

[80] Why a Hawk Kills Chickens? (Tale No 15)

[81] Translated for the word “Hawk”. See its picture above.

[82] In Nigeria, the boy’s parents give dowry to girl’s parents for the marriage of their son.

कुछ दिनों बाद एक मुर्गा जो उस मुर्गी के घर के पास रहता था और उस मुर्गी को बहुत प्यार करता था उसने उसके घर का पता मालूम कर लिया कि वह अभी कहॉ रहती थी। वह मुर्गा यह चाहता था कि वह मुर्गी अपनी दुनियॉ में वापस लौट आये।

सो एक दिन सुबह सुबह वह वहॉ गया, एक दो बार अपने पंख फड़फड़ाये और अपनी सबसे अच्छी आवाज में जा कर बॉग लगायी। जब मुर्गी ने मुर्गे की मीठी आवाज सुनी तो वह उसकी मीठी पुकार को अनसुना न कर सकी और बाहर निकल कर उसके पास गयी।

फिर वे दोनों साथ साथ उस मुर्गी के माता पिता के घर चले आये। मुर्गा कभी कभी बॉग देता हुआ आगे आगे चला जा रहा था और मुर्गी उसके पीछे पीछे जा रही थी।

बाज़ जो उस समय आसमान में उड़ रहा था और जिसकी तेज़ ऑखों से कुछ भी छुपा नहीं था उसने यह सब कुछ देखा।

यह सब देख कर वह बहुत ही गुस्सा हुआ। उसने तुरन्त ही सोच लिया कि वह इसका न्याय मॉगने के लिये राजा के पास जायेगा। सो वह कैलैबार की तरफ उड़ चला।

कैलैबार पहुॅच कर उसने वहॉ के राजा अम्बो को जा कर अपनी सारी कहानी सुनायी और उससे न्याय मॉगा। राजा ने मुर्गी के माता पिता को बुलाया और देश की रीति रिवाज के अनुसार उनको वह

दहेज जो उन्होंने अपनी बेटी की शादी के समय बाज़ से लिया था बाज़ को वापस करने का हुकुम दिया।

मुर्गी के माता पिता ने कहा कि वे बहुत गरीब थे और वे उस दहेज को वापस करने की हालत में नहीं थे। इस पर राजा ने बाज़ से कहा कि इस दहेज के बदले में वह मुर्गों के बच्चों को जहाँ कहीं भी मिलें कभी भी खा सकता है। और अगर कोई मुर्गा इस बारे में कोई शिकायत करेगा तो राजा उसकी एक नहीं सुनेगा।

तब से आज तक अपना दहेज का पैसा वसूल करने के लिये बाज़ को जहाँ भी कोई मुर्गे का बच्चा मिल जाता है वह उसे अपने पंजों में उड़ा कर ले जाता है और खा लेता है।

लेकिन उसका वह दहेज कब खत्म होगा यह नहीं मालूम।

16 सूरज और चाँद आसमान में क्यों रहते हैं[83]

यह बहुत साल पुरानी बात है जब सूरज और पानी बहुत अच्छे दोस्त हुआ करते थे। दोनों धरती पर एक साथ रहते थे। सूरज तो पानी के घर चला जाता था पर पानी सूरज के घर कभी नहीं गया था।

एक दिन सूरज ने पानी से पूछा — "दोस्त, तुम मेरे घर कभी नहीं आये, क्यों?"

पानी ने जवाब दिया — "सूरज भाई, तुम्हारा घर मेरे लिये छोटा पड़ता है इसी लिये। इसके अलावा अगर मैं तुम्हारे घर अपने सब लोगों के साथ आया तो तुमको अपने घर से बाहर जाना पड़ेगा।"

वह आगे बोला — "अगर तुम मुझे अपने घर बुलाना ही चाहते हो तो तुमको पहले बहुत बड़ा घर बनवाना पड़ेगा। मेरा मतलब है सचमुच में ही बहुत बड़ा क्योंकि मेरे साथ मेरे बहुत सारे लोग हैं।

मैं उनको कहीं और नहीं छोड़ सकता और अगर वे मेरे साथ तुम्हारे घर आये तो वे तुम्हारे घर की बहुत सारी जगह घेर लेंगे।"

---

[83] Why the Sun and the Moon Live in the Sky (Tale No 16)
[The same story is given on the following Web Site also :
http://www.mikelockett.com/stories.php?action=view&id=93 with the title "How Moon and Sun Came to Dwell in the Sky". It says that this story is from Senegal, West Africa.]

सूरज अपने दोस्त पानी को बहुत चाहता था सो उसने पानी से वायदा किया कि वह उसको बुलाने के लिये यकीनन एक बहुत बड़ा घर बनवायेगा।

तुरन्त ही वह अपने घर लौटा और अपनी पत्नी चॉद से उसने वे सब बातें कहीं जो वह अभी अभी पानी से कर के आया था। सो अगले दिन से ही सूरज ने एक बहुत बड़ी सी इमारत बनवानी शुरू कर दी जिसमें वह अपने दोस्त पानी को बुलायेगा।

जब वह इमारत बन कर पूरी हो गयी तो उसके अगले ही दिन उसने पानी को अपने घर बुलाया।

पानी सूरज के घर आया और उसने बाहर से ही आवाज लगायी — "दोस्त, क्या मैं अन्दर आ जाऊॅ? क्या मेरे अन्दर आने से तुम सुरक्षित रहोगे?"

सूरज ने कहा — "हॉ आ जाओ दोस्त, अन्दर आ जाओ।"

अब क्या था पानी अपनी पूरी शान के साथ सूरज के उस नये बड़े मकान में घुसा। उसके साथ थे बहुत सारी छोटी बड़ी मछलियॉ, मगर और बहुत सारे समुद्री जानवर।

बहुत जल्दी ही सूरज के मकान में घुटनों तक पानी चढ़ गया। सो एक अच्छे दोस्त होने के नाते पानी ने एक बार फिर पूछा — "सूरज भाई, क्या तुम अब भी यकीन के साथ कह सकते हो कि मैं अन्दर आ जाऊॅ?"

और सूरज ने फिर वही जवाब दिया — “हॉ हॉ दोस्त, अन्दर आ जाओ।”

जब पानी आठ दस फीट ऊॅचा हो गया तो पानी ने फिर पूछा — “क्या मैं अपने और लोगों को भी अन्दर ले आऊॅ?”

सूरज और चॉद दोनों ने बिना सोचे समझे जवाब दिया — “हॉ हॉ दोस्त, ले आओ।”

सो पानी और आगे बढ़ा। अब पानी इतना ऊपर चढ़ गया कि सूरज और चॉद को अपनी इमारत की छत पर बैठ जाना पड़ा। पानी ने फिर पूछा कि क्या वह अन्दर आ जाये और सूरज और चॉद ने फिर कहा कि “हॉ आ जाओ।

और फिर पानी तब तक बढ़ता रहा जब तक सूरज के मकान की छत भी नहीं डूब गयी और सूरज और चॉद को अपना घर छोड़ कर सचमुच में ऊपर आसमान में जाना पड़ा।

तबसे सूरज और चॉद आसमान में रहते हैं और समुद्र जमीन पर।

17 मक्खियाँ गायों को क्यों तंग करती हैं[84]

यह बहुत साल पुरानी बात है जब अडियाहा ऊमो[85] कैलैबार की रानी थी। वह अक्सर घरेलू जनवरों को तो दावत दिया करती थी पर वह जंगली जानवरों को कभी नहीं बुलाती थी क्योंकि वह उनसे बहुत डरती थी।

एक बार उसने उन जानवरों के लिये तीन मेजें लगवायीं और गाय को उन सब जानवरों का सरदार बना कर बिठा दिया क्योंकि उस समय वहाँ मौजूद जानवरों मे वही सबसे बड़ी थी। फिर उसने उसको सबको खाना परोसने के लिये कहा।

गाय ने खाना परोसना शुरू किया तो उसने और सबको तो खाना दे दिया पर वह मक्खे को खाना देना भूल गयी क्योंकि वह बहुत ही छोटा था।

सो उस मक्खे ने ज़ोर से चिल्ला कर कहा "मेरा खाना कहाँ है?"

गाय बोली — "दोस्त, थोड़ा शान्ति से बैठो और धीरज रखो। तुमको भी मिलेगा खाना। तब तक तुम मेरी आँखों में देखो।"

जब खाना दोबारा आया तब भी गाय ने उसको खाना नहीं दिया।

---

[84] Why the Flies Bother the Cows? (Tale No 17)

[85] Adiaha Umo – name of the Queen of Calabar City of Nigeria in its Cross River State

मक्खा फिर बोला "मेरा खाना कहाँ है?"

गाय ने कहा कि अभी वह केवल उसकी ऑख में देखे और वह खाना उसको बाद में देगी।

इस तरह से सारा खाना खत्म हो गया और मक्खे को खाना नहीं मिला। इतनी देर तक वह केवल गाय की ऑख में ही देखता रहा और सारा खाना खत्म भी हो गया। वह बेचारा बिना खाना खाये ही सोने चला गया।

अगले दिन मक्खे ने रानी से शिकायत की कि पिछले दिन की दावत में उसको गाय ने खाना नहीं दिया और केवल अपनी ऑख में ही देखते रहने को कहा और वह वहाँ से भूखा ही वापस चला गया था।

यह सुन कर रानी बहुत दुखी हुई। उसने मक्खे को गाय के इस जुर्म के बदले में गाय की ऑख में से खाना खाने की इजाज़त दे दी चाहे वह कहीं भी जाये और चाहे गाय कहीं भी हो।

तबसे मक्खियाँ गायों की ऑखों में से खाना खाती हैं। इसी लिये तुम मक्खियों को हमेशा गाय की ऑखों के आस पास मँडराते और उनमें से अपना खाना खाते देखते होगे।

18 बिल्ली चूहों को क्यों मारती है[86]

यह तब की बात है जब अंसा[87] कैलैबार का राजा था। उसने वहाँ पचास साल तक राज किया। उसके घर की देखभाल करने के लिये उसके पास एक बहुत ही प्यारी सी सुन्दर सी बिल्ली थी और उसके घर के बाहर के काम करने के लिये उसके पास एक चूहा था।

यह राजा बहुत ही जिद्दी और खब्ती किस्म का आदमी था पर इसको अपनी वह बिल्ली बहुत प्यारी थी जो इसके भंडारघर में बहुत सालों से काम करती चली आ रही थी।

एक बार एक बहुत ही गरीब चूहे को राजा की एक दासी से प्यार हो गया। पर वह उसको कोई भेंट नहीं दे सकता था क्योंकि वह बहुत ही ज़्यादा गरीब था। उसके पास उसके लिये भेंट खरीदने के लिये पैसे ही नहीं थे।

आखिर उसने राजा के महल में जाने की सोची। अब क्योंकि वह बहुत छोटा था इसलिये उसको महल में घुसने में कोई परेशानी नहीं हुई। उसने रात को महल की छत में एक छोटा सा छेद बना लिया और राजा के भंडारघर में घुस गया।

वहाँ से उसने कुछ मक्का के दाने और नाशपाती चुरायी और अपनी प्रेमिका को भेंट कर दिये।

---

[86] Why the Cat Kills Rats? (Tale No 18)

[87] Ansa – name of the King of Calabar – a city of Nigeria in its Cross River State

महीने के आखीर में जब बिल्ली को राजा को भंडारघर का हिसाब देना था तो उसको पता लगा कि भंडारघर में से तो बहुत सारी मक्का और बहुत सारी नाशपातियाँ गायब हैं। उसको राजा को यह बताना पड़ा कि इस इस तरह से राजा के भंडारघर में चोरी हो गयी है।

जब उसने राजा को यह बताया तो राजा यह सुन कर बहुत गुस्सा हुआ और बिल्ली से उसने इसकी सफाई माँगी।

पर वह बिल्ली काफी सोचने के बाद भी इस नुकसान के बारे में कुछ नहीं सोच सकी। फिर उसके एक दोस्त ने उसे बताया कि एक चूहा राजा के भंडारघर में से मक्का और नाशपाती चुरा कर अपनी प्रेमिका को देता रहा है।

जब बिल्ली ने यह राजा को बताया तो उसने उस दासी को बुलाया जिसको चूहे ने भेंटें दी थीं और उसको अपनी नौकरी से निकाल दिया।

चूहे को उसने बिल्ली को दे दिया और कह दिया कि वह देखे कि चूहे का क्या करना है और उन दोनों को अपनी नौकरी से निकाल दिया। वह बिल्ली अपनी नौकरी से निकाले जाने पर उस चूहे पर इतना गुस्सा हुई कि वह उसको तुरन्त ही मार कर खा गयी।

उस बिल्ली का गुस्सा अभी तक ठंडा नहीं हुआ है। आज भी वह चूहे ढूँढती रहती है और जहाँ भी उनको देखती है खा जाती है। उसको लगता है कि सारे चूहे उसके पीछे पड़े हैं।

19 बिजली और गरज की कहानी[88]

यह बहुत पुराने जमाने की बात है जब बिजली और गरज दोनों ही हम आम आदमियों के साथ धरती पर ही रहते थे पर राजा ने उनको शहर के दूसरे कोने पर, लोगों की बस्ती से जितनी भी दूर हो सकता था रहने के लिये कह रखा था।

गरज एक बूढ़ी माँ भेड़ थी और बिजली उसका बेटा मेमना था। मेमना बहुत गुस्से वाला था। जब भी उसको गुस्सा आता वह इधर उधर जाता घरों को जला देता पेड़ों को गिरा देता। वह खेतों को भी नुकसान पहुँचाता और कभी कभी तो आदमियों को भी मार देता।

बिजली मेमना जब भी ऐसा करता तो उसकी माँ गरज भेड़ उस पर बहुत ज़ोर से चिल्लाती कि वह ऐसा न करे पर बिजली मेमना उसके चिल्लाने की बिल्कुल भी चिन्ता नहीं करता और कुछ न कुछ तोड़ फोड़ करता ही रहता। यह तोड़ फोड़ वह तब ज़्यादा करता था जब उसका गुस्सा बहुत तेज़ होता था।

जब बस्ती के लोग यह सब और सहन नहीं कर सके तो वे राजा के पास गये और उससे जा कर बिजली की शिकायत की।

---

[88] The Story of Lightning and Thunder (Tale No 19)

यह सुन कर राजा ने एक खास हुक्म निकाला कि गरज यानी भेड़ और बिजली यानी उस भेड़ का बेटा मेमना दोनों बहुत दूर कहीं जंगल में जा कर रहें।

पर इससे भी बस्ती के लोगों को कुछ ज़्यादा फायदा नहीं हुआ क्योंकि जब भी बिजली गुस्सा होता तो वह जंगल जलाता। जंगल में लगी हुई आग कभी कभी शहर तक आ जाती और लोगों के खेतों को भी जला जाती थी।

सो लोग फिर राजा के पास शिकायत ले कर गये। इस बार राजा ने दोनों को धरती से ही निकाल दिया और उनको आसमान में रहने के लिये कहा जहॉ से वे इतना सारा नुकसान नहीं पहॅुचा सकते थे।

पर अभी भी जब कभी बिजली मेमना गुस्सा होता है तो वह बहुत नुकसान पहॅुचाता है पर पीछे से तुम उसकी मॉ गरज भेड़ की डॉट भी सुनते होगे कि वह किसी का नुकसान न करे।

फिर जब उसकी मॉ थोड़ी दूर चली जाती है तभी भी बिजली लोगों का नुकसान करता रहता है पर उसके बाद उसकी मॉ की आवाज कहीं सुनायी नहीं पड़ती। वह बेचारी क्या करे जब उसका बेटा उसकी बात ही नहीं सुनता।

20 जंगली गाय और हाथी बुरे दोस्त क्यों हैं[89]

नर जंगली गाय[90] और हाथी बहुत पुराने जमाने से ही बुरे दोस्त हैं। और क्योंकि वे अपने झगड़े अपने आप नहीं सिलटा सके सो उन्होंने सोचा कि सरदार के पास जा कर इनको सिलटाया जाये।

उनकी लड़ाई की खास वजह यह थी कि हाथी अपने दोस्तों में अपनी ताकत की हमेशा ही तारीफ करता रहता था जिससे जंगली गाय को बहुत बुरा लगता क्योंकि वह खुद भी हमेशा से ही अच्छा लड़ने वाला रहा था और किसी भी आदमी और जानवर से नहीं डरता था।

जब यह मामला सरदार के पास पहुँचा तो उसने सोचा कि इस मामले को सुलझाने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि दोनों की लड़ाई एक खुले मैदान में सबके सामने करवा दी जाये।

उसने यह भी सोचा कि बाजार की जगह और अगला बाजार वाला दिन ठीक रहेगा। उस दिन वहाँ देश के सारे लोग आयेंगे। उस दिन वे भी इस लड़ाई को देख लेंगे।

अगले बाजार वाले दिन सुबह ही नर जंगली गाय बाजार गया और शहर से कुछ दूर पर जा कर जो चौड़ी वाली सड़क बाजार को

---

[89] Why the Bush Cow and Elephant Are Bad Friends? (Tale No 20)

[90] Translated for the words "Bush Cow". Bush Cow is a separate species from the normal cow. It is normally found in West Africa. Bush Cow is used for both male and female sexes.

जाती थी उस पर जा कर खड़ा हो गया और चिल्लाने लगा और धरती खुरचने लगा।

जब उस सड़क पर लोग बाजार जाने लगे तो उसने उन सबसे पूछा कि क्या उन्होंने कोई बड़ी चीज़ यानी हाथी देखी है?

एक जंगली नर बतख वहाँ से जा रहा था वह बोला — "मैं तो बहुत छोटा सा हूँ और मैं बाजार जा रहा हूँ। मुझे उस बड़ी चीज़ के बारे में क्या मालूम।"

पर कुछ ही देर में जंगली गाय ने हाथी को अपनी तूती बजाते हुए, पेड़ तोड़ते हुए और छोटी छोटी झाड़ियाँ कुचलते हुए आते हुए सुना।

जब हाथी नर जंगली गाय के पास आ गया तो दोनों में भयानक लड़ाई शुरू हो गयी। उस लड़ाई में दोनों ने काफी नुकसान कर दिया। पास के खेत कुचल दिये। यहाँ तक कि उस दिन बहुत सारे लोग डर के मारे बाजार ही नहीं गये और अपने अपने घरों को लौट गये।

उसी समय एक बन्दर पास के एक पेड़ पर एक डाल से दूसरी डाल पर कूद रहा था और उन दोनों की लड़ाई देख रहा था। उस ने सोचा कि वह इस लड़ाई के बारे में सरदार को जा कर जरूर बतायेगा।

सो वह उछलता कूदता सरदार के घर की तरफ चल दिया। इस बन्दर की खासियत यह थी कि वह अक्सर ही यह भूल जाता था कि उसे करना क्या है।

अब वह सरदार के घर की छत पर पहुँच तो गया पर वहाँ जा कर वह यह भूल गया कि वह वहाँ आया ही क्यों था और वहाँ जा कर कूदने लगा। कूदते कूदते उसको एक मकड़ा दिखायी दे गया तो उसने उसे खा लिया।

फिर वह जमीन पर कूद गया और वहाँ पड़ी हुई एक डंडी से खेलने लगा। पर बहुत जल्दी ही उससे ऊब गया तो उसने एक पत्थर उठा लिया और उसको आगे पीछे घिसने लगा, बस यों ही बेकार में ही।

वह यह कर तो रहा था पर उसकी निगाह दूसरी तरफ थी। पर यह भी बहुत देर तक नहीं चला और वह तुरन्त ही कुछ और देखने लगा।

अब यह एक बहुत बड़ा टिड्डा[91] था जो सरदार के घर में घुस आया था। उसके पंखों से कुछ ज़्यादा ही आवाज हो रही थी। बन्दर अन्दर जा कर शान्ति से बैठ गया ताकि वह उसे खा सके।

[91] Translated for the word “Grasshopper”. See its picture above.

बन्दर ने उसका बहुत ही ध्यान से पीछा किया और उसको पकड़ लिया। फिर धीरे से उसकी टॉगें एक एक कर के निकाल दीं और उसके शरीर को खा गया।

उसके बाद वह एक तरफ को फिर अपना सिर लटका कर बैठ गया। ऐसा लग रहा था जैसे कोई अक्लमन्द बैठा हो पर वह कर कुछ भी नहीं रहा था क्योंकि उसको याद ही नहीं आ रहा था कि वह यहॉ आया ही क्यों था।

तभी उसको सरदार ने देख लिया और चिल्लाया — "अरे बन्दर तुम हो क्या यहॉ? तुम यहॉ क्या लेने आये हो?"

बन्दर सरदार को देखते ही बोला — "हॉ सरदार मैं तो आपको ही देखने आया था।"

पर वह तो यह भूल ही गया कि वह सरदार से क्या कहने आया था। पर अब सोचने से क्या फायदा। अब तो उसके दिमाग से सब निकल चुका था।

इतने में सरदार बोला — "बन्दर, देखो मेरे बरामदे में पके केले का एक गुच्छा टॅगा हुआ है तुम चाहो तो उसमें से दो चार केले ले कर खा लो।"

बन्दर यह नहीं चाहता था कि सरदार इस बात को दोबारा कहे क्योंकि केले तो उसको बहुत ही पसन्द थे। वह तुरन्त सरदार के बरामदे में गया और उसने उस गुच्छे में से कुछ केले तोड़े और उनको छील छील कर खाने लगा।

तभी सरदार बोला — "उस जंगली गाय और हाथी को तो लड़ने के बाद अब तक यहाँ आ जाना चाहिये था।"

जैसे ही बन्दर ने यह सुना उसे याद आ गया कि वह सरदार से क्या कहना चाह रहा था।

वह बोला — "हाँ अब मुझे याद आया कि मैं यहाँ आपसे क्या कहने आया था।"

और फिर काफी आवाजें निकालने के बाद ही वह सरदार को यह बता सका कि वह जंगली गाय और हाथी बजाय लड़ने के वहाँ बाजार वाली सड़क पर सबका रास्ता रोके खड़े थे।

सरदार यह सुन कर बहुत गुस्सा हुआ। उसने अपनी कमान और जहरीले तीर उठाये और लड़ाई की जगह चल दिया। उसने दोनों को तीर मारे और अपना तीर कमान दूर फेंक कर भाग कर एक झाड़ी में छिप गया।

करीब छह घंटे बाद जंगली गाय और हाथी दोनों बड़े दर्द के साथ मर गये।

उस दिन के बाद से जब भी कभी जानवर लड़ते हैं तो वे सड़क पर नहीं लड़ते। वे हमेशा किसी बहुत बड़ी झाड़ी के पास लड़ते हैं। इसके अलावा क्योंकि जंगली गाय और हाथी की लड़ाई का फैसला ठीक से नहीं हुआ था वे आज भी जब कभी मिलते हैं तो भी लड़ते ही रहते हैं।

21 मुर्गा जिसने दो शहरों को लड़वाया[92]

ऐकपो और ऐटिम[93] दोनों सौतेले भाई थे यानी उनके पिता दो थे पर उनकी मॉ एक ही थी। उनकी मॉ ने पहले इ्यूक शहर के एक सरदार से शादी की थी। उस समय उसके ऐकपो पैदा हुआ।

उसके बाद वह उस सरदार से थक गयी और वह पुराने शहर चली गयी। वहॉ जा कर उसने फिर ऐजुकुआ[94] से शादी कर ली और फिर उसके ऐटिम पैदा हुआ। इस तरह वे दोनों सौतेले भाई थे। जब वे दोनो बड़े हो गये तो बहुत अमीर हो गये।

ऐकपो के पास एक मुर्गा था जो उसको बहुत प्यारा था। वह जब भी खाना खाने मेज पर बैठता वह मुर्गा उड़ कर उसके साथ खाना खाने के लिये उसकी मेज पर आ बैठता और उसी की प्लेट से खाना खाता।

उसी शहर में एक आमा उक्वाओ[95] नाम का आदमी भी रहता था वह बहुत गरीब था। वह इन दोनों भाइयों से बहुत जलता था। वह हमेशा इसी मौके की तलाश में रहता था कि कब उसे मौका मिले और कब वह उनमें लड़ाई करवा दे हालॉकि देखने में वह दोनों का दोस्त था।

---

[92] Cock Who Caused a Fight Between Two Towns (Tale No 21)

[93] Ekpo and Etim were two step brothers

[94] Ejuqua – name of the second husband of the woman

[95] Ama Ukwao – another young man who was jealous with these two step brothers

एक दिन बड़े भाई ऐकपो ने एक बहुत शानदार दावत दी जिसमें ऐटिम और उस शहर के और दूसरे लोग भी बुलाये गये थे। उस दावत में आमा उक्वाओ भी आया था। खाना बहुत अच्छा था पाम की शराब[96] भी बहुत सारी थी।

जब सब लोगों ने खाना खाना शुरू किया तो ऐकपो का मुर्गा उड़ कर उसकी मेज पर जा बैठा और उसकी प्लेट में से खाना खाने लगा।

ऐटिम ने अपने एक नौकर से कहा कि वह उस मुर्गे को पकड़ कर उसके अपने घर में बन्द कर दे जब तक वहाँ दावत खत्म हो। सो उसका नौकर मुर्गे को पकड़ कर ले गया और उसको उसके ऐटिम के घर में बन्द कर दिया।

खूब खा पी कर ऐटिम अपने दोस्त आमा उक्वाओ के साथ काफी रात गये घर लौटा। जैसे ही आमा उक्वाओ सोने जाने लगा तो उसकी नजर ऐकपो के बँधे हुए मुर्गे पर पड़ी। बस उसके दिमाग में एक विचार आया।

सुबह उठ कर वह ऐकपो के घर पहुँचा। ऐकपो खुशी से उस को अन्दर ले गया और उसको बिठाया। सुबह आठ बजे जब ऐकपो के सुबह के खाने का समय हुआ तो उसको अपना मुर्गा कहीं नजर नहीं आया। तो उसने पूछा कि उसका मुर्गा कहाँ है।

---

[96] Palm wine or "Taadee" in Hindi

जवाब आमा उक्वाओ ने दिया कि कल उसके भाई ऐटिम ने खाने के समय उसको पकड़वा कर अपने घर में बँधवा दिया था। वह उसको मारना चाहता था ताकि वह देख सके कि तुम्हारे ऊपर इसका क्या असर पड़ता है।

यह सुन कर ऐकपो को बहुत गुस्सा हुआ। उसने आमा उक्वाओ को वापस ऐटिम के घर भेजा कि वह उससे जा कर कहे कि वह उसका मुर्गा तुरन्त वापस करे।

आमा उक्वाओ ने बजाय ऐकपो की यह बात कहने के ऐटिम से कहा कि उसका भाई ऐकपो उसके मुर्गा ले जाने पर उससे इतना नाराज था कि वह इस बात पर उससे लड़ना चाहता था और उसने आमा उक्वाओ को किन्हीं खास दो शहरों के बीच लड़ाई का ऐलान करने के लिये ही भेजा था।

ऐटिम ने आमा उक्वाओ को वापस ऐकपो के पास यह कहने के लिये भेजा कि जैसा उसका भाई चाहता है वह वैसा ही करेगा।

आमा उक्वाओ ने ऐकपो को सलाह दी कि इस काम के लिये वह अपने खेतों पर से अपने सारे आदमियों को बुला ले क्योंकि ऐटिम उस पर हमला करने वाला है। और यही सलाह उसने ऐटिम को भी दी।

फिर उसने दोनों भाइयों और दोनों शहरों की लड़ाई के लिये एक दिन तय कर दिया। ऐटिम उस दिन अपने आदमियों को ले कर एक नाले के किनारे आ गया।

आमा ऐक्वाओ ऐकपो के पास गया और उससे कहा कि ऐटिम और उसके आदमी लड़ाई के लिये तुम्हारा इन्तजार कर रहे हैं। सुन कर ऐकपो भी अपने आदमी ले कर वहॉ पहुॅच गया।

दोनों भाइयों में बहुत ज़ोर से लड़ाई हुई। दोनों तरफ के बहुत सारे लोग मारे गये। यह लड़ाई शाम तक चलती रही।

शाम को कैलैबार के दूसर सरदार आपस में मिले और उन्होंने उस लड़ाई को रोकने के ख्याल से ईबो लोगों को बुलाया और उनको उनके ढोलों के साथ उस लड़ाई को रोकने के लिये लड़ाई के मैदान में भेजा।

आखिरकार किसी तरह से लड़ाई रुक गयी।

तीन दिन बाद एक बहुत बड़ी मीटिंग बुलायी गयी जिसमें दोनों भाइयों को अपना अपना मामला पेश करने को कहा गया। दोनों तरफ की बातें सुनने के बाद यह पाया गया कि यह लड़ाई आमा एक्वाओ की करवायी हुई थी।

सरदारों ने आमा एक्वाओ को बुलाया और उसे मरवाने का हुकुम सुना दिया।

आमा एक्वाओ का पिता एक बहुत ही अमीर आदमी था। उसने पॉच हजार डंडियॉ[97], पॉच गायें और सात दास ईबो को देने चाहे ताकि वे उसके बेटे को छोड़ दें पर ईबो नहीं माने।

[97] Translated for the word “Rods”. It seems that this was the then currency used in Nigeria.

अगले दिन ईबो ने आमा एक्वाओ को बहुत मारा और चौबीस घंटे के लिये पेड़ से बाँध कर छोड़ दिया। और उसके अगले दिन उन्होंने उसका सिर काट कर मार डाला।

उधर ऐकपो को भी अपने मुर्गे को मार डालने का हुक्म दे दिया गया ताकि वह फिर कभी उसके और उसके भाई के बीच में कोई बखेड़ा खड़ा न कर सके।

इसके साथ ही एक कानून और भी बना दिया गया कि कोई मुर्गा या कोई और पालतू जानवर नहीं पालेगा।

22 हिप्पोपोटेमस और कछुआ[98]

यह बहुत साल पुरानी बात है कि इसान्टिम नाम का एक हिप्पोपोटेमस[99] देश का सबसे बड़ा राजा हुआ करता था। वह बस केवल हाथी से ही छोटा था।

इस हिप्पो की सात बड़ी बड़ी मोटी मोटी पत्नियाँ थीं जिनको वह बहुत चाहता था। अक्सर ही वह लोगों को दावत भी दिया करता था।

इस हिप्पो के बारे में एक खास बात यह थी कि हालाँकि सभी हिप्पो को बहुत अच्छी तरह जानते थे पर उसका नाम उसकी सातों पत्नियों के अलावा और कोई नहीं जानता था।

एक बार हिप्पो ने दावत दी सो खाना खाने के लिये बैठने से ठीक पहले हिप्पो बोला — "आप सब मेरे यहाँ खाना खाने आये हैं पर आप सबमें से कोई भी मेरा नाम नहीं जानता। कम से कम आपको यह तो जानना ही चाहिये कि आप लोग किसके घर खाना खाने आये हैं। सो अगर आप लोग मेरा नाम नहीं बता सकते तो आप सब बिना खाना खाये घर जा सकते हैं।"

---

[98] The Affair of the Hippopotamus and the Tortoise OR Why Hippopotamus Lives in the Water? (Tale No 22)

[99] Isantim named Hippopotamus

और क्योंकि कोई भी हिप्पो का नाम नहीं बता सका सो सारे ही लोग अच्छा खाना और टोम्बो[100] वहीं छोड़ कर अपने अपने घर चले गये।

पर जाने से पहले कछुआ उठा और बोला — "तुम क्या करोगे अगर अगली दावत के दिन मैं तुम्हारा नाम बता दूँ तो?"

हिप्पो बोला — "इस पर मैं इतना शर्मिन्दा होऊँगा कि मैं और मेरा परिवार यह जमीन छोड़ दूँगा और पानी में जा कर रहने लगूँगा।"

कछुए को यह मालूम था कि हिप्पो की केवल सातों पत्नियों को ही उसका नाम मालूम है और उसको यह भी मालूम था कि हिप्पो और उसकी सातों पत्नियाँ सुबह सुबह नदी पर नहाने और पानी पीने जाया करते थे। हिप्पो आगे आगे जाता था और उसकी सातों पत्नियाँ उसके पीछे पीछे जाती थीं।

बस कछुए ने एक प्लान बना लिया।

एक दिन जब हिप्पो और उसकी पत्नियाँ नदी पर गये हुए थे तो कछुए ने उसी रास्ते पर एक छोटा सा गड्ढा खोद दिया और एक जगह बैठ कर उन सबका नदी से लौटने का इन्तजार करने लगा।

---

[100] Tombo is a kind of Nigerian alcoholic drink

जब हिप्पो नदी पर से लौट रहा था तो उसकी दो पत्नियाँ उसकी दूसरी पत्नियों से थोड़ा पीछे थीं।

कछुए ने हिप्पो और उसकी पाँच पत्नियों को तो निकल जाने दिया पर उन पीछे आने वाली दो पत्नियों के आने से पहले वह अपनी जगह से निकला और उस गड्ढे में जा कर छिप कर बैठ गया।

गड्ढा बहुत ही छोटा था सो उसके खोल का बहुत सारा हिस्सा बाहर दिखायी दे रहा था। जब हिप्पो की वे दोनों पत्नियाँ वहाँ तक आयीं तो हिप्पो की आगे वाली पत्नी कछुए के खोल से टकरा गयी और उसके पैर में चोट लग गयी।

उसने तुरन्त ही अपने पति को पुकारा — "ओ इसान्टिम, मेरे पति, देखो न मेरे पैर में चोट लग गयी। यहाँ सड़क पर कुछ था।"

बस कछुए को और क्या चाहिये था उसको हिप्पो का नाम मालूम पड़ गया था। वह खुशी खुशी घर वापस चला गया।

जब हिप्पो ने दूसरी दावत दी तब भी उसने वही शर्त रखी कि जो कोई भी उसका नाम नहीं जानता था उसको वहाँ खाना नहीं मिलेगा।

सो कछुआ उठा और बोला — "वायदा करो कि अगर मैं तुम्हारा नाम बता दूँ तो तुम मुझे मारोगे नहीं।"

हिप्पो ने वायदा किया कि नहीं वह उसको मारेगा नहीं।

कछुआ बोला — “इसके अलावा तुम अपना पुराना वायदा भी पूरा करोगे कि अगर मैंने तुम्हारा नाम बता दिया तो तुम यह जमीन छोड़ कर पानी में चले जाओगे।”

हिप्पो ने इस बात का भी वायदा किया।

तब कछुआ अपनी सबसे ऊँची आवाज में चिल्लाया — “तुम्हारा नाम इसान्टिम है।”

यह सुन कर सब लोग तो बहुत खुश हो गये और खाना खाने बैठ गये।

जब दावत खत्म हो गयी तो हिप्पो अपने वायदे के अनुसार अपनी सातों पत्नियों के ले कर नदी में चला गया और तबसे ले कर आज तक वह पानी में ही रहता है।

हालाँकि हर रात वे खाना खाने के लिये किनारे पर आते हैं पर तुम उनको कभी दिन के समय में जमीन पर नहीं देखोगे।

23 मरे हुए लोगों को क्यों दफ़नाते हैं[101]

जब भगवान ने दुनियाँ बनायी थी तब आदमी और जानवर सब एक साथ रहा करते थे। भगवान बहुत ही दयावान था और जब भी कोई मरता था तब वह बहुत दुखी होता था।

एक दिन उसने अपने मुखिया दूत कुत्ते को बुलाया और उसको सबको यह बताने को लिये दुनियाँ में भेजा कि वह जा कर लोगों को उसका यह सन्देश दे दे —

कि अबकी बार जब कोई मरे तो उसके शरीर को कम्पाउन्ड में रख दिया जाये और उसके ऊपर लकड़ी की राख डाल दी जाये और मरे हुए शरीर को जमीन पर ही रखा जाये तो वह मरा हुआ शरीर फिर से ज़िन्दा हो जायेगा।

सो कुत्ता भगवान का यह सन्देश लोगों से कहने के लिये चल दिया। लेकिन अभी वह केवल आधा दिन ही चला था कि उसको भूख भी लग आयी और वह थक भी गया।

वह कुछ खाने के लिये और आराम करने के लिये जगह ढूँढ ही रहा था कि उसने देखा कि उस समय वह एक बुढ़िया के घर के पास ही खड़ा था।

[101] Why Dead People Are Buried? (Tale No 23)

उसने उस बुढ़िया के घर के अन्दर झॉका तो वहॉ उसको हड्डी का एक टुकड़ा दिखायी दे गया जिसके ऊपर थोड़ा सा मॉस लगा हुआ था।

उसने वह उठा कर खा लिया और सोने चला गया। वह यह पूरे तरीके से भूल गया कि उसको तो भगवान ने लोगों को अपना सन्देश देने के लिये भेजा था।

कुछ देर के बाद तक भी जब कुत्ता वापस नहीं आया तो भगवान ने नर भेड़ को बुलाया और उसको भी वही सन्देश दे कर दुनियॉ में भेजा।

पर नर भेड़ तो और भी ज़्यादा बेवकूफ निकला। उसको रास्ते में मीठी मीठी घास खाने के लिये मिल गयी। वह भूखा तो था ही सो उसने घास खानी शुरू कर दी।

कुछ देर बाद जब उसका कुछ पेट भरा तब उसको ध्यान आया कि उसको तो दुनियॉ को भगवान का सन्देश देना था पर तब तक वह यह भूल गया कि वह सन्देश था क्या।

वह दुनियॉ में गया और लोगों को जा कर यह कहने लगा कि भगवान ने कहा है कि अगर कोई मर जाये तो उसको जमीन के नीचे गाड़ दो।

कुछ देर बाद कुत्ते की ऑख खुली तो उसे याद आया कि उसको तो भगवान का सन्देश देना था। वह भागा भागा गया और लोगों को भगवान का सन्देश दिया कि आगे से जब भी कोई मरे तो

उसके शरीर को कम्पाउन्ड में जमीन के ऊपर रख दो और उसे लकड़ी की राख से ढक दो तो वह चौबीस घंटे के अन्दर अन्दर ज़िन्दा हो जायेगा।

पर लोगों ने उसका विश्वास ही नहीं किया। उन्होंने कहा कि हमारे पास पहले ही भगवान का एक दूत नर भेड़ आ चुका है और हमसे कह चुका है कि हमको अपने मरे हुए लोगों को जमीन में गाड़ देना चाहिये।

इसी वजह से लोग आज अपने लोगों के मरे हुए शरीर जमीन में गाड़ देते हैं और इसी वजह से लोग कुत्ते को भी पसन्द नहीं करते और उस पर विश्वास भी नहीं करते।

अगर उस कुत्ते को बुढ़िया के घर में हड्डी न मिलती और वह भगवान का सन्देश लोगों को देना न भूल जाता तो शायद आज हम सब ज़िन्दा होते।

24 एक मोटी लड़की जो पिघल गयी[102]

एक बार एक बहुत ही मोटी लड़की थी जो पूरी की पूरी तेल की बनी थी। क्योंकि वह बहुत सुन्दर थी इसलिये बहुत सारे नौजवानों ने उसके माता पिता से उससे शादी करने की इच्छा प्रगट की और उससे शादी करने के लिये काफी सारा दहेज भी देने के लिये कहा।

पर उसकी मॉ ने हमेशा ही यह कहते हुए उसकी शादी से इनकार कर दिया कि क्योंकि वह धूप में पिघल जायेगी इसलिये वह खेतों पर काम नहीं कर सकती थी और इसी लिये वे उसकी शादी नहीं करना चाहते थे।

एक बार दूर देश से एक अजनबी वहाँ आया और उस मोटी लड़की को देखते ही उसके प्रेम में पड़ गया।

उसने भी उसकी मॉ की बात सुनी तो वह बोला कि अगर उसकी मॉ उस लड़की की शादी उस नौजवान से कर देगी तो वह उसको पिघलने नहीं देगा और वह हमेशा उसको छाया में रखेगा।

काफी देर तक आपस में बात करने के बाद और यह निश्चय करने के बाद कि वह नौजवान उसकी लड़की को पिघलने नहीं देगा उस लड़की की मॉ ने उसकी शादी उस नौजवान से कर दी और वह नौजवान उसको अपने घर ले आया।

[102] A Fat Woman Who Melted Away (Tale No 24)

जब वह अपने घर पहुँचा तो उसकी पहली पत्नी उससे बहुत जली क्योंकि जब भी कभी कोई काम होता जैसे आग के लिये लकड़ियाँ इकट्ठी करना या नदी से पानी लाना या खाना बनाना तो वह मोटी लड़की तो कोई काम नहीं करती थी क्योंकि वह किसी तरह की भी गर्मी बरदाश्त नहीं कर सकती थी। इसलिये घर का बाहर का सारा काम उसी को करना पड़ता था।

एक दिन जब पति घर में नहीं था तो उसकी पहली पत्नी ने अपने पति की दूसरी मोटी पत्नी को काम न करने के लिये बहुत गालियाँ दीं और उसको इतनी गालियाँ दीं कि उसको खेत पर काम करने के लिये जाना ही पड़ा।

जब वह मोटी लड़की शादी हो कर इस घर में आयी थी तो इत्तफाक से अपनी छोटी बहिन को भी साथ लायी थी।

उसने भी अपनी बहिन के पति की पहली पत्नी से बहुत प्रार्थना की कि वह उसकी बहिन को खेत पर काम करने के लिये न भेजे क्योंकि वह धूप में पिघल सकती थी पर उस पहली पत्नी ने दोनों में से किसी की एक न सुनी और वह उस मोटी लड़की को खेत पर काम करने के लिये साथ में ले ही गयी।

उसके साथ उसकी छोटी बहिन भी गयी थी।

वह मोटी लड़की घर से खेत तक तो छाया में चली गयी पर जब वे दोनों खेत तक पहुँची तब तक धूप बहुत तेज़ हो चुकी थी।

वह मोटी लड़की बेचारी एक पेड़ की छाया में खड़ी हो गयी पर उसके पति की पहली पत्नी ने फिर उसको कहना शुरू किया कि वह उसकी खेत के काम में सहायता क्यों नहीं कर रही थी।

उस मोटी लड़की की छोटी बहिन के बार बार रोकने पर भी पति की पहली पत्नी ने उसको खेत पर काम करने के लिये मजबूर कर दिया। इस सबके बाद वह मोटी लड़की और नहीं सह सकी और उसको खेत पर काम करने जाना ही पड़ा।

जैसे ही वह पेड़ के नीचे से निकल कर बाहर खेत पर निकली तेज धूप की वजह से उसका शरीर पिघलने लगा और बहुत जल्दी ही उसका सारा शरीर पिघल गया और वह खत्म हो गयी।

इत्तफाक से उसके पैर का एक अँगूठा पाम के पत्ते से ढका रह गया था सो वह नहीं पिघला।

उस लड़की की छोटी बहिन यह सब देख रही थी। वह रो पड़ी और रोते रोते उसने वह अँगूठा उठा लिया। उस अँगूठे को उसने सँभाल कर पाम की पत्ती में लपेट कर अपनी टोकरी में सबसे नीचे रख लिया।

घर आ कर उसने वह अँगूठा एक मिट्टी के बर्तन में ठंडा पानी भर कर उसमें डुबो कर रख दिया और उस बर्तन को मिट्टी से बन्द कर दिया।

जब पति वापस घर लौटा तो उसने पूछा कि मेरी मोटी पत्नी कहाँ है। छोटी बहिन ने रोते हुए उसको बताया कि उसकी पहली

पत्नी ने उसकी बहिन को काम न करने के लिये बहुत बुरा भला कहा और उसको बाहर धूप में खेतों पर काम करने भेज दिया।

उस धूप में वह पिघल गयी और उसका केवल यह अँगूठा ही बचा है। कह कर उसने वह मिट्टी का बर्तन उसको दिखा दिया।

उसने बहिन के पति को यह भी बताया कि ऐसा करने से उसकी बहिन तीन महीने के अन्दर अन्दर फिर से अपने पूरे रूप में ज़िन्दा हो जायेगी।

पर अगर उसको उसकी बहिन से प्यार है और उसको उसे घर में रखना है तो उसको अपनी पहली पत्नी को दूर भेज देना चाहिये ताकि आगे से फिर उसकी बहिन को उससे कोई खतरा न हो।

उसने उसके पति से यह भी कहा कि अगर उसने उसकी बात नहीं मानी तो वह यह बर्तन ले कर अपने घर चली जायेगी और वहाँ उसकी बहिन जब ज़िन्दा हो जायेगी तो वह वहाँ आराम से रह पायेगी।

यह सुन कर पति ने अपनी पहली पत्नी को उसके माता पिता के घर भेज दिया जहाँ उसके माता पिता ने उसको किसी को दासी बना कर बेच दिया और उससे जो पैसे आये वह उस पति को वापस कर दिये जो उसने उसके दहेज में दिये थे ताकि वह कोई दूसरी पत्नी खरीद सके।

पैसा लेने के बाद पति ने तीन महीने तक इन्तजार किया। तीन महीने बाद वह मोटी लड़की उस बर्तन में से उसी रूप में ज़िन्दा हो कर निकल आयी जिसमें वह पहले थी।

उसका पति उसको देख कर इतना खुश हुआ कि उसने एक बड़ी दावत का इन्तजाम किया जिसमें उसने अपने बहुत सारे दोस्तों और रिश्तेदारों को बुलाया। उसमें उसने सबको अपनी पहली पत्नी के बुरे बर्ताव के बारे में बताया।

उस दिन से जब भी कभी कोई पत्नी बुरा बर्ताव करती है तो उसका पति उसको उसके माता पिता के घर भेज देता है और वहाँ वह दासी बना कर बेच दी जाती है।

उसके बेचने से मिले पैसे पति को उन पैसों को बदले में वापस कर दिये जाते हैं जो उसने शादी करते समय दहेज के रूप में लड़की के माता पिता को दिये थे।

25 चीता, गिलहरी और कछुआ[103]

बहुत साल पहले की बात है कि एक बार नाइजीरिया में बहुत ज़ोर का अकाल पड़ा। चारों तरफ लोग भूख से मरने लगे।

याम की फसल उगी ही नहीं, प्लान्टेन के पेड़ पर फल ही नहीं आया, मूँगफली सारी सिकुड़ गयी, मक्का का पेड़ इतना बड़ा हुआ ही नहीं जो उसके ऊपर मक्का का भुट्टा लग सके और यहाँ तक कि पाम की गिरी भी नहीं पकी। मिर्चें और भिंडी का तो कहीं पता ही नहीं था।[104]

चीता जो केवल गाय का माँस खाता था उसको तो इन सब चीज़ों की कोई चिन्ता नहीं थी हालाँकि दूसरे जानवर जो मक्का खाते थे और दूसरी खेती करते थे वे दुबले पतले होते जा रहे थे पर उसको उनकी भी कोई चिन्ता नहीं थी।

क्योंकि सभी अकाल की शिकायत कर रहे थे चीते ने अपने आपको बचाने के लिये जानवरों की एक मीटिंग बुलायी और उनसे कहा — "जंगल का हर जानवर जानता है कि मैं बहुत ताकतवर

---

[103] Leopard, Squirrel and Tortoise (Tale No 25)
Read its second part in the Story No 27 (Tale No 27) – "Cheetaa, Kachhuaa Aur Jangalee Choohaa" given in this book.

[104] Yam is a tuber vegetable, Plantain is a kind of banana, Palm tree is like a date palm bearing nuts from which oil is extracted and is eaten, groundnut, corn, pepper, Okra etc. See the pictures of Yam and Plantain above.

जानवर हूँ और अकाल मेरे ऊपर कोई असर भी नहीं कर सकता है क्योंकि मैं मॉस पर ज़िन्दा रहता हूँ।

यहॉ बहुत सारे जानवर हैं इसलिये मेरे भूखे रहने का तो कोई सवाल ही नहीं उठता है। पर अगर तुम लोग अपने आप मरना नहीं चाहते तो तुम सब अपनी अपनी दादियों को मेरे पास खाने के लिये ले आओ। जब मैं तुम्हारी दादियों को खा लूँगा तब मैं तुम्हारी मॉओं को खाऊँगा।

सारे जानवर एक एक करके अपनी दादी को ला सकते हैं और मैं उनको बारी बारी से खाता रहूँगा। क्योंकि बहुत सारे जानवर हैं तो उनकी मॉओं की बारी तो काफी बाद में आयेगी। हो सकता है कि इस बीच में अकाल खत्म भी हो जाये और उनकी मॉओं की बारी आने ही न पाये।

पर कुछ भी हो मेरे लिये खाना काफी होना चाहिये। अगर दादियॉ और मॉऐं मेरे पास खाने के लिये नहीं आयेंगी तो फिर मैं बच्चों को ही खा जाऊँगा।”

वहॉ जो जवान लोग बैठे हुए थे उनको चीते का यह हिसाब किताब न तो कुछ समझ में आया और न ही अच्छा लगा पर अपनी जान बचाने के लिये वे चीते को उसका रोजाना का खाना देने पर राजी हो गये।

सबसे पहले एक गिलहरी की दादी की बारी आयी। यह दादी गिलहरी बेचारी बहुत ही पतली दुबली सी एक छोटी सी पूँछ वाली

गिलहरी थी। जब उसको चीते के पास भेजा गया तो चीते ने तो उसे एक ही कौर में सटक लिया और फिर और खाने के लिये इधर उधर देखने लगा।

जब उसे कुछ और दिखायी नहीं दिया तो वह चिल्लाया — “यह खाना मेरे लिये काफी नहीं था मुझे और खाना चाहिये।”

तब एक जंगली बिल्ले ने अपनी दादी को चीते की तरफ धकेला। उसको देख कर चीता फिर चिल्लाया — “इस बेकार की बूढ़ी चीज़ को मेरे सामने से ले जाओ, मुझे तो कोई मीठी सी चीज़ चाहिये।”

फिर बारी आयी एक जंगली बतख की। बहुत ही हिचकिचाहट के साथ एक जंगली बतख चीते के सामने जा पड़ी। चीते ने उसे तुरन्त ही खा लिया और बोला कि हालाँकि उस दिन का उसका खाना बहुत अच्छा नहीं था पर फिर भी उस दिन उसका पेट भर गया था।

अगले दिन कुछ और जानवर अपनी अपनी दादियों को चीते के सामने ले कर आये और चीते ने उन सबको भी खा लिया।

अब बारी आयी एक कछुए की। तो कछुआ तो बच्चों होता है बहुत चालाक और बहुत होशियार। उसने चीते को यह विश्वास दिला दिया कि उसकी दादी मर गयी है सो चीते ने उसको छोड़ दिया।

कुछ दिनों बाद सबकी दादियाँ खा ली गयीं और अब चीते के खाने के लिये जानवरों की माँओं की बारी आयी।

जानवरों को अपनी बूढ़ी दादियों को तो चीते को देने में इतना बुरा नहीं लगा था पर वे अपनी माँओं को चीते को खाने के लिये नहीं देना चाहते थे। इनमें सबसे ज़्यादा परेशानी थी गिलहरी और कछुए को।

कछुए ने पहले से ही इसकी एक तरकीब सोच कर रखी हुई थी। सभी जानवर जानते थे कि उसकी माँ ज़िन्दा थी क्योंकि उसकी माँ अपने घर में सभी आने वालों के साथ बहुत ही प्रेम से बरताव करती थी इसलिये वह उसके मरने का बहाना तो बना ही नहीं सकता था।

सो अब पहले वाली तरकीब जो उसने अपनी दादी के लिये इस्तेमाल की थी वह तो उसकी माँ के लिये काम नहीं करेगी।

सो इस बार कछुए ने अपनी माँ को एक पाम के पेड़ पर चढ़ने के लिये कहा और उसको समझाया कि जब तक अकाल चलेगा वह वहीं रहे और वह उसको खाना वहीं ला कर देता रहेगा।

उसने उससे यह भी कहा कि वह रोज एक टोकरी नीचे गिरायेगी जिसमें वह खाना रख देगा और तब वह उसको ऊपर खींच लेगी और खाना खा लेगी। उसके बाद कछुआ अपने काम पर चला जायेगा।

इसके लिये कछुए ने अपनी मॉ के लिये एक टोकरी बना दी और उसमें एक लम्बी सी रस्सी बॉध दी। वह रस्सी इतनी मजबूत थी कि कछुए की मॉ उस रस्सी से अपने बेटे को भी ऊपर खींच सकती थी अगर वह चाहती तो।

कुछ दिनों तक तो सब कुछ ठीक ठाक चलता रहा। कछुआ सुबह ही उस पेड़ के नीचे जाता जिसके ऊपर उसकी मॉ रहती थी और उसकी टोकरी में उसके लिये खाना रख देता। उसकी मॉ वह टोकरी ऊपर खींच लेती खाना खा लेती और कछुआ फिर वहॉ से अपने काम पर चला जाता।

इस बीच चीते को तो अपना रोज का खाना चाहिये ही था तो चीते को जानवरों की दादियॉ मिलती रहीं और वह इन्हें खाता रहा। चीते ने जब सबकी दादियॉ खा लीं तो अब जानवरों की मॉओं की बारी आयी। सबसे पहले नर गिलहरी की मॉ की बारी आयी।

नर गिलहरी बहुत गरीब था। उसके पास बहुत ज़्यादा दिमाग भी नहीं था और न ही उसके पास ज़्यादा चालाकियॉ थीं सो उसको अपनी मॉ को चीते के पास भेजना ही पड़ा। चीता उसकी मॉ को खा गया।

नर गिलहरी अपनी मॉ को बहुत प्यार करता था सो जब चीते ने उसकी मॉ को खा लिया तो उसको कछुए की याद आयी कि कछुए ने अपनी दादी को चीते को नहीं दिया था। सो उसने तय किया कि वह कछुए की हरकतों पर नजर रखेगा।

अगली सुबह जब वह अपने खाने के लिये कुछ सूखी हुई गिरियाँ इकट्ठी कर रहा था तो उसको कछुआ दिखायी दे गया। वह बहुत धीरे धीरे झाड़ियों में से होता हुआ चला जा रहा था।

नर गिलहरी क्योंकि पेड़ के ऊपर पर था इसलिये उसको कछुए को देखने में कोई परेशानी नहीं हो रही थी और वह छिपे छिपे उसे देखता रहा।

उसने देखा कि कछुआ एक पाम के पेड़ के नीचे जा कर रुक गया। ऊपर से एक टोकरी नीचे लटकी। कछुए ने उसमें खाना रख दिया और खुद भी बैठ गया।

वह टोकरी ऊपर चली गयी। थोड़ी देर बाद वह टोकरी नीचे आ गयी। कछुआ उसमें से निकला और अपने रास्ते चला गया।

नर गिलहरी यह सब देख रहा था। उसकी समझ में आ गया कि कछुए ने वहाँ अपनी माँ को छिपा रखा था। सो जैसे ही कछुआ वहाँ से गया वह पेड़ की डालियों पर से कूदता हुआ वहाँ जा पहुँचा जहाँ चीता खर्राटे भर रहा था।

जब चीता सो कर उठा तो नर गिलहरी बोला — "तुमने मेरी दादी को खा लिया, तुमने मेरी माँ को भी खा लिया पर कछुए ने तुमको कोई खाना नहीं दिया। अब उसकी बारी है। उसने अपनी माँ को पेड़ के ऊपर छिपा रखा है तुम जा कर उसको खा सकते हो।"

यह सुन कर चीता बहुत ही गुस्सा हो गया। उसने नर गिलहरी से कहा कि वह उसको उस पेड़ के पास ले चले जहॉ कछुए की मॉ रह रही थी।

नर गिलहरी बोला — "कछुआ रोज वहॉ सुबह जाता है। उसकी मॉ उसके लिये एक टोकरी नीचे गिराती है। सो अगर तुम वहॉ सुबह के समय जाओ तो तुम उस टोकरी में बैठ कर ऊपर जा सकते हो और वहॉ जा कर कछुए की मॉ को खा सकते हो।"

चीता इस बात पर राजी हो गया। अगली सुबह जब मुर्गे ने बॉग दी तो नर गिलहरी आया और चीते को उस पेड़ के नीचे ले गया जहॉ कछुए की मॉ रहती थी।

कछुए की बूढ़ी मॉ ने अपने खाने के लिये पहले से ही टोकरी नीचे गिरा रखी थी। चीता तुरन्त ही उसमें बैठ गया और रस्सी खींच दी।

रस्सी खींचने का धक्का महसूस होने पर कछुए की मॉ ने टोकरी की रस्सी खींचनी शुरू की पर कुछ धक्कों के अलावा चीते को और कुछ भी महसूस नहीं हुआ क्योंकि कछुए की वह बेचारी बूढ़ी मॉ में इतनी ताकत ही नहीं थी कि वह चीते जितने भारी जानवर को ऊपर खींच सकती।

जब चीते ने देखा कि वह ऊपर नहीं जा रहा है तो क्योंकि वह तो खुद ही बहुत अच्छा पेड़ पर चढ़ने वाला था सो वह टोकरी से निकल कर पेड़ पर चढ़ कर ऊपर कछुए की मॉ के पास जा पहुँचा।

वहाँ जा कर उसने देखा कि उसके शरीर पर तो इतना बड़ा और सख्त खोल है कि उसको खाने में तो उसको कोई फायदा नहीं है। यह देख कर उसको बहुत गुस्सा आ गया और गुस्से में उसने उसे उठा कर नीचे फेंक दिया।

फिर वह नीचे उतर आया और अपने घर चला गया।

कुछ देर बाद ही वहाँ कछुआ आ गया। उसने टोकरी जमीन पर पड़ी देखी तो उसकी रस्सी को एक झटका दिया ताकि उसकी माँ उसको ऊपर खींच ले पर उसे कोई जवाब ही नहीं मिला।

उसने इधर उधर देखा तो उसको अपनी माँ टूटे हुए खोल के साथ जमीन पर गिरी हुई मिल गयी पर अब तक तो वह मर गयी थी। कछुए ने तुरन्त ही भाँप लिया कि चीते ने ही उसकी माँ को मारा है।

तभी उसने निश्चय कर लिया कि वह अब अकेला ही रहेगा और दूसरे जानवरों से कोई मतलब नहीं रखेगा। साथ में उसने यह भी तय कर लिया कि वह चीते से इसका बदला जरूर लेगा।[105]

[105] [My Note : What happened next, read it in the Story No 27 (Tale no 27) of this book – “Cheeta, Kachhuaa Aur Jangalee Choohaa” in this book.

26 चॉद क्यों घटता बढ़ता है[106]

एक बार एक बहुत ही बूढ़ी औरत थी जो बहुत ही गरीब थी। वह एक मिट्टी की बनी हुई झोंपड़ी में रहती थी जिसकी छत पाम के पत्तों की बनी हुई थी। गरीब होने की वजह से उसको खाना भी ठीक से नहीं मिल पाता था और कोई उसकी देखभाल करने वाला भी नहीं था।

पुराने जमाने में चॉद धरती पर आया करती थी हालॉकि वह अक्सर तो आसमान में ही रहती थी पर फिर भी कभी कभी वह धरती पर आती थी।

चॉद एक बहुत मोटी स्त्री थी और उसकी खाल जानवरों की खाल जैसी थी। उसके शरीर में बहुत मोटा मोटा मॉस था। वह काफी गोल गोल थी और रात को बहुत रोशनी देती थी।

चॉद उस गरीब स्त्री के लिये बहुत दुखी थी सो एक दिन वह उस स्त्री के पास आयी और उससे बोली — "तुम अगर चाहो तो मेरे शरीर में से कुछ मॉस अपने खाने के लिये काट सकती हो।"

सो हर शाम वह स्त्री चॉद के शरीर में से थोड़ा सा मॉस अपने खाने के लिये काट लेती थी और इस तरह अपना पेट भरती थी।

उधर उस स्त्री को अपना मॉस देते देते चॉद रोज पतली होती जाती थी और एक दिन वह पतली होते होते बिल्कुल ही गायब हो

[106] Why the Moon Waxes and Wanes (Tale No 26)

गयी। इससे उसकी रोशनी भी कम होती चली गयी और जिस दिन वह गायब हुई उस दिन तो चारों तरफ अँधेरा ही अँधेरा छाया रहा।

चाँद की रोशनी कम होने पर लोगों को बड़ा आश्चर्य हुआ कि चाँद की रोशनी इतनी कम कैसे हो गयी।

आखिर लोग उस बूढ़ी स्त्री के घर पहुँचे तो वहाँ उन्होंने देखा कि एक उसकी झोंपड़ी में एक छोटी सी बच्ची सो रही है। वह बच्ची वहाँ पर कुछ समय से रह रही थी और रोज चाँद का वहाँ आना देखती थी कि रोज चाँद वहाँ आती थी और रोज वह बुढ़िया चाकू से अपने खाने के लिये उसका माँस काटती थी।

इस सबको देख कर वह बच्ची इतनी डर गयी थी कि उसने उन लोगों को सारी बात बता दी। यह सुन कर उन लोगों ने उस स्त्री पर पहरा देने का विचार किया।

उसी रात चाँद ऊपर से आयी और वह बूढ़ी स्त्री अपना खाना लेने के लिये चाकू और टोकरी ले कर आयी। पर इससे पहले कि वह चाँद का माँस काटती सारे लोग चिल्लाते हुए उसकी तरफ दौड़े।

चाँद भी इतनी डर गयी कि वह तुरन्त ही आसमान में वापस चली गयी और फिर कभी नीचे धरती पर वापस नहीं आयी। और वह बेचारी बुढ़िया भूखी मर गयी।

उस दिन से लोगों के डर के मारे चाँद दिन में भी छिपी रहती है और क्योंकि वह इतना डर गयी थी इसलिये वह महीने में एक बार

बहुत पतली हो जाती है पर बाद में फिर जब कुछ ज़रा सँभलती है तो फिर मोटी हो जाती है।

जब वह खूब मोटी हो जाती है तब खूब रोशनी देती है पर उसकी यह हालत ज़्यादा समय तक नहीं रुकती और वह फिर से पतला होना शुरू हो जाती है जैसे वह उस स्त्री को अपन माँस देते समय होती थी।

27 चीता, कछुआ और जंगली चूहा[107]

एक बार जब नाइजीरिया में अकाल पड़ा तो जंगल के सारे जानवर बहुत कमजोर हो गये केवल एक को छोड़ कर और वह था कछुआ और उसका परिवार।

कछुआ और उसके परिवार के सब लोग खूब मोटे थे। ऐसा लगता था कि जैसे कछुए के परिवार के ऊपर यह अकाल कुछ असर ही नहीं डाल रहा था।

यहॉ तक कि वह चीता भी बहुत दुबला हो गया था जिसने जानवरों से उनकी दादियों और मॉओं को अपने खाने के लिये मॅगवाया था और जो यह कहता था कि इस अकाल का उसके ऊपर तो कोई असर पड़ ही नहीं सकता क्योंकि वह तो जानवरों का मॉस खा कर जीता है।

बच्चो तुमको याद होगा कि अकाल के शुरू के दिनों में चीते ने जंगल के जानवरों की दादियों को खाया था और फिर उनकी मॉओं की बारी थी तो उसने उनकी मॉओं को खाया था। नर गिलहरी की चुगली पर चीते ने कछुए की प्यारी मॉ को तो मार ही दिया था।[108]

---

[107] Leopard, Tortoise and the Bush Rat (Tale No 27)

[108] Read this story in Story No 25 (Tale No 25) “Cheetaa Gilaharee Aur Kachhuaa” in this book.

इस सबसे कछुआ चीते से बहुत गुस्सा था। सो उसने यह निश्चय किया कि वह चीते से इसका बदला जरूर लेगा। अब आगे सुनो कि क्या हुआ।[109]

जैसा कि तुम्हें पता है कछुआ बहुत ही अक्लमन्द और चालाक जानवर होता है तो उसने जंगल के बीच में एक उथली झील ढूँढ ली थी जिसमें बहुत सारी मछलियाँ थीं। सो हर सुबह वह वहाँ जाता और बिना किसी मुश्किल के अपने और अपने परिवार के लिये काफी खाना इकट्ठा करके ले आता।

एक दिन चीते को रास्ते में कछुआ दिखायी दे गया तो उसने देखा कि कछुआ तो खूब मोटा हो रहा है। क्योंकि वह खुद बहुत दुबला हो रहा था सो उसने कछुए के ऊपर निगाह रखने की सोची।

अगली सुबह ही वह कछुए के घर पहुँच गया। उसके घर के पास लगी लम्बी घास में छिप कर बैठ कर वह उसका इन्तजार करने लगा कि देखूँ यह कछुआ कहाँ आता जाता है।

थोड़ी ही देर में उसने देखा कि कछुआ एक भारी सी टोकरी लिये अपने घर चला आ रहा है। चीता घास में से निकला और कछुए के सामने पहुँच कर उससे बोला — "कछुए भाई, इस टोकरी में क्या है?"

[109] This story is the extension of the Story No 25 (Tale No 25) of this book - "Cheetaa, Gilaharee Aur Kachhuaa".

कछुआ अपना सुबह का नाश्ता नहीं खोना चाहता था सो बोला — "मैं आग जलाने के लिये कुछ लकड़ी घर ले जा रहा हूं।"

पर बदकिस्मती से कछुए के मुकाबले में चीते की सूँघने की ताकत कहीं ज़्यादा होती है। उसको फौरन ही पता चल गया कि उस टोकरी में लकड़ी नहीं बल्कि मछलियाँ हैं।

सो वह भी तुरन्त ही बोला — "मुझे मालूम है कि तुम्हारी इस टोकरी में लकड़ियाँ नहीं मछलियाँ हैं और मैं इनको खाऊँगा।"

अब बेचारा कछुआ चीते को मना तो कर नहीं कर सकता था पर उसको तुरन्त ही एक तरकीब भी सूझ गयी।

वह बोला — "ठीक है। ऐसा करते हैं कि हम लोग एक छायादार पेड़ के नीचे बैठते हैं तुम आग जलाने की तैयारी करो और मैं घर से कुछ मिर्चें, नमक, तेल आदि ले कर आता हूँ और तब हम लोग इन मछलियों को साथ साथ खायेंगे।"

चीता इस बात पर राजी हो गया और सूखी लकड़ियाँ ढूँढने चला गया। लकड़ियाँ ला कर उसने आग जलायी।

इस बीच में कछुआ अपने घर चला गया और बहुत जल्दी ही मिर्चें, नमक, तेल आदि ले कर वापस आ गया। साथ ही वह एक मजबूत डंडी और रस्सी भी ले आया था। सब सामान ला कर उसने जमीन पर रखा और मछलियाँ उबालने लगा।

वह चीते से बोला — "जब तक यह मछली उबलती है चलो तब तक एक दूसरे को पेड़ से बॉधने का खेल खेलते हैं। तुम मुझे पहले बॉध सकते हो फिर मैं तुमको बॉधूँगा।

जब मैं कहॅू "मुझे कस कर बॉधो" तो तुम मेरी रस्सी ढीली कर देना और जब मैं कहॅू "मुझे ढीला कर दो" तब तुम मेरी रस्सी कस कर बॉध देना। इस तरह से जो मैं कहॅू उसका उलटा करना।"

चीता बहुत भूखा था सो उसने सोचा कि इस तरह जब तक मछली उबलती है समय जल्दी गुजर जायेगा सो वह यह खेल खेलने के लिये तैयार हो गया।

कछुआ जा कर एक पेड़ के सहारे खड़ा हो गया और बोला "रस्सी ढीली करो।" और चीते ने खेल के नियमों के अनुसार कछुए को बॉधना शुरू किया।

उसने एक दो बार ही रस्सी कछुए के चारों तरफ घुमायी थी कि तुरन्त ही कछुआ बोला "रस्सी कसो।" तुरन्त ही चीते ने रस्सी खोलनी शुरू कर दी और कछुआ आजाद हो गया।

कछुआ बोला — "चीते भाई अब तुम्हारी बारी है।"

सो चीता पेड़ के सहारे खड़ा हो गया और कछुए से बोला — "रस्सी ढीली करो।"

कछुए ने तुरन्त ही चीते को जल्दी जल्दी कई बार उस पेड़ से रस्सी से कस कर बॉध दिया। अब चीता बोला — "रस्सी कसो।"

पर बजाय नियमों के अनुसार खेल खेलने के कि वह चीते की रस्सी को ढीला करता वह चीते को वहीं उस पेड़ से और कस कर बाँध कर और वैसे ही बँधा छोड़ कर वहाँ से भाग लिया ताकि वह खुद चीते के पंजों में भी न आ सके।

चीता इतनी अच्छी तरह पेड़ से बँधा हुआ था कि वह अपने आप तो आजाद हो ही नहीं सकता था।

चीता बेचारा वहाँ खड़े खड़े कछुए से चिल्ला चिल्ला कर कहता रहा कि वह उसे आजाद कर दे क्योंकि अब वह इस खेल से थक चुका था। पर कछुआ केवल हँस दिया।

वह आग के पास बैठ कर अपना सुबह का नाश्ता करने लगा। जब उसका नाश्ता खत्म हो गया तो बचा हुआ खाना उसने टोकरी में रखा और घर जाने के लिये तैयार हुआ।

पर जाने से पहले वह चीते से बोला — "पहले तुमने मेरी माँ को मारा और अब तुम मेरी मछली लेना चाहते हो? मैं तुम्हारे लिये मछली लाने के लिये झील नहीं जाने वाला। अब तुम यहीं रहो और भूखे मरो।"

फिर उसने बचा हुआ नमक और मिर्च चीते की आँख में फेंक दिया। चीता दर्द के मारे चिल्लाता रहा और कछुआ उसको इसी हालत में तड़पता हुआ छोड़ कर अपने घर चला गया।

सारा दिन और सारी रात चीता वहाँ सहायता के लिये चिल्लाता रहा और कछुए को गालियाँ देता रहा पर उसकी सहायता के लिये

कोई नहीं आया क्योंकि आदमी और जानवर दोनों ही चीते की आवाज तक सुनना पसन्द नहीं करते थे।

अगली सुबह जब जानवर अपना खाना ढूँढने के लिये इधर उधर जाने लगे तो चीते ने जिस जानवर को भी देखा हर जानवर को अपनी सहायता के लिये पुकारा कि वह उसे खोल दे पर किसी ने उसको नहीं खोला क्योंकि हर जानवर जानता था कि जैसे ही उसने चीते को खोला वह उसे खा जायेगा।

काफी समय के बाद एक जंगली चूहा उसकी आवाज सुन कर उसके पास आया और उसको पेड़ से बॅधा देख कर उससे पूछा कि मामला क्या है।

तो चीते ने उस जंगली चूहे को बताया कि वह कछुए के साथ रस्सी "कसना" और "ढीला" करने का खेल खेल रहा था कि वह उसको यहाँ बाँध कर भूखा मरने के लिये छोड़ गया। फिर उसने उससे प्रार्थना की कि वह अपने पैने दाँतों से उसकी रस्सियाँ काट दे ताकि वह आजाद हो जाये।

जंगली चूहा उसके लिये बहुत दुखी हुआ पर वह यह भी जानता था कि अगर उसने चीते की रस्सियाँ काट दीं तो आजाद होते ही वह उसको खा जायेगा इसलिये वह उसकी रस्सियाँ काटने में थोड़ा हिचकिचा रहा था।

वह इधर उधर देखते हुए चीते से बोला — "चीते राजा, मुझे पता नहीं चल रहा कि मैं रस्सियाँ कहाँ से काटूँ।"

पर फिर भी यह चूहा बड़ा नर्म दिल था और क्योंकि वह खुद भी कई बार जाल में फँस चुका था इसलिये चीते से उसको बड़ी हमदर्दी थी।

उसने कुछ देर सोचा और फिर उसके दिमाग में एक तरकीब दौड़ गयी।

उसने चीते को तो चिल्लाने दिया और सबसे पहले पेड़ की जड़ में अपने लिये एक बिल खोदना शुरू किया। जब उसका बिल खुद गया तो उसने चीते की एक रस्सी काट दी और तुरन्त ही भाग कर अपने बिल में घुस गया।

वहाँ बैठ कर वह इन्तजार करने लगा कि देखें अब चीता क्या करता है।

एक रस्सी कट जाने के बाद चीते ने बहुत कोशिश की वह सारी रस्सी खोल कर आजाद हो जाये पर कछुआ तो उसको इतनी कस कर बाँध गया था कि आजाद होना तो दूर वह अपनी रस्सियाँ ढीली तक न कर सका।

कुछ देर में चूहे को लगा कि अब कोई खतरा नहीं है तो वह अपने बिल में से निकल आया। उसने चीते की दूसरी रस्सी काटी और पहले की तरह से तुरन्त ही फिर अपने बिल में घुस गया।

फिर वह कुछ देर तक इन्तजार करता रहा और जब देखा कि उसे चीते से कोई खतरा नहीं है तो वह फिर अपने बिल में से निकल

कर आया और चीते की बाकी रस्सियाँ भी काट दीं और उसे आजाद कर दिया।

चीता बहुत भूखा था सो जैसे ही वह आजाद हुआ, बजाय चूहे का धन्यवाद करने के वह चूहे को खाने के लिये उस पर लपक पड़ा। पर चूहा भी होशियार था। वह तुरन्त ही अपने बिल में कूद पड़ा और चीते के पंजे से बच गया।

पर वह इतना तेज़ भी नहीं था। चीते ने उसे अपने पंजे में फिर से पकड़ लिया और खा गया।

पर इस हाथापाई में चीते के पंजे के निशान चूहे के शरीर पर रह गये। आज भी जंगली चूहों के शरीर पर ये सफेद निशान देखे जा सकते हैं।

28 एक राजा और एक जू जू पेड़[110]

ऊडो उबोक उबोम इटाम का एक बहुत ही मशहूर[111] राजा था। इटाम जगह नाइजीरिया के कैलैबार शहर में थोड़ा अन्दर को है और उसमें कोई नदी नहीं है इसलिये राजा और रानी पास के एक सोते पर नहाने धोने के लिये जाया करते थे।

राजा ऊडो की एक बेटी थी जिसको वह बहुत प्यार करता था और उसकी वह बहुत अच्छी तरह देखभाल भी करता था। बड़ी हो कर वह एक सुन्दर राजकुमारी बन गयी।

एक बार कुछ समय के लिये राजा अपने घर में नहीं था सो दो साल से वह उस सोते पर भी नहीं गया था जहॉ वह नहाने धोने के लिये रोज जाया करता था।

दो साल बाद जब वह उस सोते पर नहाने गया तो उसने देखा कि वहॉ इडम जू जू पेड़[112] तो बहुत बड़ा हो कर चारों तरफ फैल गया है और वह इतना ज़्यादा फैल गया है कि अब वह पहले की तरह से उस सोते को नहाने धोने के लिये इस्तेमाल नहीं कर सकता था जैसे पहले करता था।

---

[110] The King and the Ju Ju Tree (Tale No 28)

[111] Udo Ubok Ubom was a famous King of Etam place of Calabar city in Nigeria in its Cross River State

[112] Idem Ju Ju tree had spread all around the place – Ju Ju is a kind of magic, or black magic like "Tonaa Totakaa" in India.

सो उसने अपने 50 आदमी बुलवाये और उनको अपने बड़े बड़े चाकू[113] साथ लाने के लिये कहा ताकि वे उस पेड़ को उनसे काट सकें।

आ कर उन्होंने वह पेड़ काटना शुरू किया पर उनके काटने का उस पेड़ पर कोई असर ही नहीं हो रहा था क्योंकि जैसे ही वे कहीं भी चाकू मारते थे वह जगह तुरन्त भर जाती थी और इस तरह उसकी कोई एक डाल तक नहीं टूट पा रही थी। सुबह से शाम हो गयी उनको पेड़ काटते काटते पर वह पेड़ तो ऐसा का ऐसा ही खड़ा था।

वे लोग रात को राजा के पास लौटे तो उन्होंने उसको बताया कि वे उस पेड़ को काट ही नहीं सके क्योंकि जहॉ से भी वे उसको काटते थे वह जगह वहॉ तुरन्त ही भर जाती थी।

यह सुन कर राजा को बड़ा गुस्सा आया। अगले दिन वह खुद अपना चाकू ले कर उस सोते के पास पहुॅचा।

जब जू जू पेड़ ने देखा कि राजा खुद वहॉ आया है और उसकी शाखाऍ काटने की कोशिश करने वाला है तो उसने अपनी लकड़ी का एक बहुत छोटा सा टुकड़ा तोड़ कर राजा की ऑख में फेंक दिया। इससे राजा की ऑख में इतना दर्द हुआ कि वह अपना चाकू वहीं फेंक कर अपने घर चला गया।

[113] Matchet or Cutlass – a kind of sword having about 2 to 2 and 1/2 feet long blade which is used in West Africa to cut the grass and soft small trees. See its picture above.

उस लकड़ी के टुकड़े की वजह से उसकी ऑख में इतना दर्द रहा कि वह तीन दिन तक न तो कुछ खा सका और न सो सका। फिर उसने अपने जादूगरों[114] को बुलवा भेजा और उनसे पता करने के लिये कहा कि उसकी ऑख में इतना दर्द क्यों है।

उन्होंने अपनी कौड़ियॉ[115] फेंक कर बताया कि जू जू पेड़ उससे नाराज है क्योंकि उस सोते पर वह नहाना चाहता था और इसलिये उसने उस पेड़ को कटवाना भी चाहा।

तब उन्होंने राजा से कहा कि वह सात टोकरी मक्खियॉ, एक सफ़ेद बकरा, एक सफ़ेद मुर्गा और एक सफ़ेद कपड़े का टुकड़ा उस जू जू पेड़ को शान्त करने के लिये बलि दे तब कहीं जा कर वह पेड़ शान्त होगा।

राजा ने यह सब किया। उन जादूगरों ने राजा को ऑखों में लगाने के लिये एक मरहम भी दिया पर इस सबका कोई असर नहीं हुआ और राजा की हालत दिन पर दिन बिगड़ती ही चली गयी।

तब राजा ने इन जादूगरों को वापस भेज दिया और कुछ और लोगों को बुलाया। जब वे आये तो उन्होंने राजा को बताया कि वे खुद तो उसके दर्द को आराम देने के लिये कुछ नहीं कर सकते थे

[114] Translated for the words "Witch men"

[115] Translated for the word "Cowries". Cowries are sea shells. See their picture above.

पर वे एक आदमी को जानते था जो आत्माओं की दुनियाँ में रहता था वह शायद उसको ठीक कर सकता था।

राजा ने उनसे कहा कि वे उस आदमी को जल्दी से जल्दी बुलायें ताकि उसको जल्दी से जल्दी कुछ आराम आ सके। इस समय वह बहुत तकलीफ में है।

वह आदमी अगले दिन ही आ गया। उस आदमी ने आ कर पूछा — "इससे पहले कि मैं तुम्हारी आँख पर कुछ करूँ मैं यह जानना चाहता हूँ कि अगर मैंने तुम्हारी आँख ठीक कर दी तो तुम मुझे क्या दोगे?"

राजा ऊडो बोला — "अगर ऐसा हुआ तो मैं तुमको अपना आधा राज्य और उसमें रहते हुए आदमी दे दूँगा। इसके अलावा सात गाय और कुछ पैसे भी दूँगा।"

पर उस आत्माओं की दुनियाँ वाले आदमी ने राजा की इन चीज़ों को मना कर दिया।

अब क्योंकि राजा को दर्द बहुत था इसलिये उसने पूछा — "ठीक है, अगर तुम यह नहीं लेना चाहते तो तुम बताओ तुम क्या चाहते हो? मैं तुमको वही दूँगा।"

आत्माओं की दुनियाँ वाला आदमी बोला — "मुझे तो केवल तुम्हारी बेटी चाहिये।"

यह सुन कर राजा रो पड़ा उसने उस आदमी को जाने को कहा और कहा कि वह बजाय अपनी बेटी उसको देने के मर जाना ज़्यादा पसन्द करेगा।

पर उस रात उसकी ऑख में और दिनों के मुकाबले में और बहुत ज़्यादा दर्द था। उसके कुछ लोगों ने उसको समझाया कि वह उस आदमी फिर से बुलाये और उसको अपनी बेटी दे दे।

क्योंकि अगर वह ठीक हो गया तो बेटी तो उसके और भी हो जायेंगी पर अगर वह मर गया तब तो सब कुछ ही खत्म हो जायेगा।

राजा की कुछ समझ में आया तो उसने उस आत्माओं की दुनियॉ वाले आदमी को फिर से बुला भेजा। वह फिर जल्दी ही आ गया। राजा ने बड़े दुख के साथ उस आत्माओं की दुनियॉ वाले आदमी को अपनी बेटी दे दी।

वह आदमी बाहर गया और एक झाड़ी में से कुछ पत्तियॉ तोड़ लाया। उसने उनको पानी में भिगोया और कूट लिया। फिर उन पत्तियों का रस निकाल कर उसने राजा की ऑखों में डाल कर कहा कि अगले दिन जब राजा अपना चेहरा धो लेगा तब ही वह यह बता पायेगा कि क्या चीज़ उसकी ऑख को तंग कर रही है।

राजा ने बहुत कोशिश की कि वह रात को वहीं रुक जाये पर वह रुका नहीं और राजा की लड़की को ले कर वहॉ से चला गया।

सुबह उठते ही राजा ने अपना चेहरा धोया और देखा कि उसकी ऑख में जू जू पेड़ की लकड़ी का एक टुकड़ा था जो उसको इतने दिनों से तंग कर रहा था। वह उसकी ऑख से बाहर निकल कर गिर पड़ा।

उस टुकड़े के गिरते ही उसकी ऑख का दर्द चला गया और वह फिर से पहले की तरह हो गया।

कुछ देर बाद जब उसे होश आया तो उसको लगा कि अपनी एक ऑख के लिये उसने अपनी बेटी की बलि दे दी है सो उसने सारे राज्य में ढिंढोरा पिटवा दिया कि तीन साल तक राज्य में शोक मनाया जाये।

उधर पहले दो साल तक उस आत्माओं की दुनियॉ वाले आदमी ने उस लड़की को एक मोटा करने वाले घर में रखा जिसमें उसको रोज बहुत बढ़िया खाना दिया जाता था।

पर उस घर में एक खोपड़ी भी रहती थी जिसको उस लड़की के ऊपर दया आ गयी। उसने उस लड़की को उस खाने को खाने से मना किया जो उसको वहॉ दिया जाता था।

उसने उसको बताया कि यह खाना उसको उससे शादी करने के लिये नहीं दिया जा रहा बल्कि उसको मोटा करने के लिये दिया जा रहा है ताकि वह खूब मोटी हो जाये और बाद में उसको मार कर खाया जा सके।

सो जो भी खाना उसके लिये वहाँ लाया जाता वह उसको उस खोपड़ी को दे देती और खुद वह चौक[116] खा कर रह जाती।

तीसरे साल के आखीर में वह आदमी अपने कुछ दोस्तों को राजा की बेटी को दिखाने के लिये ले कर आया और उनसे कहा कि वह उसको अगले दिन मार डालेगा और वे सब उसके माँस की अच्छी दावत उड़ायेंगे।

अगले दिन सुबह जब वह लड़की उठी तो वह आदमी उसके लिये रोज की तरह खाना ले कर आया।

उस खोपड़ी ने उस आदमी की सारी बातें सुन ली थीं और वह उस लड़की की जान बचाना चाहती थी सो उसने उस लड़की को कमरे में बुलाया और उसको बताया कि शाम को क्या होने वाला था।

उस लड़की ने वह खाना उस खोपड़ी को दे दिया। खोपड़ी बोली — "देखो जब यह आदमी अपने दोस्तों के साथ जंगल में दावत की तैयारी करने चला जाये तुम अपने पिता के पास भाग जाना।"

उसने फिर उस लड़की को उसके घर जाने का रास्ता बताया और एक दवा दी जो रास्ते भर उसको ताकत देती।

[116] Chalk – the white stick used to write on the blackboard or floor etc hard surfaces

उसने कहा कि चलते चलते वह एक ऐसी जगह आयेगी जहाँ से दो रास्ते हो जायेंगे। उस जगह अगर वह थोड़ी सी वह दवा डाल देगी तो वे दोनों रास्ते मिल कर एक रास्ता बन जायेगा।

फिर उसने कहा कि वह पीछे वाले रास्ते से निकल जाये और जंगल से होती हुई शहर के आखीर तक चलती जाये तब उसको वह सड़क मिलेगी जिस पर उसको जाना है।

अगर उसको रास्ते में कोई मिले भी तो वह किसी को नमस्कार भी न करे क्योंकि अगर वह कुछ बोली तो लोग समझेंगे कि आत्माओं की दुनियाँ में वह अजनबी है और वे उसको मार भी सकते हैं।

इसके अलावा अगर कोई उसको पुकारे तो उसको पीछे मुड़ कर नहीं देखना चाहिये जब तक कि वह अपने पिता के घर न पहुँच जाये।

लड़की ने खोपड़ी को उसकी सलाह के लिये धन्यवाद दिया और चल दी। जब वह शहर के आखीर में पहुँची तो उसको वह सड़क दिखायी दी जिस पर उसको जाना था।

तीन घंटे भागने के बाद वह उस जगह पर आ गयी जहाँ से दो सड़क जाती थीं। जैसा उससे कहा गया था उसने वहाँ जमीन पर वह दवा डाल दी।

दवा डालते ही दोनों सड़कें मिल कर एक हो गयीं। वह उस सड़क पर सीधी चलती चली गयी। हालाँकि कई लोगों ने उसको

पुकारा भी पर उसने न किसी को नमस्कार किया और न ही पीछे मुड़ कर देखा।

करीब करीब उसी समय आत्माओं की दुनियाँ वाला वह आदमी जंगल से वापस लौटा। उसने देखा कि राजा की लड़की तो वहाँ से गायब थी।

उसने खोपड़ी से पूछा कि वह लड़की कहाँ थी। खोपड़ी ने जवाब दिया कि वह पीछे के दरवाजे से बाहर चली गयी है पर उसे यह नहीं मालूम कि वह गयी कहाँ है।

क्योंकि वह आदमी आत्मा था इसलिये उसने तुरन्त ही पता लगा लिया कि वह लड़की घर चली गयी है सो वह भी चिल्लाता हुआ तुरन्त ही उसके पीछे भाग लिया।

जब लड़की ने उसकी आवाज सुनी तो वह भी तेज़ तेज़ भागी और उसने अपने पिता के घर आ कर ही दम लिया।

तुरन्त ही उसने अपने पिता से बलि के लिये एक गाय, एक सूअर, एक भेड़, एक बकरा, एक कुत्ता, एक मुर्गा और सात अंडों को सात हिस्सों में बाँटने के लिये और उनको शहर से बाहर सड़क पर डाल देने के लिये कहा ताकि जब वह आदमी शहर के अन्दर घुसने वाला हो तो वह इन चीज़ों को देख कर अन्दर न घुसे।

राजा ने अपनी बेटी के कहे अनुसार ही किया। सो जैसे ही आत्माओं की दुनियाँ वाला वह आदमी शहर तक पहुँचा वह उन सब चीज़ों के देख कर वहीं उनको खाने बैठ गया। जब उसका पेट भर

गया तो वह बचा हुआ खाना ले कर अपनी आत्माओं की दुनियॉ में वापस चला गया।

जब राजा ने देखा कि खतरा टल गया है तो उसने अपना ढोल बजाया और ढिंढोरा पीट दिया कि जब लोग मर जायें और आत्माओं की दुनियॉ में चले जायें तो वे धरती पर किसी बीमार को ठीक करने के लिये न लौटें।

राजा की बेटी घर वापस आ गयी थी। राजा बहुत खुश था सो पूरे राज्य में खूब खुशियॉ मनायीं गयीं।

29 कछुए ने हाथी और हिप्पोपोटेमस को कैसे जीता[117]

एक बार की बात है कि एक हाथी और एक हिप्पो बड़े अच्छे दोस्त थे। दोनों हमेशा साथ साथ रहते और साथ साथ खाना खाते थे।

एक दिन जब वे दोनों खाना खा रहे थे तो एक कछुआ वहाँ आया और उनसे बोला — "भाइयो, हालाँकि तुम दोनों मुझसे बहुत बड़े हो और ज़्यादा ताकतवर हो पर फिर भी तुम दोनों में से एक भी मुझे रस्सी से पानी में से नहीं खींच सकता।"

हाथी और हिप्पोपोटेमस दोनों ही यह सुन कर भौंचक्के रह गये वे तो कुछ कह ही नहीं सके। कछुए ने हाथी से कहा कि वह उसको अगले दिन 10 हजार डंडियाँ[118] देगा अगर वह उसको पानी में से बाहर खींच कर दिखा दे।

हाथी ने भी यह चुनौती मान ली और यह सोचते हुए कि कछुआ तो उसके सामने बहुत ही छोटा सा जानवर है वह तो उसे हिला भी नहीं सकता उससे कहा कि अगर वह उसको पानी के बाहर नहीं खींच सका तो वह उसको 20 हजार डंडियाँ देगा।

---

[117] How the Tortoise Overcame Elephant and Hippopotamus? (Tale No 29)

[118] A currency used in Nigeria in those days.

अगली सुबह कछुए ने एक बहुत ही मजबूत रस्सी ली, उसको अपने पैर में बाँधा और नदी पर पहुँच गया। वह नदी को बहुत अच्छी तरह जानता था।

वहाँ आ कर उसने एक और रस्सी ली और उस रस्सी का एक सिरा एक बहुत बड़ी चट्टान से बाँध दिया और दूसरा सिरा हाथी के लिये खींचने के लिये छोड़ दिया। फिर वह नदी की तली में जा कर छिप गया।

थोड़ी देर में हाथी आया और उसने रस्सी खींचना शुरू किया। पर क्योंकि वह रस्सी चट्टान से बँधी थी हाथी अपनी लाख कोशिशों के बावजूद उसको न खींच सका। कुछ ही देर में रस्सी टूट गयी।

जैसे ही रस्सी टूटी कछुआ पानी में से बाहर निकला और उसने चट्टान से बँधी रस्सी खोल दी और जमीन पर आ गया और सबको दिखा दिया कि रस्सी उसके पैर से अभी भी बँधी हुई थी और हाथी उसको पानी में से नहीं खींच पाया था।

इस तरह हाथी को यह विश्वास दिला दिया गया कि वह हार गया था और कछुआ जीत गया था सो हाथी ने कछुए को **20** हजार डंडियाँ दे दीं। कछुआ वे डंडियाँ ले कर घर चला गया और उसने कुछ दिन आराम से गुजारे।

तीन महीने बाद कछुए को लगा कि अब उसके पैसे कम होने लगे हैं सो उसने सोचा कि अब फिर वही चाल खेल कर कुछ पैसे

और बनाये जायें। सो अबकी बार वह हिप्पो के पास गया और उससे भी यही शर्त रखी।

हिप्पो बोला — "मैं शर्त के लिये तैयार हूँ पर मैं पानी में रहूँगा और तुम जमीन पर और फिर मैं तुमको पानी के अन्दर खींचूंगा।"

कछुआ इसके लिये भी तैयार हो गया। सो दोनों नदी के किनारे पहुँचे। कछुए ने एक मजबूत रस्सी हिप्पो के पिछले पैरों में बाँध दी और उसको पानी में जाने के लिये कहा।

जैसे ही हिप्पो पानी में जाने के लिये मुड़ा कछुए ने उस रस्सी का एक सिरा जल्दी से पाम के एक मजबूत से पेड़ से **3–4** बार बाँध दिया और उसी पेड़ की जड़ में छिप कर बैठ गया।

हिप्पो ने उस रस्सी को बहुत खींचा बहुत खींचा पर वह कछुए को नहीं खींच पाया सो हाँफता हुआ वह पानी से बाहर निकला।

कछुए ने जैसे ही उसको पानी से बाहर निकलते देखा उसने तुरन्त ही पेड़ से बँधी रस्सी खोल कर अपने पैर में बाँध ली और हिप्पो की तरफ चल दिया यह दिखाने के लिये कि रस्सी अभी भी उसके पैर में बँधी हुई थी।

हिप्पो को मानना पड़ा कि कछुआ उससे ज्यादा ताकतवर था और बड़े बेमन से उसने कछुए को **20** हजार डंडियाँ दे दीं।

फिर हाथी और हिप्पो दोनों ने निश्चय किया कि वे कछुए को अपना दोस्त बना लेंगे क्योंकि वह तो बहुत ताकतवर जानवर था।

पर असल में वह इतना ताकतवर नहीं था जितना ताकतवर वे उसको सोच रहे थे। वह तो केवल अपनी चालाकी की वजह से जीत गया था।

कछुए ने उन दोनों से कहा कि क्योंकि वह दो जगह एक साथ नहीं रह सकता इसलिये वह अपने बेटे को हाथी के पास जमीन पर छोड़ देगा और वह खुद हिप्पो के साथ पानी में रहेगा।

इस कहानी से यह पता चलता है कि दो तरह के कछुए क्यों पाये जाते हैं। एक जो जमीन पर रहते हैं और दूसरे जो पानी में रहते है।

पानी वाले कछुए बड़े होते है क्योंकि उनको खूब सारी मछलियॉ खाने को मिलती हैं जबकि जमीन वाले कछुए छोटे होते हैं क्योंकि उनको बहुत कम खाना मिल पाता है।

30 एक सुन्दर लड़की और सात ईष्यालु स्त्रियाँ[119]

एक बार एक बहुत ही सुन्दर लड़की थी जिसका नाम ऐकिम[120] था। वह इबीबियो[121] जगह की रहने वाली थी और क्योंकि वह बहुत सुन्दर थी और वसन्त के मौसम में पैदा हुई थी इसी लिये उसके माता पिता ने उसका यह नाम रखा था।

यों तो शहर के सभी लोग उसकी सुन्दरता से बहुत जलते थे पर खास तौर पर शहर की लड़कियाँ उससे बहुत जलती थीं क्योंकि वह केवल सुन्दर ही नहीं थी बल्कि हर बात में ही वह बहुत अच्छी थी – चलने में, बैठने उठने में, बात करने में।

इसलिये जैसा कि वहाँ का रिवाज था कि एक उम्र के लड़के और लड़कियाँ साथ में उठें बैठें उसके माता पिता उसके इन गुणों की वजह से उसको दूसरे जवान लड़के लड़कियों के साथ उठने बैठने भी नहीं देते थे।

ऐकिम के माता पिता गरीब तो जरूर थे पर उनके पास एक बहुत ही अच्छी बेटी थी जिससे उनको बिल्कुल भी परेशानी नहीं थी सो वे लोग आपस में खुशी से रहते थे।

एक दिन जब ऐकिम पानी भरने के लिये जा रही थी तो उसे रास्ते में उसी की उम्र की सात लड़कियाँ मिलीं। अगर उसके माता

---

[119] A Pretty Girl and Seven Jealous Women (Tale No 30)

[120] Akim – name of the girl

[121] Ibibio – name of the place in Calabar city in Nigeria in its Cross River State where the girl lived.

पिता ने उसके ऊपर उसके हमउम्र लड़के लड़कियों से मिलने पर रोक न लगायी होती तो वह भी आज उन्हीं लड़कियों के साथ होती।

इन लड़कियों ने उसको बताया कि वे तीन दिनों के बाद शहर में एक उत्सव में जा रहीं थीं अगर वह चाहे तो वह भी उनके साथ आ सकती थी।

उसने कहा कि अफसोस मैं तुम लोगों के साथ नहीं आ सकती क्योंकि मेरे माता पिता गरीब हैं और घर में काम करने के लिये केवल मैं ही हूँ इसलिये इन उत्सवों और नाच गाने के लिये मेरे पास समय नहीं है। और वह चली गयी।

क्योंकि वे सातों लड़कियाँ ऐकिम से जलती थीं इसलिये शाम को जब वे मिलीं तो उन्होंने आपस में यह विचार किया कि इस उत्सव में उनके साथ जाने से मना करने के लिये उससे किस तरह बदला लिया जाये।

वे सब काफी देर तक इस बारे में बातें करती रहीं कि किस तरह ऐकिम को या तो किसी खतरे में डाला जाये या उसको किसी तरह की सजा दी जाये।

आखिरकार उनमें से एक लड़की ने सलाह दी कि उन सबको ऐकिम के घर रोज जाना चाहिये और उसके कामों में उसकी सहायता करनी चाहिये। इससे वे उसको अपना दोस्त बना सकेंगी और फिर वे अपना बदला ले सकती हैं।

सो उन्होंने ऐसा ही किया। उन्होंने ऐकिम के घर जा कर उसके कामों में हाथ बॅटाना शुरू कर दिया।

हालॉकि वे लड़कियॉ रोज ऐकिम के घर जा कर उसके और उसके माता पिता के कामों में सहायता करने लगीं थीं फिर भी उसके माता पिता यह जानते थे कि वे उनकी बेटी से जलती हैं इसलिये उन्होंने अपनी बेटी को उनके साथ कहीं भी जाने से मना कर रखा था क्योंकि उनको उन लड़कियों पर विश्वास नहीं था।

साल के आखीर में एक बहुत बड़ा उत्सव मनाया जाने वाला था जिसका नाम था "नया याम"[122] उत्सव। उसमें ऐकिम के माता पिता को भी बुलाया गया था। यह उत्सव जहॉ एकिम के माता पिता रहते थे वहॉ से दो घंटे की दूरी पर मनाया जाने वाला था।

ऐकिम उस नाच में हिस्सा लेने के लिये बहुत उत्सुक थी पर उस दिन उसके माता पिता ने उसके जाने से पहले ही करने के लिये उसको बहुत सारा काम दे दिया।

ऐसा उन्होंने इसलिये किया ताकि यह काम उसको वहॉ जाने से रोक पाये क्योंकि वे यह नहीं चाहते थे कि वह वहॉ जाये। वह उनका कहा मानती थी और अपना काम भी बहुत अच्छी तरह से करती थी।

---

[122] Read about this "New Yam" celebrations in the next tale (Tale No 31) entitled "Aadmee Khaane Vaale Log" in this book.

उत्सव वाले दिन सुबह सुबह वे सातों लड़कियाँ आयीं और ऐकिम से उन्होंने अपने साथ चलने के लिये कहा। ऐकिम ने कहा कि आज तो उसको बहुत काम करना था।

उसने कई खाली बर्तनों की तरफ इशारा किया कि उसको उनमें पानी भरना था। फिर उसने उनको एक दीवार दिखायी कि उसे उसको पत्थर से रगड़ रगड़ कर पालिश करना था और साथ में फर्श भी साफ करना था। इसके बाद उसको अपने घर के चारों तरफ से घास भी साफ करनी थी।

इसलिये उसके लिये यह बिल्कुल नामुमकिन था कि वह घर छोड़ कर उनके साथ उस उत्सव में जा सके जब तक कि उसका घर का काम खत्म नहीं हो जाता।

जब उन लड़कियों ने यह सुना तो वे बोलीं यह कोई बड़ी बात नहीं है हम सब तुम्हारा यह काम बहुत जल्दी ही करा देंगी। सो उन सबने पानी के बर्तन उठाये और पानी भरने के लिये चल दीं। कुछ ही देर में वे पानी भर लायीं और सारे बर्तन उन्होंने एक लाइन में सजा कर रख दिये।

फिर उन्होंने पत्थर लिये और उसके घर की सारी दीवारें साफ कर दीं और फर्श भी चमका दिया। उसके बाद घर के चारों तरफ की घास भी साफ कर दी और सब सफाई भी कर दी। इस तरह उन सबने मिल कर उसके घर का सारा काम बहुत जल्दी ही निपटा दिया।

जब सारा काम खत्म हो गया तब उन्होंने ऐकिम से कहा — "चलो अब तुम हमारे साथ चलो। अब तुम्हारे पास कोई बहाना नहीं है हमारे साथ न चलने का क्योंकि तुम्हारे घर का सारा काम तो अब खत्म हो चुका है।"

ऐकिम वाकई में उस उत्सव में जाना चाहती थी और क्योंकि उसके माता पिता ने जो काम दिया था वह भी पूरा हो चुका था सो अब उसके पास वाकई कोई बहाना नहीं था इसलिये उसने जाने के लिये हॉ कर दी।

ऐकिम के घर से उस जगह के बीच में जहॉ यह "नया याम" उत्सव मनाया जाने वाला था आधे रास्ते में एक नदी पड़ती थी जो करीब पॉच फीट गहरी थी उसको आधा तैर कर पार करना पड़ता था क्योंकि उसके ऊपर कोई पुल नहीं था।

इस नदी में एक बड़ा ताकतवर जू जू[123] रहता था। उसका नियम यह था कि जो कोई भी इस नदी को पार करता था और फिर इसी रास्ते से वापस लौटता था उसको इस जू जू को कुछ खाना देना पड़ता था।

और अगर कोई ऐसा नहीं करता था तो वह जू जू उसको घसीट कर अपने घर ले जाता था और अपना नौकर बना कर रखता था।

---

[123] Magic or Black Magic used in West African countries. Here it means a kind of god of Ju Ju. Ju Ju people of Nigeria are like Ojha of India who help to cure the patients of Black Magic and even to do Black Magic themselves on somebody – Jaadoo Tonaa. In Nigeria Ju Ju are the gods also who can grant the wishes, curse the people, or abduct the people.

वे सातों लड़कियॉ तो इस बात को अच्छी तरह जानती थीं क्योंकि वे इस नदी को भी पार कर चुकी थीं और दूसरी जगह भी जा चुकी थीं क्योंकि उनके कई दोस्त उस देश में कई जगह रहते थे।

पर यह लड़की ऐकिम क्योंकि एक अच्छी लड़की थी और पहले बाहर कहीं गयी नहीं थी इसलिये वह इस जू जू के बारे में कुछ नहीं जानती थी। और उन सातों लड़कियों ने ऐकिम को इस जू जू के बारे में कुछ बताया भी नहीं था।

सो काम खत्म होने के बाद वे सब उस उत्सव की जगह चल दीं। उन्होंने वह नदी पार की। कुछ दूर आगे जा कर उनको एक चिड़िया मिली जो एक बहुत ऊँचे पेड़ पर बैठी थी।

वह चिड़िया ऐकिम को बहुत चाहती थी और उसकी सुन्दरता के गीत गाती रहती थी। उस समय भी वह उसकी सुन्दरता के गीत ही गा रही थी। पर सातों लड़कियों को उस चिड़िया का वह गाना बहुत बुरा लग रहा था क्योंकि वे ऐकिम की सुन्दरता को बिल्कुल भी बरदाश्त नहीं कर सकती थीं।

वे सब ऐकिम को उस जू जू के बारे में बिना बताये ही चलती रहीं। आखिर में वे सब उस शहर में आ गयीं जहॅा वह उत्सव मनाया जा रहा था।

ऐकिम अपने घर से बिना कपड़े बदले ही चली आयी थी पर और सब लड़कियॉ वहॉ पर अपने बहुत अच्छे अच्छे कपड़े और

मोतियों[124] के गहने पहन कर आयीं थीं। फिर भी वहाँ सब लोग और लड़कियों से ज़्यादा ऐकिम की ही तारीफ कर रहे थे।

नाच में भी उसको सबसे अच्छी लड़की घोषित किया गया। सभी वहाँ उसको खाने पीने के लिये खूब पाम की शराब, फू फू और जो कुछ भी वह चाहती थी वह सब उसको दे रहे थे।

यह सब देख कर तो वे सातों लड़कियाँ पहले तो उससे जलती ही थीं अब तो उससे पहले से भी ज़्यादा गुस्सा भी हो गयीं और और उससे जलने लगीं।

सारे लोग वहाँ पर नाच गा रहे थे। ऐकिम के माता पिता भी वहाँ पर मौजूद थे पर ऐकिम किसी तरह अगली सुबह तक अपने माता पिता की नजरों से बची रही।

सुबह उन्होंने उससे पूछा कि उसने उनका कहना क्यों नहीं माना और वहाँ आने से पहले अपना काम क्यों नहीं खत्म किया। ऐकिम ने उनको बताया कि उसकी दोस्तों ने सारा काम खत्म करवा दिया था और उस सब काम को खत्म करने के बाद ही वह वहाँ आयी थी।

उसकी माँ ने कहा कि उसको अब यहाँ रहने की कोई जरूरत नहीं है और वह तुरन्त ही घर जाये। ऐकिम ने यह सब अपनी

---

[124] Translated for the word "Beads", not pearls. See their picture above.

दोस्तों को बताया तो उन्होंने कहा कि हम कुछ खा लें फिर हम भी तुम्हारे साथ ही चलते हैं। सो सब लड़कियाँ खाने बैठीं।

उन सातों लड़कियों ने कुछ खाना तो खुद खाया और थोड़ा थोड़ा खाना उस नदी वाले जू जू के लिये बचा कर रख लिया।

उन्होंने तो ऐकिम को इस जू जू के बारे में कुछ बताया ही नहीं था पर इत्तफाक की बात कि ऐकिम के माता पिता भी उसको इस नदी के जू जू के बारे में बताना भूल गये।

उन्होंने एक पल के लिये भी यह नहीं सोचा कि उनकी लड़की नदी पार करेगी तो वह पानी के जू जू को बलि में क्या देगी सो ऐकिम के पास उसे देने के लिये कुछ भी नहीं था।

जब वे सब लड़कियाँ उस नदी पर पहुँची तो ऐकिम ने उन सातों लड़कियों को नदी पर थोड़े थोड़े खाने की बलि चढ़ाते हुए देखा तो उसने भी उनसे थोड़ा सा खाना माँगा ताकि वह भी नदी वाले जू जू के लिये बलि चढ़ा सके मगर उन्होंने उसको खाना देने से बिल्कुल मना कर दिया।

अब उन्होंने क्योंकि पानी के जू जू को बलि दे दी थी इसलिये वे सब तो बिना किसी परेशानी के नदी पार कर गयीं।

पर जब ऐकिम की नदी पार करने की बारी आयी और वह नदी पार करने लगी तो जैसे ही वह नदी के बीच में पहुँची तो पानी के जू जू ने उसको पकड़ा और पानी के अन्दर ले गया। वह तो तुरन्त ही सबकी नजरों के सामने से गायब हो गयी।

सातों लड़कियॉ यह सब देख रहीं थीं। जब उन्होंने यह पक्का कर लिया कि पानी का जू जू उसको पकड़ कर पानी के अन्दर ले गया तो वे सब अपने अपने रास्ते चलीं गयीं।

वे सब बहुत खुश थीं क्योंकि वे अपने प्लान में कामयाब हो गयीं थीं। उन्होंने एक दूसरे से कहा कि अब ऐकिम हमेशा के लिये गयी और अब हम यह कभी नहीं सुनेंगे कि वह हमसे ज़्यादा सुन्दर है।

इसके अलावा क्योंकि ऐकिम के गायब होने का कोई गवाह नहीं था इसलिये वे यह भी सोच रहीं थीं कि उनका यह काम कोई जान भी नहीं पायेगा और वे बच जायेंगीं सो वे खुशी खुशी घर चली गयीं।

पर वह यह भूल गयीं कि वह नन्हीं चिड़िया जो जब वे जा रही थीं ऐकिम की सुन्दरता का गाना गा रही थी वह अभी भी वहॉ थी और सब देख रही थी। वह एकिम के लिये बहुत दुखी थी।

यह सब देख कर उसने निश्चय किया कि समय आने पर वह ऐकिम के माता पिता को इसके बारे में सब कुछ साफ साफ बता देगी। हो सकता है कि वे उसको किसी तरह बचा सकें।

चिड़िया ने ऐकिम को उन सातों लड़कियों से खाना मॉगते हुए और उन सातों लड़कियों को उसे मना करते हुए भी सुन लिया था।

अगली सुबह जब ऐकिम के माता पिता घर वापस लौटे तो उनको यह देख कर बड़ा आश्चर्य हुआ कि उनके घर का दरवाजा

बन्द था और उनकी बेटी का आस पास में भी कोई पता नहीं था। वे पड़ोसियों से पूछने गये परन्तु पड़ोसियों को भी उसका कोई पता नहीं था।

फिर वे उन सातों लड़कियों के पास गये जिनके साथ ऐकिम उस उत्सव में गयी थी और उनसे ऐकिम के बारे में पूछा तो उन्होंने जवाब दिया कि उनको उसके बारे में कुछ पता नहीं सिवाय इसके कि वह यहाँ शहर तक तो उनके साथ ठीक से आ गयी थी। फिर उसने कहा कि वह अपने घर जा रही है।

ऐकिम का पिता को जब अपनी बेटी नहीं मिली तो वह अपने जू जू आदमी[125] के पास गया।

उसने अपनी कौड़ियाँ[126] फेंक कर उसको बताया कि ऐकिम पानी वाले जू जू को बिना बलि दिये हुए ही नदी पार कर रही थी जिससे वह जू जू नाराज हो गया। उसने ऐकिम को पकड़ लिया और उसे अपने घर ले गया।

उसने ऐकिम के पिता को यह भी बताया कि वह अगली सुबह को एक बकरा, एक टोकरी अंडे, और एक सफ़ेद कपड़े का टुकड़ा ले कर नदी पर जाये और पानी के जू जू को बलि चढ़ाये।

[125] Ju Ju man – or witch doctor

[126] Translated for the word “Cowries”. They are a kind of sea shells. See their picture above.

ऐसा करने से ऐकिम सात बार पानी से बाहर फेंकी जायेगी उस समय वह उसको पकड़ सकता है और अगर उसने ऐसा नहीं किया तो उसकी बेटी फिर हमेशा के लिये गायब हो जायेगी।

ऐकिम का पिता घर वापस आया। घर आ कर उसने देखा कि एक छोटी चिड़िया उसके घर में बैठी हुई है। यह वही चिड़िया थी जिसने ऐकिम को नदी में डूबते देखा था। उसने जो कुछ भी देखा और सुना था सब कुछ ऐकिम के पिता को बता दिया।

उसने उसको यह भी बताया कि इसमें सारी गलती उन सातों लड़कियों की थी जिन्होंने ऐकिम को बलि के लिये खाना देने से मना कर दिया था। ऐकिम बिल्कुल बेकुसूर थी।

सो अगले दिन ऐकिम के माता पिता नदी पर पानी के जू जू के लिये बलि चढ़ाने गये और अपने जू जू आदमी की सलाह के अनुसार उन्होंने उसके लिये बलि चढ़ायी।

जैसे ही उन्होंने ऐसा किया पानी के जू जू ने ऐकिम को नदी के बीच में से ऊपर फेंक दिया। ऐकिम के पिता ने उसे लपक लिया और धन्यवाद दे कर घर आ गया। उसने किसी को यह नहीं बताया कि उसको उसकी बेटी वापस मिल गयी है।

अब उसने उन सात लड़कियों से बदला लेने का प्लान बनाया। उसने अपने घर के बीचोबीच एक गड्ढा खोदा और उसकी तली में कॉटे और सूखे हुए पाम के पत्ते बिछा दिये और उस गड्ढे को उसने नयी चटाइयों से ढक दिया।

उसके बाद उसने गाँव भर में यह खबर फैला दी कि आत्माओं की दुनियाँ से अपनी बेटी के वापस मिलने की खुशी में वह एक दावत कर रहा है।

उसकी उस दावत में बहुत सारे लोग आये और खाना खा कर रात भर उन्होंने खूब नाचा और गाया पर वे सात लड़कियाँ उस दावत में नहीं आयीं क्योंकि वे बहुत डरी हुई थीं।

अगले दिन उन लड़कियों ने सुना कि उस दावत में कोई खास बात नहीं हुई और सब कुछ सामान्य था तो वे सुबह ही उधर गयीं और जा कर नाचने वालों में मिल गयीं। पर वे एकिम से आँखें नहीं मिला पा रही थीं जो नाच वाले गोले के बीच में बैठी थी।

जब ऐकिम के पिता ने उन सातों लड़कियों को देखा तो उसने उनको बड़े प्यार से घर में ऐसे बुलाया जैसे वह उनको अपनी बेटी की दोस्त समझ कर अन्दर बुला रहा है।

अन्दर आने पर उसने उनको एक एक पीतल की डंडी दी जो उसने उनके गले में पहना दी। उसने उनको टोम्बो[127] भी पीने के लिये दी।

फिर वह उनको उस गड्ढे की तरफ ले गया जो उसने उनके लिये खोद रखा था। वहाँ ले जा कर उसने उनको उस चटाई पर बैठने को कहा जो उसने उस गड्ढे पर बिछा रखी थी। जैसे ही

[127] Tombo is a kind of alcoholic drink used in Nigeria

उन्होंने उस चटाई पर पैर रखा वे उस गड्ढे में गिर गयीं और चिल्लाने लगीं।

इसके बाद वह जलते हुए अंगारे ले आया और उनको उनके ऊपर डाल दिया। अब तो वे दर्द के मारे बहुत ज़ोर ज़ोर से चिल्लाने लगीं। तुरन्त ही सूखी पाम की पत्तियों ने भी आग पकड़ ली और वे सब उसी गड्ढे में जल कर मर गयीं।

जब वहाँ आये लोगों ने चिल्लाना सुना और धुँआ देखा तो वे सब अपने अपने घर भाग गये।

अगले दिन उन सातों लड़कियों के पिता सरदार के पास गये और उसको बताया कि ऐकिम के पिता ने उनकी बेटियों को मार डाला है। सरदार ने ऐकिम के पिता को बुलवाया और उससे उसके इस काम की सफाई माँगी।

ऐकिम का पिता अपने जू जू आदमी और उस छोटी चिड़िया को अपना गवाह बना कर साथ ले कर सरदार के पास गया। जू जू आदमी पर सब लोग विश्वास करते थे।

सो जब सरदार ने सारा मामला सुना तो उसने ऐकिम के पिता से कहा कि उसको अपनी लड़की का बदला लेने के लिये केवल एक लड़की को ही मारना चाहिये था सात को नहीं। फिर उसने ऐकिम को लाने के लिये कहा।

जब वह वहाँ आयी तो सरदार ने देखा कि वह बहुत सुन्दर थी सो उसने कहा कि ऐकिम के पिता ने उन सातों लड़कियों को मार कर ठीक ही किया और अब उसके खिलाफ कोई मामला नहीं था।

उसने उन सातों लड़कियों के माता पिता को वापस भेज दिया और कह दिया कि जा कर अपनी बेटियों के मरने का दुख मनायें। उनकी बेटियाँ बहुत ही बुरी थीं और दूसरों से जलन रखने वाली थीं। ऐकिम के साथ जो बर्ताव उन्होंने किया उसकी उनको ठीक सजा मिली।

31 आदमी खाने वाले लोग[128]

यह उस समय की बात है जिस समय को आज का सबसे पुराना ज़िन्दा आदमी भी याद कर सकता है जब आइकोम, ओकुनी, अबिजान, इन्सोफान, ओबोकुम और दूसरे इन्जौर शहर इन्सोफान पहाड़[129] के पास मौजूद थे।

अब्राग्बा और ऐनफीटौप लोग भी वहॉ पर रहते थे और ये सब राजा अगबोर के राज्य[130] में थे।

इन्सोफान पहाड़ क्रास रिवर से दो दिन की दूरी पर है[131] और उस समय क्योंकि वहॉ पर कोई तैरना नहीं जानता था और न ही कोई नावों के बारे में जानता था इसलिये उनमें से कोई भी अपने देश से बाहर नहीं गया था। वे लोग तो नदी में जाने से भी डरते थे।

यहॉ सारे देश में याम[132] होता था और यह देश केवल कुछ ही शहरों में बॅटा हुआ था। हर शहर का अपना अपना जंगल था। हर साल के अन्त में जब याम को खोदने का

---

[128] How the Cannibals Drove the People from Insofan Mountain to the Cross River (Ikom) (Tale No 31) [My Note : in fact it is not a folktale but it is a description of olden times of Southern Nigeria, Africa.

[129] Ikom, Okuni, Abijan, Insofan, Obokum and other Injor cities were near Insofan mountain.

[130] Abragba and Enfitop also lived there under the King Agbor.

[131] Insofan Mountain is about two-days march from Cross River - a river and a State of Nigeria

[132] Yam is a root or tuber type vegetable used in Nigeria abundantly. It is a very popular food there. It may sometimes weigh up to 5-10 pounds each – see its picture above.

समय आता तो एक बहुत बड़ा उत्सव मनाया जाता जो "नये याम" की दावत[133] कहलाता था।

इस दावत के समय आदमियों की एक बहुत बड़ी बलि दी जाती थी – **50** दास एक दिन में मारे जाते थे। ये दास एक लाइन में लगे पेड़ों से बाँध दिये जाते। उनको बाँध कर वहाँ बहुत सारे ढोल बजने शुरू हो जाते।

एक मजबूत आदमी एक बड़ा चाकू[134] ले कर उन दासों के पास जाता और एक एक करके उनका सिर काट देता था।

यह बलि नये याम को ठंडा रखने के लिये दी जाती थी ताकि उन यामों की गरमी लोगों के पेट को खराब न कर सके। जब तक यह बलि नहीं चढ़ा दी जाती थी कोई भी नया याम नहीं खाता था क्योंकि वे सब जानते थे कि अगर उससे पहले उन्होंने नया याम खाया तो वह उनका पेट खराब कर देगा।

जब यह उत्सव मनाया जाता था तो सारे शहर के लोग राजा अगबोर के लिये **100–100** याम ले कर आते थे। जब ये दास बलि चढ़ा दिये जाते तब आग जलायी जाती और उन **50** दासों के मरे हुए शरीर उनके बाल जलाने के लिये उस आग के ऊपर रख दिये जाते।

---

[133] New Yam Feast or New Yam Festival

[134] Matchets or Cutlass – a kind of sword having about 2 to 2 and 1/2 feet long blade which is used in West Africa to cut the grass and soft small trees. See its picture above.

फिर प्लान्टेन[135] की पत्तियाँ इकट्ठी की जातीं और उनको जमीन पर बिछा दिया जाता। दासों के शरीरों के टुकड़े काट कर उन पत्तियों पर रख दिये जाते।

जब याम छील लिये जाते थे तो वे एक बर्तन में तेल, नमक और मिर्च लगा कर रख लिये जाते थे। कुछ मरे हुए शरीरों के टुकड़े उन याम के टुकड़ों के ऊपर रख दिये जाते और वे बर्तन दूसरे मिट्टी के बर्तनों से ढक कर आग पर रख दिये जाते।

इस तरह से वे करीब एक घंटे तक उबाले जाते।

फिर राजा “नये याम” का उत्सव शुरू करता और तीन दिन और तीन रात तक गाना और नाचना चलता रहता। इस बीच में बहुत सारी पाम की शराब पी ली जाती और दासों के वे शरीर के हिस्से और याम भी खाये जाते जो उबलने के लिये रखे गये थे।

उन शरीरों के सिर राजा के लिये होते थे। जब वह उन्हें खा चुकता तो उन सिरों की खोपड़ियाँ कुछ नये याम के साथ जू जू[136] के सामने रख दी जाती थीं ताकि अगले साल की याम की फसल खूब अच्छी हो। ये लोग आदमियों का माँस केवल इसी उत्सव पर खाते थे साल के किसी और दिन नहीं।

---

[135] Plantain is a banana like fruit, except that it is more than double in size. See its picture above.

[136] In Nigeria Ju Ju are the gods also who can grant the wishes, curse the people, or abduct the people.

शरीरों के बचे हुए हिस्से ऐसे जमीन में गाड़ दिये जाते जैसे कि किसी मुर्दे को कब्र में गाड़ा जाता है।

यह सब कई सालों तक चलता रहा कि एक दिन ओकुनी लोगों को लगा कि जिन मरे हुए लोगों को वे गाड़ देते थे उनकी कब्रों में से उनके मरे हुए शरीर निकाल लिये जाते थे।

यह उनको बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगा क्योंकि वे नहीं चाहते थे कि उनके मरे हुए रिश्तेदारों के मरे हुए शरीर इस तरह कब्रों में से निकाल लिये जायें। सो उन्होंने राजा अगबोर से शिकायत की।

राजा ने तुरन्त ही नयी खुदी हुई कब्रों पर पहरा बिठा दिया। उसी रात सात आदमी पकड़े गये। वे लोग कब्र को खोदते, उसमें से मरे हुए शरीर निकालते और उनको दूर जंगल में ले जा कर आग जलाते और उस शरीर को उस आग में पका कर खाते।

जब वे पकड़े गये तो लोगों के पूछने पर उन्होंने उनको बता दिया कि वे कहाँ रहते थे और वे कहाँ शरीर पका कर खाते थे। कुछ घंटों की दूरी पर जंगल में जहाँ वे रहते थे वहाँ बहुत सारी आदमियों की हड्डियों और खोपड़ियों का ढेर भी मिल गया।

उन सातों आदमियों को बाँध कर राजा के पास ले जाया गया। राजा ने सारे शहरों के लोगों की एक मीटिंग की और लोगों से राय ली कि इस हालत में क्या करना चाहिये।

लोगों ने राजा से कहा कि इस बुरी रीति को रोकने के लिये उसको सारे शहरों को अलग अलग करना पड़ेगा क्योंकि वहाँ के

लोगों में से कोई भी यह नहीं चाहता था कि लोग उनके गड़े मुर्दे उखाड़ कर इस तरह खायें।

राजा को भी इसके अलावा और कोई तरकीब समझ में नहीं आयी तो उसने उन सातों आदमियों को एक एक शहर दे दिया।

उनमें से कुछ को तो उसने नदी के नीचे की तरफ काफी दूर भेज दिया और अपनी अलग बस्ती बसाने को कहा और कुछ को उसने इन्सोफान पहाड़ की तरफ अपनी बस्ती बसाने के लिये भेज दिया।

सारे लोग वहाँ से चले गये और जहाँ जहाँ उनको अपनी पसन्द की जगह मिली वे वहीं वहीं अपना शहर बसा कर रहने लगे।

जब सारे लोग चले गये तो राजा अगबोर को बहुत अकेला लगने लगा तो उसने भी अपने पुराने शहर वाली जगह छोड़ दी और क्रास रिवर में रहने चला गया। वहाँ उसके कुछ दोस्त लोग भी रहते थे।

इसके बाद इस नये शहर में "नये याम" की दावत मनायी गयी।

फिर भी कुछ लोग इस मौके पर कुछ आदमी मार कर खाते रहे। पर ताकि आदमी खाने वाले उन्हें न खायें लोग अपने रिश्तेदारों और दोस्तों के शरीर काफी दिनों तक जमीन के ऊपर ही रखे रहते थे जब तक कि वे थोड़े सड़ नहीं जाते थे।

इसी लिये लोग आजकल वहॉ अपने मुर्दों को तुरन्त ही नहीं गाड़ते बल्कि कुछ समय बाद गाड़ते हैं जब तक कि वे शरीर थोड़े सड़ नहीं जाते।

32 खुशकिस्मत मछियारा[137]

बहुत पुराने जमाने में मछली पकड़ने के लिये न तो जाल ही होते थे और न ही कॉटे सो जब भी किसी को मछली पकड़नी होती थी तो वह एक टोकरी बनाता था और उसको पानी में डाल कर मछलियों को पकड़ने के लिये उसे इस्तेमाल करता था।

एक आदमी ऐकों ओबो[138] जो बहुत ही गरीब था उसने एक बार मछली पकड़ने के लिये बॉस के पाम[139] की टोकरियॉ और जाल[140] बनाने का काम शुरू किया।

जब नदी में पानी कम हो जाता था तो वह अपना जाल वहॉ ले जाता था और पाम की गिरी का चारा लगा कर वहॉ उसे मछली पकड़ने के लिये रख आता।

रात को मछली पाम की गिरी की खुशबू सूँघती और उसके जाल में घुस जाती। उसी समय उस जाल का दरवाजा बन्द हो जाता और वह उस जाल में फॅस जाती। सुबह को ऐकों आता और अपनी मछली उस जाल में से निकाल कर ले जाता।

---

[137] The Lucky Fisherman (Tale No 32)

[138] Akon Obo – name of the man - fisherma

[139] Translated for the words “Bamboo Palm” – a kind of palm tree. There are 80 kinds of palm trees in Florida, USA.

[140] This word has been used here for trap, like mouse trap, not for real fishing net.

वह अपने इस मछली पकड़ने के काम में बहुत होशियार था और उसकी पकड़ी हुई मछलियाँ बाजार में बहुत अच्छे दाम पर बिकतीं।

जब उसके पास दहेज देने के लिये कुछ पैसा इकट्ठा हो गया तो उसने ओकुनी की रहने वाली इयोंग[141] नाम की एक लड़की से शादी कर ली। उससे उसके तीन बच्चे हुए पर उसने अपना मछली पकड़ने वाला काम नहीं छोड़ा।

उसके सबसे बड़े बेटे का नाम था ओडे, उससे छोटे का नाम था याम्बी और सबसे छोटे का नाम था ऐटुक[142]। उसके तीनों बेटे जब बड़े हो गये तो वे भी मछली पकड़ने में अपने पिता की सहायता करने लगे।

धीरे धीरे ऐकों बहुत अमीर हो गया और उसने बहुत सारे दास खरीद लिये। फिर वह ईबो लोगों में जा कर मिल गया और शहर का एक बहुत बड़ा सरदार बन गया। सरदार बनने के बावजूद वह और उसके बेटे मछली पकड़ते रहे।

एक दिन वह एक लकड़ी को खोखला की गयी नाव में नदी पार कर रहा था कि अचानक तूफान आ गया और उसकी नाव उस तूफान में फँस कर डूब गयी।

---

141 Eyong of Okuni town – name of the wife of Akon Abo

142 Odey, Yambi and Atuk – named of three sons of Akon Abo

जब उसके बेटों ने अपने पिता की मौत की खबर सुनी तो वे खुद भी नदी में डूब कर मर जाना चाहते थे पर लोगों ने उनको किसी तरह समझा बुझा कर रोक लिया।

दो दिन की खोज के बाद उनको ऐकों की लाश नदी के नीचे की तरफ मिली। वे उसको घर ले आये। उन्होंने वहाँ की रीति रिवाज के अनुसार अपने रिश्तेदारों और दोस्तों को बारह दिनों के लिये नाच गाने के लिये बुलाया। इस मौके पर काफी सारी पाम की शराब उठी।

जब यह सब खत्म हो गया तो वे अपने पिता के शरीर को एक गुफा में ले गये और वहाँ उन्होंने उसको दो दासों की देखभाल में रख दिया। उनमें से एक दास ने पाम के तेल का लैम्प पकड़ रखा था और दूसरे ने अपने हाथ में एक बहुत बड़ा चाकू ले रखा था।

उन दोनों दासों को बाँध दिया गया था ताकि वे कहीं भाग न सकें। इस तरह उनको वहाँ भूखा मरने के लिये छोड़ दिया गया।

जब गुफा ढक दी गयी तब लड़कों ने सरदारों को बुलाया और उन्होंने उनके साथ सात दिन तक ईबो खेल खेला। इस सब में ऐकों का बहुत सारा पैसा लग गया।

जब यह सब कुछ भी खत्म हो गया तब सरदारों को लगा कि ऐकों को पास कितना सारा पैसा था जिसे उसके बेटे उसके मरने पर खर्च कर सके क्योंकि वे जानते थे कि जब वह बहुत छोटा था तो वह कितना गरीब था।

इसलिये वे सब उसको खुशकिस्मत मछियारा कहते थे।

33 बेसहारा लड़का और जादू का पत्थर[143]

इंडे के सरदार इंकीटा का एक बेटा था अयोंग कीटा[144]। उसकी माँ उसको जन्म देने के बाद ही मर गयी थी और यह सरदार एक शिकारी था सो जब भी वह शिकार के लिये जंगल जाता वह अपने बेटे को भी अपने साथ ही ले जाता।

वह अपना शिकार अधिकतर लम्बी लम्बी घास में करता था और यह लम्बी घास इंडे शहर के आस पास खूब लगी हुई थी। इसलिये लम्बी घास की वहाँ कोई कमी नहीं थी। सूखे के मौसम में उसको इस लम्बी घास में काफी जंगली बतखें[145] मिल जाया करती थीं।

उन दिनों लोगों के पास बन्दूक तो होती नहीं थी तो वे अपने सारे शिकार तीर कमान से ही किया करते थे। और तीर कमान चलाने के लिये काफी होशियारी की जरूरत होती थी।

जब इंकीटा का बेटा कुछ बड़ा हो गया तो उसने उसको भी एक छोटा सी कमान और कुछ छोटे तीर ला कर दे दिये और उसको निशाना लगाना सिखाने लगा। वह लड़का सीखने में बहुत तेज़ था सो वह जल्दी ही निशाना लगाना सीखने लगा।

---

[143] The Orphan Boy and the Magic Stone (Tale No 33)

[144] A Chief of Inde named Inkita had a son named Ayong Kita.

[145] Translated for the words "Bush bucks"

वह छिपकलियों और चिड़ियों को अपना निशाना बनाते बनाते अपने छोटे से तीर कमान के इस्तेमाल में इतना होशियार हो गया कि उसका निशाना कभी खाली नहीं जाता था।

वह जब भी तीर चलाता वह उस जानवर को जा कर जरूर लगता जिसको वह मारना चाहता था।

जब वह लड़का दस साल का हो गया तो उसका पिता भी मर गया और इस तरह वह अपने पिता के घर का सरदार बन गया। अब उसके पिता के सारे दास उसके अपने थे।

पर उसके दास उससे खुश नहीं थे इसलिये वे उसको मारना चाहते थे सो वह उनके डर के मारे जंगल भाग गया। जंगल में उसको कुछ खाने को नहीं मिला सो कई दिन तक वह केवल वे ही पाम की गिरी खा कर ज़िन्दा रहा जो पेड़ से गिर जाती थीं।

और क्योंकि वह अभी बहुत छोटा था इसलिये वह बड़े जानवर भी नहीं मार सकता था। और क्योंकि उसका तीर कमान भी बहुत छोटा था इसलिये भी वह केवल छोटे छोटे जानवर ही मार पाता था जैसे गिलहरी, जंगली चूहे, छोटी छोटी चिड़ियाँ।

इसी तरह से वह वहाँ रह रहा था कि एक रात को जब वह एक पेड़ के खोखले तने में सो रहा था तो उसने एक सपना देखा जिसमें उसने अपने पिता को देखा।

उसके पिता ने उसको एक जगह बतायी जहॉ काफी बड़ा खजाना गड़ा हुआ था। लेकिन वह क्योंकि अभी बहुत छोटा था इसलिये डर के मारे वह वहॉ नहीं गया।

उस सपने को देखने के कुछ ही दिन बाद की बात है कि वह चलते चलते बहुत दूर निकल गया। उसको प्यास भी लग आयी। पास में ही उसको एक झील दिखायी दी।

वह उसमें से पानी पीने ही वाला था कि उसको स्स्स्स्स्स्स की आवाज सुनायी पड़ी और किसी आवाज ने उससे उस झील का पानी न पीने को कहा।

उसने चारों तरफ इधर उधर देखा तो उसे कोई दिखायी नहीं दिया तो वह वहॉ से डर के मारे बिना पानी पिये ही भाग गया।

अगले दिन सुबह सवेरे वह अपना तीर कमान ले कर छोटे मोटे जानवर मारने चल दिया तो रास्ते में उसको एक लम्बे बालों वाली बुढ़िया मिली।

वह बुढ़िया इतनी बदसूरत थी कि पहले तो उसको लगा कि वह कोई जादूगरनी[146] है सो वह वहॉ से भागा तो उसने उसे रोका और कहा कि वह उससे डरे नहीं वह तो उसकी सहायता करना चाहती है ताकि वह अपने मरे हुए पिता के घर पर फिर से राज कर सके।

---

146 Translated for the word "Witch". See its picture above.

उसने उसको यह भी बताया कि उस झील पर भी वही थी जिसने उसे पानी पीने से मना किया था क्योंकि उस झील के पानी में बुरा जू जू[147] था जो उसको मार देता।

वह बुढ़िया तब अयोंग को एक नाले पर ले गयी जो उस झील से कुछ दूरी पर था। वहाँ उसने झुक कर पानी में से एक चमकीला पत्थर उठाया और अयोंग को दे दिया और साथ में उसको सलाह दी कि जो जगह उसके पिता ने उसको सपने में बतायी थी वह वहाँ जाये और उस खजाने का मालिक बने।

फिर वह बोली कि जब वह वहाँ पहुँच जाये तो वह वहाँ जा कर खुदायी करे। उसको वहाँ बहुत सारा पैसा मिलेगा। उस पैसे से वह दो बहुत ताकतवर दास खरीदे। फिर उनको शहर से दूर जंगल में ले जाये और वहाँ उनसे अपने लिये बहुत सारे कमरों वाला एक घर बनवाये।

उन बहुत सारे कमरों में से एक कमरे में वह यह पत्थर रख दे और फिर जब भी उसको कोई चीज़ चाहिये तो उस कमरे में जा कर इस पत्थर से कहे कि मुझे यह चाहिये और वह चीज़ उसे मिल जायेगी।

अयोंग ने वैसा ही किया जैसा कि उस बुढ़िया ने उससे करने के लिये कहा था। बड़ी मुश्किल के बाद वह दो दास खरीद सका और

---

[147] Ju Ju is a kind of magic or Black magic – this is very common in Nigeria. Ju Ju people of Nigeria are like Ojha of India who help to cure the patients of Black Magic and even to do Black Magic themselves on somebody – Jaadoo Tonaa. In Nigeria Ju Ju are the gods also who can grant the wishes, curse the people, or abduct the people.

उनसे जंगल में अपने लिये बहुत बड़ा घर बनवा सका। वह पत्थर भी उसने उस घर के एक कमरे में रख दिया।

काफी दिनों तक जब भी उसको कोई चीज़ चाहिये होती थी तो वह उस कमरे में जाता, उस पत्थर से डंडियाँ[148] माँगता और उन डंडियों से वह अपनी मनचाही चीज़ें तुरन्त खरीद लेता।

यह सब बहुत सालों तक चलता रहा। अयोंग अब बड़ा हो गया था, खूब अमीर हो गया था, उसने बहुत सारे और दास भी खरीद लिये थे।

उसने अरो लोगों[149] से दोस्ती कर ली थी जो दासों के खरीदने बेचने का काम करते थे। दस साल बाद अयोंग का बहुत बड़ा शहर हो गया, अब उसके पास बहुत सारे दास हो गये।

एक रात वह बुढ़िया उसके सपने में आयी और बोली कि उसने सोचा है कि वह अब काफी अमीर हो गया है और अब उसको उस पत्थर की जरूरत नहीं है सो अब वह पत्थर उसको उस नाले को वापस कर देना चाहिये जहाँ से वह उसे ले कर आया था।

अयोंग हालाँकि बहुत अमीर था पर वह अपने पिता के घर पर राज करना चाहता था पूरे इंडे देश का सरदार बनना चाहता था। सो उसने अपने देश के सारे जू जू आदमी[150] और दो जादूगरों[151] को

[148] Translated for the word "Rods" – maybe it was the currency in use in Nigeria in those times
[149] Aro people
[150] Translated for the words "Ju Ju men" – who do black magic
[151] Translated for the word "Wizards"

बुला भेजा और अपने सारे दासों को ले कर अपने पिता के शहर चल दिया।

चलने से पहले उसने जू जू आदमियों और जादूगरों के साथ एक मीटिंग की और उनसे कहा कि वे उस दास का नाम उसे बता दें जो उसको न चाहता हो जो उसको पसन्द नहीं करता हो और फिर जब वह राजा बन जाये तो वे उस दास को मार दें।

जू जू आदमियों ने अपनी एक मीटिंग की और सोच कर उसको बताया कि उसके उन दासों में से **50** दास ऐसे थे जो शैतान[152] थे और अयोंग को मार सकते थे।

अयोंग ने तुरन्त ही उनको बन्दी बना लिया और उनको ऐसेरे बीन्स[153] से जाँचा कि वे शैतान थे कि नहीं। क्योंकि उन्होंने वे बीन्स उगली नहीं थीं इसलिये वे सब मर गये। इसका मतलब यह था वे सब शैतान थे। उन सबको तुरन्त ही दफना दिया गया।

जब बाकी बचे दासों ने यह देखा तो वे अयोंग के पास आये और उससे माफी माँगी और उसकी वफादारी से सेवा करने का वायदा किया।

हालाँकि उन **50** आदमियों को दफनाया जा चुका था फिर भी उनको कब्र में भी चैन नहीं था और उन्होंने अयोंग को बहुत परेशान किया। अयोंग बेचारा बहुत बीमार पड़ गया।

---

[152] Satan or male witches

[153] Esere Beans – these Esere beans are prepared by way of poisoning them to test the Satanic characteristics of a person. They are fed to the person concerned. If the person eats these beans and he is Satan, he dies but if he spits them he is clean. These beans are called Esere beans.

सो उसने फिर से उन जू जू आदमियों को बुलाया और उनसे पूछा कि वह इतना बीमार क्यों है तो उन्होंने बताया कि हालाँकि वे 50 आदमी मर गये थे और उनको दफना दिया गया है फिर भी वे इतने ताकतवर हैं कि वे रात को निकल आने की ताकत रखते हैं और वे ही उसका खून पी रहे हैं। यही उसकी बीमारी की वजह है।

फिर उन्होंने कहा कि हम लोग केवल तीन जू जू आदमी है हमें सात जू जू आदमी और चाहिये ताकि हमारा जादुई नम्बर 10 हो जाये और हम अपने जादू में सफल हो जायें।

फिर वे उस जगह आये जहाँ उन 50 शैतानों को दफनाया गया था। उन्होंने जब उनके शरीरों को कब्र में से निकाला तो उन्होंने पाया कि उनकी लाशें तो बिल्कुल ताजा थीं ज़रा भी खराब नहीं हुई थीं।

तब अयोंग ने आग जलायी और उन सबके शरीरों को एक एक कर के उस आग में जला दिया और जू जू आदमियों को बहुत कुछ दिया।

उसके बाद तो वह बहुत जल्दी ठीक हो गया। उसने अपने पिता के शहर को अपने कब्जे में ले लिया और फिर सारे देश पर राज किया।

उस दिन से जब भी किसी को शैतान कहा जाता है तो उसको ऐसेरे बीन्स से जाँचा जाता है। अगर वह बीन्स उगल देता है तो वह

मरता नहीं है और शैतान नहीं होता पर अगर वह बीन्स नहीं उगलता तो इसका मतलब होता है कि वह शैतान है और वह बड़ी तकलीफ से मरता है।

34 दासी जिसने अपनी मालकिन को मारा[154]

इबीबियो देश में एक शहर था ओकू[155] और उस शहर में एक आदमी रहता था जिसका नाम था अकपन।

वह इबीबियो देश की एक लड़की ऐम्मे[156] को बहुत चाहता था और उससे शादी करना चाहता था। वह लड़की अपनी उम्र की लड़कियों में सबसे अच्छी लड़की थी।

उन दिनों वहाँ यह रिवाज था कि लड़की के माता पिता अपनी लड़की के लिये दहेज में काफी बड़ी रकम माँगते थे ताकि शादी के बाद अगर दोनों में झगड़ा हो और लड़की अपने पति के घर में न रहना चाहे तो वे उसके दहेज की रकम उस पैसे में से वापस कर के लड़की को अपने घर में रख सकें।

कुछ लोग जो खुद तो पति को उसकी रकम वापस कर नहीं सकते थे वे अपनी लड़की को दासी की तरह बेच कर पति का पैसा वापस कर देते थे। और यह हालत बहुत खराब समझी जाती थी।

इसी रिवाज के अनुसार एम्मे के माता पिता ने अकपन से एम्मे के बदले में काफी बड़ी रकम माँगी थी और अकपन ने उनको दहेज के रूप में काफी सारा पैसा दिया था।

---

[154] The Slave Girl Who Tried to Kill Her Mistress (Tale No 34)

[155] Oku town in Ibibio country

[156] Akpan wanted to marry Emme.

अब जब तक एम्मे की शादी होती उसको एक ऐसे घर में रख दिया गया जहॉ उसको अच्छी तरह से खाना खिलाया जाता था।

अकपन ने एम्मे के माता पिता से कहा कि जब ऐम्मे शादी के लिये तैयार हो जाये तो वह उसको उसके घर भेज दें। उन्होंने उससे वायदा किया कि वे ऐसा ही करेंगे।

एम्मे का पिता एक बहुत ही अमीर आदमी था। सात साल के बाद एम्मे के अकपन के घर जाने का समय आ गया। ऐम्मे के माता पिता ने देखा कि एम्मे तो अब बहुत सुन्दर हो गयी थी सो उन्होंने सोचा कि वे उसके साथ एक दासी को भी भेज देंगे।

एम्मे के पिता ने ऐम्मे के लिये एक दासी को खरीद लिया और उसको अपनी बेटी को उसकी दासी के रूप में ही दे दिया।

अगले दिन जब एम्मे जाने लगी तो एम्मे की छोटी बहिन भी उसके साथ जाने के लिये जिद करने लगी। उसने अपनी मॉ से अपनी बहिन के साथ जाने के लिये इजाज़त मॉगी।

मॉ ने इजाज़त दे दी और वे दोनों दासी के साथ ऐम्मे के पति के घर चल दीं। दासी के हाथ में कपड़ों और एम्मे के पिता की दी गयी भेंटों की एक बड़ी सी पोटली थी।

अकपन का घर उनके घर से एक दिन की दूरी पर था। जब वे अकपन के शहर के पास पहुॅची तो वे एक नदी के पास पहुॅचीं जहॉ से वहॉ के लोग अपना पीने का पानी लेते थे। इसी लिये वहॉ लोगों को नहाने की इजाज़त नहीं थी।

एम्मे को इस बात का पता नहीं था सो दोनों बहिनों ने वहीं पास में नहाने के लिये कपड़े उतारे। नदी के पास ही एक गहरा गड्ढा था जहॉ से हो कर पानी उस जू जू[157] के घर तक जाता था जो उस नदी में रहता था।

दासी इस जू जू के बारे में जानती थी। उसने सोचा कि अगर उसकी मालकिन उस नदी में नहायी तो जू जू उसको पकड़ कर ले जायेगा और वह उसकी जगह ले कर अकपन से शादी कर लेगी।

सो जब वे दोनों बहिनें वहॉ पर नहाने गयीं और उस गड्ढे के पास पहुॅची तो दासी ने अपनी मालकिन को धक्का दे दिया और वह तुरन्त ही उस गड्ढे में गिर पड़ी और गायब हो गयी। नदी का जू जू उसको ले गया था।

एम्मे की छोटी बहिन अपनी बड़ी बहिन को इस तरह गायब होता देख कर रो पड़ी।

दासी बोली — "अगर तुम इस तरह रोओगी तो मैं तुमको भी मार दॅूगी और तुम्हारा शरीर इसी गड्ढे में फेंक दॅूगी जिसमें तुम्हारी बहिन गयी है।"

उसने बच्ची से यह भी कहा — "यहॉ जो कुछ हुआ है वह तुम किसी से न कहना खास कर अकपन से क्योंकि तुम्हारी बहिन की जगह तो अब मैं लेने वाली हॅू और मैं अब उससे शादी करने वाली

---

[157] Ju Ju is a magic or Black magic in Nigeria or Tonaa Totakaa in India. Ju Ju people of Nigeria are like Ojha of India who help to cure the patients of Black Magic and even to do Black Magic themselves on somebody – Jaadoo Tonaa. In Nigeria Ju Ju are the gods also who can grant the wishes, curse the people, or abduct the people.

हूँ। और अगर तुमने कभी भी किसी से भी यह सब कहा जो तुमने यहाँ देखा है तो तुम भी मार दी जाओगी।"

बच्ची बेचारी चुप हो गयी। फिर उसने अपना बोझा उस छोटी बच्ची को थमा दिया और उसे अकपन के घर तक ले जाने को कहा।

जब वे दोनों लड़कियाँ अकपन के घर पहुँचीं तो अकपन दासी की शक्ल देख कर बहुत ही नाउम्मीद हुआ क्योंकि वह दासी तो ऐम्मे की सुन्दरता के कहीं आस पास भी नहीं थी जैसा कि वह सोच रहा था कि वह होगी।

पर क्योंकि उसने ऐम्मे को सात साल से नहीं देखा था उसको यह शक नहीं हुआ कि वह ऐम्मे नहीं थी जिसके लिये उसने दहेज में इतने सारे पैसे दिये थे।

सो उसने अपने दोस्तों को बुलाया और अपनी शादी की एक बड़ी दावत दी। जब उसके दोस्त आये तो वे उस दासी को उसकी पत्नी के रूप में देख कर बहुत आश्चर्य में पड़ गये।

उन्होंने उस दासी को देख कर अकपन से पूछा — "क्या यही वह लड़की है जिसके लिये तुमने इतने सारे पैसे दिये थे? और जिसके बारे में तुम हमसे इतनी बातें किया करते थे?"

अकपन बेचारा कुछ न कह सका और चुप सा बैठा रह गया।

वह दासी ऐम्मे की बहिन के साथ कुछ समय तक बड़ा बुरा बरताव करती रही और यह चाहती रही कि वह मर जाये ताकि वह बिना किसी रोक टोक के अकपन की पत्नी बन कर रह सके।

इसके लिये वह उस छोटी सी लड़की को रोज पीटती और बहुत बड़े बड़े बर्तन ले कर नदी पर पानी लाने के लिये भेजती।

कभी कभी वह उसको उसकी उँगली आग में लकड़ी की जगह इस्तेमाल करने को मजबूर करती। जब खाने का समय आता तो वह चूल्हे से एक जलती हुई लकड़ी उठाती और उसके सारे बदन पर मारती।

जब अकपन उससे पूछता कि वह उस बच्ची के साथ ऐसा बर्ताव क्यों करती थी तो वह जवाब देती कि वह उसकी दासी थी जिसको उसके पिता ने उसको खरीद कर दिया था।

एक दिन वह बच्ची बेचारी भारी भारी बर्तन नदी पर पानी भरने के लिये ले कर गयी।

उस दिन इत्तफाक से वहाँ कोई नहीं था जो उसके वह भरे हुए बर्तन उठवा देता और वह अकेले उनको अपने सिर पर रख नहीं सकती थी सो वह किसी का इन्तजार करने लगी कि कोई आये और उन बर्तनों को उठवा कर उसके सिर पर रखवा दे।

पर इस तरह तो किसी का इन्तजार करने के लिये उसको नाले पर बहुत देर लग जाती सो वह अपनी बहिन ऐम्मे का नाम ले ले कर रोने लगी कि वह आये और उसकी सहायता करे।

जब ऐम्मे ने अपनी बहिन का रोना और यह पुकार सुनी तो उसने पानी के जू जू से प्रार्थना की कि वह उसको उसकी बहिन की सहायता करने के लिये जाने दे।

पानी के जू जू ने उसको जाने की इजाज़त दे तो दी पर साथ में उसको यह भी कहा कि उसकी सहायता करके वह तुरन्त ही उसके पास वापस आ जाये।

ऐम्मे अपनी बहिन की सहायता के लिये उसके पास पहुँच गयी। जब ऐम्मे की बहिन ने ऐम्मे के देखा तो वह उसको छोड़ने के लिये ही तैयार न हो। उसने उससे पूछा कि क्या वह उसके साथ उस गड्ढे में जा सकती थी?

ऐम्मे ने कहा "नहीं। तुमको वहाँ नहीं आना चाहिये।"

फिर उसने ऐम्मे को बताया कि वह दासी उसके साथ कितना बुरा बर्ताव करती थी। ऐम्मे ने उसको थोड़ा धीरज रखने को कहा और कहा कि थोड़ा इन्तजार करे और उनके अच्छे दिन जल्दी ही वापस आयेंगे।

बच्ची खुशी खुशी घर वापस लौट गयी। पर आज वह बहुत खुश थी क्योंकि आज वह अपनी बहिन से मिल ली थी। वह कम से कम यह जान गयी थी कि उसकी बहिन ज़िन्दा थी।

पर जब वह अपने घर पहुँची तो दासी ने पूछा — "तुमको पानी लाने में इतनी देर क्यों लगी?" कह कर उसने उसको जलती लकड़ी से पीटा और फिर सारे दिन खाना नहीं दिया।

यह सब कुछ दिनों तक और चलता रहा। एक दिन वह बच्ची फिर उस नदी के किनारे पानी भरने गयी। जब सब चले गये तो उसने अपनी बहिन को फिर पुकारा पर वह बहुत देर तक नहीं आयी।

ऐसा इसलिये हुआ क्योंकि अकपन के गाँव का एक शिकारी पास में छिपा हुआ उस गड्ढे को देख रहा था। ऐसे में पानी के जू जू ने ऐम्मे को मना कर दिया कि उसको अपनी बहिन के पास नहीं जाना चाहिये।

पर जब वह छोटी सी बच्ची बहुत ज़ोर ज़ोर से रोने लगी तो एम्मे ने एक बार फिर पानी के जू जू से कहा कि वह उसको जाने दे वह उसकी सहायता करके तुरन्त ही लौट आयेगी।

सो जब वह पानी से बाहर निकली तो उसका शरीर डूबते होते हुए सूरज की किरनों में नहाया लग रहा था। उसने अपनी बहिन की सहायता की और फिर जल्दी से उसी गड्ढे में गायब हो गयी।

उस शिकारी ने जो कुछ वहाँ देखा उसे देख कर तो वह बहुत ही आश्चर्यचकित रह गया। गाँव वापस आ कर उसने अकपन को सब बताया कि कैसे उसने पानी में से निकलती एक बहुत ही सुन्दर लड़की देखी। उसने उस बच्ची की उसके पानी के बर्तन उठाने में सहायता की और फिर उसी पानी में चली गयी।

उसने अकपन से यह भी कहा कि ऐसा लगता है कि वही उसकी असली पत्नी थी क्योंकि वह वाकई बहुत सुन्दर थी और पानी

के जू जू ने उसको ले लिया है। यह सुन कर अकपन ने खुद जा कर यह सब देखने का विचार किया।

अगले दिन वह शिकारी सुबह ही उसके घर आ गया और अकपन को उस गड्ढे के पास ले गया जहाँ उसने ऐम्मे को पानी में से निकलते देखा था। और वे दोनों छिप कर उसको देखते रहे।

जब ऐम्मे उस गड्ढे में से बाहर निकली तो अकपन उसको तुरन्त ही पहचान गया कि वही उसकी ऐम्मे थी। वह उसको देख कर घर आ गया और उसको पानी के जू जू से आजाद कराने की तरकीब सोचने लगा।

उसके कुछ दोस्तों ने उसको सलाह दी कि उसको एक बुढ़िया से मिलना चाहिये जो अक्सर पानी के जू जू को बलि चढ़ाती रहती है। वही उसको बता सकती थी कि वह क्या कर सकती थी।

जब अकपन उसके पास गया और उसको सारा हाल बताया तो उसने उससे एक गोरा दास, एक सफ़ेद बकरा, एक सफ़ेद कपड़े का टुकड़ा, एक सफ़ेद मुर्गा और एक टोकरी अंडे लाने के लिये कहा।

फिर उसने कहा कि जब बड़ा जू जू आ जायेगा तब वह उन चीज़ों को ले कर पानी वाले जू जू के पास जायेगी और उस बड़े जू जू की तरफ से उसके लिये उनकी बलि देगी। बलि चढ़ाने के बाद पानी का जू जू लड़की को उसके पास ले आयेगा और वह उसे फिर अकपन के पास ले आयेगी।

अकपन ने एक गोरा दास खरीदा और बाकी सब चीज़ें ले कर उस बुढ़िया के पास पहुँचा। बलि वाले दिन वह अपने दोस्त उस शिकारी को साथ ले कर बलि वाली जगह पहुँचा और उस बुढ़िया को बलि देते हुए देखा।

दास को बॉध दिया गया और उस गड्ढे के पास ले जाया गया। बुढ़िया ने पानी के जू जू को बुलाया और एक तेज़ चाकू से उस दास का गला काट कर उस गड्ढे में फेंक दिया।

यही उसने बकरे और मुर्गे के साथ भी किया और उनके बाद अंडे और कपड़ा भी उसी गड्ढे में फेंक दिया।

इस सबके बाद सब अपने अपने घर लौट गये। अगले दिन सुबह ही वह बुढ़िया उस गड्ढे के पास गयी तो उसने ऐम्मे को वहीं नदी के पास खड़े पाया।

बुढ़िया ने ऐम्मे को बताया कि वह उसकी दोस्त थी और उसको उसके पति के पास ले जाने के लिये आयी थी। वह उसको अपने घर ले गयी और अपने कमरे में छिपा दिया।

फिर उस बुढ़िया ने अकपन को अपने घर बुला भेजा और उसको कहलवाया कि वह इस बात का पूरा ध्यान रखे कि उस दासी को इसके बारे में कुछ भी पता न चले।

सो अकपन घर में बिना किसी को बताये पीछे के दरवाजे से निकल गया और उस बुढ़िया के घर आ गया। जब ऐम्मे ने अकपन को देखा तो उसने उससे अपनी छोटी बहिन के बारे में पूछा।

अकपन ने अपने उस शिकारी दोस्त को ऐम्मे की बहिन को लाने के लिये उस नदी के पास भेजा। वह अपने बरतन ले कर वहॉ अपना सुबह का पानी भरने के लिये आयी हुई थी। वह उस बच्ची को अपने साथ उस बुढ़िया के घर ले आया।

जब ऐम्मे अपनी बहिन से मिल ली तो उसने उससे कहा कि वह घर जा कर कुछ ऐसा करे जिससे वह दासी नाराज हो जाये और यह कर के वह फिर उसी बुढ़िया के घर जितनी जल्दी हो सके वापस आ जाये।

इससे वह दासी उसका पीछा करेगी और वहॉ आ कर सब मिल जायेंगे। इस तरह वह ऐम्मे को भी देख लेगी जिसको कि वह यह समझती है कि उसने मार दिया है।

बच्ची ने ऐसा ही किया। जैसे ही वह घर पहुॅची उसने उस दासी से कहा — "क्या तुम्हें मालूम है कि तुम एक बहुत ही खराब औरत हो क्योंकि तुम मुझसे इतना बुरा बर्ताव करती हो? तुम मेरी बहिन की दासी हो और इस बुरे बर्ताव के लिये तुमको सजा भुगतनी पड़ेगी।"

इतना कह कर वह वहॉ से उलटे पैरों भाग ली।

जैसे ही उस दासी ने यह सुना वह गुस्से से भर कर एक जलती हुई लकड़ी ले कर उसके पीछे दौड़ी। वह बच्ची उस दासी को भगाती हुई उस बुढ़िया के घर तक ले आयी और उसके घर में उस

दासी से पहले ही घुस गयी। दासी जलती हुई लकड़ी लिये हुए उसके ठीक पीछे थी।

इस पर ऐम्मे बाहर आयी। दासी ने जब उसे देखा तो तुरन्त उसे पहचान लिया। उसने तो सोचा था कि वह मर गयी पर वह तो उसके सामने जीती जागती खड़ी थी।

फिर वे सब अकपन के घर चले गये। घर आ कर अकपन ने दासी से पूछा कि उसका ऐम्मे बनने का क्या मतलब था और उसने ऐम्मे को क्यों मारा? पर वह दासी इन सवालों का कोई जवाब न दे सकी।

अकपन ने अपनी पत्नी के वापस आने की खुशी में बहुत सारे लोगों को दावत के लिये बुलाया और जब वे सब आ गये तो उसने उन सबको बताया कि उस दासी ने क्या किया था।

इसके बाद ऐम्मे ने उस दासी के साथ उसी तरीके का बर्ताव किया जैसा कि उसने उसकी बहन के साथ किया था।

उसने भी उसको जलती लकड़ी से मारा, उसकी उँगलियों को लकड़ी की जगह जलाने के लिये इस्तेमाल किया, उसने उससे एक खोखले पेड़ में उसके सिर से फू फू[158] कूटने के लिये कहा। उसके बाद उसको एक पेड़ से बाँध कर भूखा मरने के लिये छोड़ दिया।

[158] Foo Foo is a West African dish which is prepared by pounding the root of a tree mixed with green plantain flour. Foo Foo served with usually groundnut soup is a national dish of Ghana.

तब से जब भी कभी कोई लड़का शादी करता है तो वह उस समय वहीं होता है जब वह लड़की अपने खाने वाले घर में से बाहर निकलती है और खुद ही उसको अपने घर ले जाता है ताकि अकपन और ऐम्मे जैसी घटना फिर कभी किसी और के साथ न हो।

35 राजा और ऐनसियाट चिड़ा[159]

जब ऐनडारके इडु का राजा[160] था तो जवान और अमीर होने की वजह से उसको अच्छी लड़कियाँ बहुत पसन्द थीं। उसके पास बहुत सारे दास दासियाँ भी थे।

एनसियाट चिड़ा[161] भी उन दिनों इडु में ही रहता था। उस चिड़े के एक बहुत प्यारी सी बेटी थी। राजा ऐनडारके को वह बहुत अच्छी लगती थी सो वह उससे शादी करना चाहता था।

जब उसने उसके पिता से इस बारे में बात की तो उसने तुरन्त ही जवाब दिया कि उसको खुद को तो इसमें कोई एतराज नहीं था बल्कि वह अपनी बेटी की शादी एक राजा से कर के बहुत खुश होता परन्तु उसके परिवार में जब भी किसी के कोई बच्चा हुआ तो उसने जुड़वाँ बच्चों को ही जन्म दिया।

और जैसा कि राजा भी जानता था कि उस देश में जुड़वाँ बच्चों की आज्ञा नहीं थी। वहाँ की रीति यही थी कि दोनों बच्चों को मार कर जंगल में फेंक देते थे और माँ को घर से निकाल देते थे और उसको खाना तक नहीं देते थे।

---

[159] The King and the Nsiat Bird (Tale No 35)

[160] Ndarake was the King of Idu region

[161] Nsiat Bird – a special kind of bird. Its name is “Nishat” bird, but maybe, in Nigeria it is called Nsiat bird.

पर राजा उस चिड़े की बेटी ऐडिट[162] को बहुत चाहता था सो वह उससे शादी करने पर बहुत ज़ोर देता रहा तो चिड़े को मानना ही पड़ा। राजा ने उस चिड़े को दहेज में बहुत सारा पैसा दिया और उसकी बेटी से शादी कर ली। एक बड़ी सी दावत भी रखी गयी।

एक बहुत ताकतवर दास ऐडिट को सारी दावत में इधर से उधर लिये घूमता रहा। ऐडिट उसके कन्धों पर अपनी दोनों टॉगें उसकी गर्दन के चारों तरफ लपेटे बैठी रही और घूमती रही।

यह सब इसलिये किया गया था ताकि लोगों को यह पता चले कि राजा कितना अमीर और ताकतवर था।

शादी के कुछ समय बाद ऐडिट ने जुड़वॉ बच्चों को जन्म दिया जैसे उससे पहले उसकी मॉ ने दिया था। राजा को उन दोनों बच्चों से भी तुरन्त ही प्यार हो गया।

पर उस देश का वह रिवाज किसी के लिये भी तोड़ना बहुत मुश्किल था सो राजा को अपने उन दोनों बच्चों को मरने के लिये छोड़ना पड़ा। जब ऐनसियाट चिड़े ने यह सुना तो वह राजा के पास गया और उसने उसको अपना वायदा याद दिलाया।

उसने कहा कि उसने तो राजा को शादी से पहले ही इस बात के लिये होशियार किया था कि अगर राजा ने ऐडिट से शादी की तो उसके बच्चों का क्या होगा।

---

[162] Adit – name of the daughter of Nsiat (Nishat) bird

तो राजा ने कहा था कि बच्चों को मरने के लिये देने से पहले वह उस चिड़े, उसके परिवार और ऐडिट सबको हवा में रहने के लिये भेज देगा और साथ में वे उन जुड़वॉ बच्चों को भी ले जायेंगे। वह उनको मरने के लिये नहीं छोड़ेगा।

क्योंकि राजा ऐडिट और उसके दोनों बच्चों को बहुत प्यार करता था और उनको मरने नहीं देना चाहता था इसलिये वह खुशी से राजी हो गया कि उसको अपना वायदा याद है। उसके बच्चों को भी मरने की कोई जरूरत नहीं है न ही उसकी पत्नी को भूखों मरने की जरूरत है।

वह चिड़ा और उसका परिवार हवा में रहने जा सकता था। सो ऐनसियाट चिड़ा अपने परिवार, अपनी बेटी ऐडिट और उसके दोनों बच्चों को ले कर धरती छोड़ कर पेड़ों पर रहने चला गया।

पर क्योंकि वे लोग पहले से ही शहर में सब लोगों के साथ रहते थे उन्होंने जंगल जाना पसन्द नहीं किया वे शहर में ही उगे हुए पेड़ों पर अपना घोंसला बना कर रहने लगे।

इसी लिये तुम ऐनसियाट चिड़िया को हमेशा उन्हीं पेड़ों पर घोंसला बनाते और रहते देखोगे जो शहर में उगते हैं क्योंकि उनके पूर्वज शहर में रहते थे सो वे भी आदमियों के पास ही रहना ज़्यादा पसन्द करते हैं।

ऐनसियाट चिड़ियों में काले रंग की चिड़िया मुर्गा होती है और पीले रंग की चिड़िया मुर्गी होती है। यही वह सुन्दर रंग था जिसकी वजह से राजा ऐडिट की तरफ खिंचा था और उससे शादी करने पर मजबूर हो गया था।

36 ऐसीडो और उसके साथी[163]

सरदार ओबोरी एडियागोर शहर[164] का एक सरदार था जो कैलैबार नदी के दॉये किनारे पर बसा हुआ था। यह सरदार बहुत ही अमीर था और ईबो जाति का था। उसके पास बहुत सारी बड़ी बड़ी नावें थीं और उनको खेने के लिये बहुत सारे नौकर थे।

इन नावों में वह नया याम भरा करता था। हर नाव में आठ पतवार होते थे और एक बड़ा सरदार उस नाव का नाविक होता था। एक नाव में तीन पुन्चुन[165] पाम का तेल आ सकता था जिसकी कीमत करीब आठ सौ डंडियॉ[166] थीं।

जब वे नावें पूरी भरी होतीं थीं तो दसों नावें एक साथ रियो डैल रे[167] के लिये चलतीं। वे उन समुद्री रास्तों[168] में से हो कर जातीं जो मैनग्रोव के पौधों और पाम के पेड़ों में से हो कर जाते।

जब तूफान आता तो उन समुद्री रास्तों में से हो कर जाना बहुत ही खतरनाक और मुश्किल हो जाता क्योंकि नावें बहुत भारी होतीं और वे पानी में केवल कुछ ही इंच ऊपर रहतीं।

---

[163] The Fate of Essido and His Evil Companions (Tale No 36)
[164] Chief Oborri was the Chief of Adiagor city.
[165] 1 Puncheon = 80 gallons, so 3 Puncheon oil means 80 x 3 = 2400 gallons.
[166] Translated from the word “Rods” – it seems that it was the currency in those days in Nigeria. It is not clear that what those rods were made from.
[167] Rio del Rey – name of the place
[168] Translated for the word “Creeks”

छोटी से छोटी पानी की लहर भी नाव में पानी भरने, उसको डावॉडोल करने और उसको डुबोने के लिये काफी रहती। अगर कभी नाव डूबे तो बहुत सारे नाविक तैरना जानते थे पर अक्सर ऐसा भी होता कि वे लोग उस पानी में खो जाते थे क्योंकि वहॉ उस पानी में बहुत बड़े बड़े मगर रहते थे।
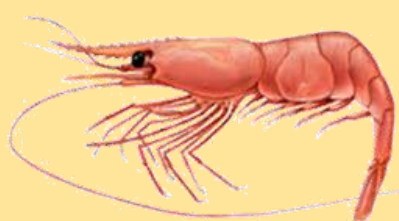
चार दिन के नाव खेने के बाद वे लोग रियो डेल रे पहुँच जाते थे। वहॉ से वे लोग बड़ी आसानी से अपने नये याम के बदले में सूखी श्रिम्प[169] और धुँआ लगी मछली[170] ले कर आते।

सरदार ओबोरी के दो बेटे थे ईयो प्रथम और ऐसीडो[171]। उनकी मॉ उनके बचपन में ही मर गयी थी सो उनको उनके पिता ने ही पाल पोस कर बड़ा किया। जैसे जैसे वे बड़े होते गये वे दोनों अपनी अपनी आदतों में बहुत अलग होते गये।

ओबोरी का बड़ा वाला बेटा बहुत मेहनती था और अकेला रहना ज़्यादा पसन्द करता था जबकि छोटा वाला बेटा शान शौकत बहुत पसन्द करता था और बहुत आलसी था। वह अक्सर अपना सारा समय पास के गॉवों में खेलने और नाच गाने में खर्च करता था।

---

[169] Dried Shrimp – Shrimp is one of three very popular sea foods – lobster, crab and shrimp. See its picture above.

[170] Smoked fish

[171] Eyo I and Essido – names of the two sons of Obori

जब वे लोग **20** और **18** साल के हुए तो उनके पिता भी मर गये। अब उनको अपनी देखभाल अपने आप ही करनी ही थी।

रीति रिवाज के अनुसार अपने पिता की सारी जायदाद ईयो को मिलनी थी पर क्योंकि ईयो अपने छोटे भाई को बहुत प्यार करता था इसलिये उसने उसको अपनी बहुत सारी डंडियॉ दे दीं और कुछ जमीन दे दी जिसमें एक घर बना हुआ था।

इतना सब कुछ पा कर तो ऐसीडो तुरन्त ही पैसे का लालची हो गया और और भी ज़्यादा लापरवाह हो गया। उसने अपने साथियों को दावतें देनी शुरू कर दी। अब उसका घर लड़कियों से भरा रहता जिनके ऊपर वह बहुत सारा पैसा यों ही बर्बाद करता रहता।

हालॉकि ईयो ने ओसीडो को अपने पिता के पैसों में से बहुत सारा पैसा दिया था पर जिस तरीके से वह उसे खर्च कर रहा था उस तरह कुछ ही सालों में उसने वह सारा पैसा खर्च कर दिया। फिर उसने अपना मकान भी बेच दिया और उससे जो पैसा आया वह फिर दावतों में उड़ा दिया।

जबकि ओसीडो इस तरह ऐयाशी में अपने पैसे बर्बाद कर रहा था ईयो अपने पिता के काम धन्धे पर बड़ी मेहनत से काम कर रहा था। वह रियो डेल रे खुद भी कई बार जा चुका था।

करीब करीब हर हफ्ते वह नये याम से अपनी नावें भर कर उन्हें वहॉ ले जाता और श्रिम्प और मछली ले कर **10–12** दिन में वापस लौट आता था। पर पास के बाजार में वह अपना सामान खुद

बेचता था। इस तरह वह बहुत जल्दी ही एक अमीर आदमी बन गया।

बीच बीच में वह ऐसीडो को उसकी फिजूलखर्ची के बारे में होशियार करता रहता था लेकिन उसके कहने सुनने का उसके ऊपर कोई असर नहीं था इस तरह उसकी हालत बद से बदतर होती जा रही थी।

और फिर एक दिन वह भी आया जब ऐसीडो का सारा पैसा खत्म हो गया सो वह ईयो के पास दो हजार डंडियॉ मॉगने गया लेकिन ईयो ने उसको यह पैसा देने से इनकार कर दिया।

और उससे कहा कि अगर वह जैसी ज़िन्दगी बिता रहा है वैसी ही ज़िन्दगी आगे भी बिताता रहेगा तो वह उसकी कोई सहायता नहीं करेगा। हॉ अगर वह उसके खेत पर या व्यापार में कोई काम करेगा तो वह उसको उसके फायदे का भी ठीक से हिस्सा दे देगा।

पर इस बात पर ऐसीडो राजी नहीं था। वह वापस शहर लौट गया और अपने कुछ जिगरी दोस्तों से सलाह की कि ऐसी हालत में उसे क्या करना चाहिये। अब जिन आदमियों से उसने सलाह ली थी वह सब तो बहुत ही खराब आदमी थे और वे ऐसीडो के पैसे पर बहुत दिनों से रह रहे थे।

उन्होंने उसको सलाह दी कि वह शहर में उन लोगों के पास जाये जिनको उसने कई बार अपने घर बुलाया है और उनसे पैसा

उधार माँगे क्योंकि बाद में तो वे सब अकपाब्रियोस टापू[172] पर भाग ही जायेंगे जो कैलैबार से चार दिन की दूरी पर है।

ऐसीडो ने ऐसा ही किया। हालाँकि कई लोगों ने उसको पैसा देने से मना भी कर दिया फिर भी उसने काफी पैसा इकट्ठा कर लिया। सो रात को ही ऐसीडो उस पैसे को ले कर अपने उन साथियों के साथ उस टापू की तरफ भाग लिया।

उसके साथी उसका पैसा ले कर जा रहे थे क्योंकि बहुत ज़्यादा मशहूर होने की वजह से वे खुद तो पैसा इकट्ठा कर नहीं पाये थे।

जब वे अकपाब्रियोस टापू पर पहुँचे तो उनको बहुत सारी लड़कियाँ और शानदार नाचने वालियाँ मिल गयीं सो वहाँ जा कर उन्होंने फिर से वैसी ही ज़िन्दगी जीनी शुरू कर दी जैसी कि वे पहले गुजार रहे थे।

जाहिर है उनका सारा पैसा जो वे कैलैबार के लोगों से उधार ले कर आये थे कुछ ही हफ्तों में खत्म हो गया।

अब उन्होंने फिर मीटिंग की कि किस तरह और पैसा इकट्ठा किया जाये। काफी सोच विचार के बाद फिर यही तय हुआ कि ऐसीडो को वापस अपने भाई के पास ही जाना चाहिये।

वहाँ जा कर उसको अपने भाई को यह विश्वास दिलाना चाहिये कि अब उसने अपनी पुरानी ज़िन्दगी छोड़ दी है और वह उसके साथ काम करना चाहता है।

---

[172] Akpabryos Island – name of an island situated in the South of Nigeria

जब उसके भाई को यह विश्वास हो जायेगा कि वह अब ठीक हो गया है और ठीक से काम भी कर रहा है तो वह उसको खाने में जहर मिला देगा और इस तरह उसको मार देगा।

जहर वे अपने एक जानने वाले से ले लेंगे। बस फिर उसके बाद उसकी सारी दौलत ऐसीडो की होगी। इस तरह सब लोग फिर उसी तरह से रह सकेंगे जैसे वे पहले रहते थे।

ऐसीडो को अपने भाई को मारने का यह प्लान बिल्कुल अच्छा नहीं लगा पर क्योंकि अब वह अपने रहने का पुराना ढंग नहीं छोड़ सकता था इसलिये वह यह सब करने पर राजी हो गया। अगले ही दिन उन सबने वह अकपाब्रियोस टापू छोड़ दिया।

दो दिन के चलने के बाद वे जंगल में एक छोटी सी झोंपड़ी के पास आये जहाँ एक बहुत ही होशियार जहर बनाने वाला रहता था। उसका नाम था ओकपोनेसिप[173]। वह देश के सब जू जू आदमियों[174] का सरदार था।

ऐसीडो ने अपनी बात को किसी को न बताने के लिये उस जू जू आदमी को 800 डंडियाँ दीं और उस जू जू आदमी ने उसको एक बहुत ही तेज़ जहर बना कर दे दिया। उसने बताया कि वह जहर उसके भाई को तीन महीने में मार देगा। उसको तो बस इतना करना था कि यह जहर उसके खाने में मिलाना था।

---

[173] Okponesip – name of the person who made poison

[174] Ju Ju men who do Ju Ju – magic or Black Magic, or witch doctor.

वह जहर ले कर ऐसीडो अपने भाई के घर पहुँचा। वहॉ जा कर उसने अपने पुराने ढंग के जीने पर बहुत पछतावा प्रगट किया और कहा कि अब आगे से वह कोई बुरा काम नहीं करेगा और उसके साथ काम करेगा।

ईयो यह सुन कर बहुत खुश हुआ। उसने तुरन्त ही उसको अन्दर बुलाया, उसको पहनने को लिये अच्छे कपड़े दिये और खाने के लिये बहुत सारा खाना दिया।

कुछ दिन बाद एक दिन शाम को जब खाना बन रहा था तो ऐसीडो अपने पाइप के लिये आग लेने के बहाने रसोईघर में गया। वहॉ जा कर उसने देखा कि रसोईघर में न तो रसोइया था और न कोई और दूसरा था सो उसने वह जहर सूप में मिला दिया और वापस बैठने वाले कमरे में आ गया।

लौट कर उसने टोम्बो[175] मॉगी जो उसको जल्दी ही ला कर दे दी गयी। टोम्बो पी कर वह बोला कि अब उसको भूख नहीं रह गयी थी सो आज वह खाना नहीं खायेगा और वह सोने चला गया। उस शाम उसके भाई ईयो ने शाम का खाना अकेले ही खाया। वह सारा सूप पी गया।

एक हफ्ते बाद वह कुछ बीमार सा महसूस करने लगा और धीरे धीरे उसकी तबियत ज़्यादा खराब होती चली गयी तो उसने अपने जू जू आदमी को बुला भेजा।

---

[175] Tombo is a kind of alcoholic drink from Nigeria

जब ऐसीडो ने जू जू आदमी को आते देखा तो वह चुपचाप घर से बाहर चला गया। लेकिन जू जू आदमी ने तुरन्त ही अपनी कौड़ियाँ[176] फेंक कर पता लगा लिया कि ईयो के भाई ऐसीडो ने उसको जहर दिया है इसी लिये उसकी तबियत खराब है।

जब जू जू आदमी ने उसे यह बताया तो उसको जू जू आदमी की बात पर विश्वास ही नहीं हुआ सो उसने उसको भगा दिया। कुछ देर बाद ऐसीडो घर वापस आ गया तब ईयो ने उसको बताया कि जू जू आदमी क्या कह रहा था।

ईयो ने ऐसीडो को यह भी बताया कि उसने जू जू आदमी का विश्वास ही नहीं किया और उसको भगा दिया।

ऐसीडो को यह सुन कर तसल्ली तो बहुत मिली पर वह बहुत होशियार हो गया कि कहीं उसके सिर कोई इलजाम न लग जाये इस लिये वह अपने घर के जू जू के पास गया और यह कसम खाने के बाद कि उसने किसी तरह का जहर अपने भाई को नहीं दिया वह बर्तन में से सूप पी गया।

जहर पीने के तीन महीने बाद ईयो मर गया। जो जो लोग उसको जानते थे वे सब उसकी बहुत इज़्ज़त करते थे। केवल इसलिये नहीं कि वह बहुत अमीर था बल्कि इसलिये भी कि वह

[176] Translated for the word "Cowries". They are sea shells. See its picture above.

बड़ा ईमानदार और बहुत ही सीधा आदमी था। उसने कभी किसी को दुख नहीं दिया था। उसके मरने का उन सबको बहुत दुख था।

ऐसीडो ने अपने भाई के दफन की सब रस्में अपने रीति रिवाजों के अनुसार कीं। काफी सारा गाना नाचना हुआ जो कई दिनों तक चलता रहा।

इस सबके बाद ऐसीडो ने सबसे पहले अपने पुराने लोगों का कर्जा निबटाया ताकि वह अपनी ईमानदारी साबित कर सके। फिर उसने बहुत सारे लोगों को अपने घर बुलाया जिन पर उसने बेतहाशा पैसा खर्च किया।

फिर से उसके घर में बुरी लड़कियाॅ और उसके बुरे दोस्त आने जाने लगे। कोई भी भला आदमी उसके घर आना पसन्द नहीं करता था।

यह सब देख कर कि ऐसीडो अपने भाई ईयो के पैसे को किस तरह से उड़ा रहा था देश के सरदारों ने एक मीटिंग की और वे इस नतीजे पर पहुॅचे कि ऐसीडो एक जादूगर[177] था और उसने अपने भाई का पैसा हथियाने के लिये ही उसको जहर दे दिया था।

सारे सरदार ईयो के बहुत अच्छे दोस्त थे और उसकी मौत पर अभी तक बहुत दुखी थे क्योंकि वे जानते थे कि अगर वह ज़िन्दा

[177] Male witch or wizard

रहता तो वह एक बहुत बड़ा और ताकतवर सरदार बन जाता। उन्होंने ऐसीडो को ऐकपावोर जू जू[178] देने का विचार किया।

यह जू जू एक बहुत ही ताकतवर दवा होती है जो पीने पर आदमी के सिर में चली जाती है और उसके असर से उसे पीने वाला आदमी सच बोलने पर मजबूर हो जाता है और अगर उसने कुछ गलत किया होता है तो वह कुछ दिनों में ही मर भी जाता है।

सो उन सरदारों ने एक मीटिंग बुलायी और उसमें ऐसीडो को भी बुलाया। उस मीटिंग में उन्होंने ऐसीडो पर इलजाम लगाया कि उसने अपने भाई ईयो को जादू टोने से मारा है।

ऐसीडो ने इस बात से साफ इनकार कर दिया और बोला कि उसने ऐसा नहीं किया। सरदारों ने कहा कि अगर वह सच बोल रहा है तो वह एकपावोर दवा पी कर अपने आपको सच्चा साबित करे और उसके सामने वह दवा रख दी।

अब ऐसीडो उस दवा को पीने से इनकार तो कर नहीं सकता था सो उसने डर से कॉपते हुए वह दवा पी ली। बहुत जल्दी ही वह जू जू उसके सिर में घुस गया और उसने यह मान लिया कि उसी ने अपने भाई को जहर दे कर मारा है।

पर साथ में उसने यह भी कहा कि उसके दोस्तों ने उससे ऐसा करने के लिये कहा था यह काम उसने अपनी मर्जी से नहीं किया।

---

178 Ekpawor Ju Ju

इस दवा के पीने के दो घंटे बाद ही ऐसीडो बहुत दर्द के साथ मर गया।

फिर उसके दोस्तों को बुलाया गया। उनको खम्भे से बॉध दिया गया और उनसे ईयो की मौत में हिस्सा लेने के बारे में सवाल पूछे गये। वे सबके सब इतने डरे हुए थे कि कुछ बोल ही न सके।

तब सरदारों ने उनको बताया कि ऐसीडो ने उनको बताया कि तुम लोगों ने ऐसीडो को उसके भाई को जहर देने के लिये उकसाया था। फिर वे उनको वहॉ ले गये जहॉ ईयो को दफनाया गया था।

ईयो की कब्र खोली गयी और उन लोगों के सिर काट कर उसी कब्र में गिरा दिये गये। उनके शरीरों की बलि चढ़ा दी गयी और वह कब्र फिर से बन्द कर दी गयी।

37 बाज़ और उल्लू[179]

पुराने जमाने में जब ऐफियोंग[180] कैलैबार का राजा था उस समय यह रिवाज था कि राजा बहुत बड़ी दावत दिया करता था जिसमें उसके राज्य के सारे लोग, जंगल के सब पक्षी और जानवर और पानी में रहने वाली मछलियाँ और दूसरे जानवर सभी को बुलाया जाता था।

जो भी राजा के राज्य में रहते थे, चाहे वे आदमी हों या जानवर, पक्षी हों या पानी में रहने वाली मछलियाँ सभी उसका कहना मानते थे। राजा का प्रिय दूत था बाज़[181] क्योंकि वह बहुत तेज़ उड़ता था।

उस बाज़ ने राजा की कई सालों तक बड़ी वफादारी से सेवा की। फिर जब उसने रिटायर होना चाहा तो उसने राजा से पूछा कि अब उसकी क्या इच्छा थी कि वह उसके लिये क्या करे। क्योंकि बहुत जल्दी ही वह बूढ़ा हो जायेगा और फिर राजा की सेवा करने के लायक नहीं रहेगा।

राजा ने उसको एक ऐसा ज़िन्दा जीव लाने के लिये कहा जो चाहे पक्षी हो या जानवर, जिसको लाने पर राजा उसकी बाकी बची

---

[179] The Hawk and the Owl (Tale No 37)

[180] Effiong – name of the King of Calabar city in Nigeria of its Cross River State

[181] Translated for the word “Hawk”. See its picture above.

ज़िन्दगी उस पक्षी या जानवर को बिना किसी मुश्किल के खा कर गुजारने देगा। बाज़ यह सुन कर चला गया।

वह देश भर में उड़ता रहा, वह कई जंगलों में गया और आखीर में उल्लू का एक छोटा सा बच्चा ले कर आ गया जो अपने घोंसले में से लुढ़क गया था। राजा ने उल्लू देखा तो उसको ज़िन्दगी भर उल्लू खाने की इजाज़त दे दी।

बाज़ उल्लू ले कर उड़ गया और राजा ने उससे जो कुछ कहा था उसने जा कर अपने साथियों को बताया।

सुन कर उसके एक अक्लमन्द साथी ने कहा — "अच्छा यह तो बताओ जब तुमने उस छोटे से उल्लू के बच्चे को पकड़ा था तब उसके माता पिता ने क्या कहा?"

बाज़ बोला — "उसके माता पिता तो चुप ही रहे उन्होंने तो कुछ भी नहीं कहा।"

बाज़ के दोस्त ने उससे फिर कहा कि वह उस बच्चे को उसके माता पिता को वापस कर आये क्योंकि वह बाज़ यह कभी नहीं जान पायेगा कि उल्लू रात के समय उसके साथ क्या कर सकता है।

इसके अलावा जो चुप रहते हैं उनका दिमाग कुछ न कुछ चाल खेलने और बदला लेने के लिये चलता रहता है।

अगले दिन बाज़ उस उल्लू के बच्चे को वापस ले गया और उसके घोंसले के पास छोड़ आया। फिर वह किसी और जानवर की खोज में उड़ा ताकि वह उसको अपना खाना बना सके।

पर क्योंकि सब जानवर और चिड़ियें उसके उल्लू को पकड़ने का किस्सा सुन चुके थे इसलिये वे सब छिप गये। जब वे बाज़ को कहीं आस पास देखते तो छिप जाते। सो वह कोई भी चिड़िया नहीं पकड़ सका।

वह जब घर वापस लौट रहा था तो उसने एक घर के पास बहुत सारे मुर्गे धूप में उड़ते और धूल में खेलते देखे। वहीं कुछ छोटे छोटे चूज़े[182] भी थे जो खाने के लिये कीड़े मकोड़े या कोई और चीज़ ढूँढ रहे थे। एक बड़ी सी मुर्गी उनके पीछे पीछे उनको पुकारती घूम रही थी।

जब बाज़ ने उन चूज़ों को देखा तो निश्चय किया कि वह उनमें से एक चूज़ा उठा लेगा और उसको राजा के पास ले जायेगा। सो उसने एक कूद लगायी और अपने मजबूत पंजे में एक बहुत ही छोटा सा चूज़ा पकड़ लिया।

जैसे ही उसने वह चूज़ा पकड़ा तो बड़े बड़े मुर्गों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। मुर्गी भी अपने बच्चे को उससे छुड़वाने की कोशिश करती हुई उसके पीछे पीछे भागी।

उसने अपने पंख भी फड़फड़ाये, पुकारा भी, उसकी तरफ कूदी भी परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ। बाज़ उसको अपने पंजों में दबा कर उड़ गया।

---

[182] Translated for the word “Chicken”

सारे मुर्गे और चूज़े बेचारे अपने अपने घर में भाग गये। कुछ ने झाड़ियों में छिप कर जान बचायी और कुछ लम्बी घास में छिप गये।

बाज़ उस चूज़े को ले कर राजा के पास गया और बोला कि उसने उल्लू को उसके माता पिता को वापस कर दिया है क्योंकि वह उसको अपना खाना बनाना नहीं चाहता था। अब वह चूज़ा ले कर राजा के पास आया है सो राजा ने उसको मुर्गे खाने की इजाज़त दे दी।

बाज़ उस चूज़े को ले कर घर आया तो उसका दोस्त उसके घर आया और उससे फिर वही सवाल पूछा — "अच्छा यह तो बताओ जब तुमने उस छोटे से चूज़े को पकड़ा तब उसके माता पिता ने क्या कहा?"

बाज़ बोला — "सबने बहुत शोर मचाया। सारे मुर्गे खूब चिल्लाये। चूज़ों की मॉ ने तो मुझे दूर भगाने की भी बहुत कोशिश की। हालॉकि वहॉ मुर्गों में भी बहुत शोर मचा पर हुआ कुछ भी नहीं।

बाज़ के दोस्त ने कहा क्योंकि मुर्गों ने बहुत सारा शोर मचा लिया इसलिये अब तुम चूज़ों को मार कर खा सकते हो और उनसे अब तुम्हें कोई खतरा नहीं है। क्योंकि जो लोग दिन में खूब शोर मचाते हैं वे रात में आराम से सोते हैं। वे दूसरों को तंग भी नहीं करते।

सबसे खतरनाक वे लोग होते हैं जिनको जब कोई नुकसान पहुँचाता है तो वे चुप रहते हैं क्योंकि वे अपने दिमाग में उस आदमी के खिलाफ कोई न कोई चाल सोच रहे होते हैं। और फिर जब भी उनको मौका लगता है उस आदमी से जरूर बदला ले लेते हैं।

38 ढोल बजाने वाला और मगर[183]

एक बार एक स्त्री ऐफियोंग ऐनी कैलेबार शहर के दक्षिण में ऐनसैडुन्ग शहर[184] में रहती थी। उसकी शादी हैनशम शहर के सरदार ऐटिम एकेंग[185] से हुई थी। वे लोग बहुत दिनों तक एक साथ रहे पर उनके कोई बच्चा नहीं था।

सरदार बच्चे के लिये बहुत इच्छुक था कि किसी तरह उसके जीते जी एक बच्चा हो जाये। उसने अपने जू जू[186] को भी बलि दी पर उससे भी उसको कोई फायदा नहीं हुआ।

सो वह एक जादूगर[187] के पास गया और अपनी बात बतायी तो वह बोला कि वह सरदार क्योंकि बहुत अमीर था इसलिये उसके कोई बच्चा नहीं हुआ था। अगर उसे बच्चा चाहिये तो उसे अपना कुछ पैसा खर्च करना पड़ेगा।

उसने सरदार को सलाह दी कि वह अपने कई दोस्त बनाये और उनको दावत दे ताकि उसका कुछ पैसा निकले और वह गरीब हो जाये।

---

183 The Story of the Drummer and the Alligators (Tale No 38)

184 Affiong Any lived in Ensedung town in the South of Calabar (a state of Nigeria)

185 Affiong Any was married to Etim Ekeng, the Chief of Hanshan town.

186 Deities of magic

187 Translated for the words "Witch Doctor"

सरदार ने यह सब जा कर अपनी पत्नी को बताया तो उसने अगले ही दिन अपनी साथिनों को बुलाया और खूब बढ़िया दावत दी।

इस दावत में उसका बहुत सारा पैसा लग गया। बहुत सारा खाना बना और खाया गया और बहुत सारी टोम्बो[188] पी गयी। उसके बाद फिर सरदार ने दावत दी। उसमें भी बहुत सारा पैसा खर्च किया गया। सरदार ने ईबो घर[189] में भी बहुत सारा पैसा खर्च किया।

जब करीब करीब उनका आधे से ज़्यादा पैसा खर्च हो गया तो सरदार की पत्नी ने सरदार को बताया कि वह गर्भवती हो गयी है। सरदार ने यह सुन कर अगले दिन फिर एक बहुत बड़ी दावत दी।

उन दिनों सब बड़े बड़े सरदार मगरों के किसी न किसी समूह के सदस्य होते थे और आपस में पानी में मिला करते थे।

उनके मगरों के समूह के होने की वजह यह थी कि एक तो वे जब व्यापार करने जाते थे तो वे मगर उनकी नावों की रक्षा करते थे और दूसरे जो मगरों के समूह के नहीं होते थे वे मगर उनकी नावों को और उनकी सम्पत्ति को नष्ट कर देते थे। वे उनका सारा पैसा और सामान ले लेते थे और उनके नौकरों को मार देते थे।

इसलिये वे किसी न किसी मगर के समूह के होते ही थे।

[188] Tombo is a kind of alcoholic drink of Nigeria

[189] Igbo House

सरदार ऐटिम ऐकेंग एक बहुत ही दयालु आदमी था इसलिये बहुत बार कहने पर भी वह किसी मगर के समूह में नहीं मिला था।

कुछ समय बाद उसके एक बेटा हुआ। उसने उसका नाम ऐडेट ऐटिम[190] रखा। उसने ईबो लोगों को बुलाया तो शहर के सारे घरों के दरवाजे बन्द कर दिये गये।

जब ईबो लोग शहर में होते थे तो कोई भी स्त्री अपने घर से बाहर नहीं निकल सकती थी। ईबो लोग शहर में कई दिन रहे और इसमें भी सरदार का बहुत पैसा खर्च हो गया।

इसके बाद उसने तय किया कि जब उसका बेटा बड़ा हो जायेगा तो वह अपनी सारी सम्पत्ति बाँट देगा। उसमें से आधी सम्पत्ति अपने बेटे को दे देगा पर बदकिस्मती से वह तीन महीने बाद ही मर गया और अपनी दुखी पत्नी को अपने बेटे की देखभाल के लिये अकेला छोड़ गया।

सरदार की पत्नी ने सरदार के मरने का दुख सात साल तक मनाया और उसके बाद वह अपने पति की सारे सम्पत्ति की मालिक हो गयी क्योंकि सरदार के कोई भाई नहीं था।

उसने अपने बेटे की बहुत अच्छी तरह से देखभाल की जब तक वह बड़ा नहीं हो गया। जब वह बड़ा हो गया तो वह एक बहुत ही सुन्दर और एक ताकतवर नौजवान हो गया।

---

[190] Edet Etim – name of the son of the Chief

शहर की सारी लड़कियाँ उसको बहुत चाहती थीं पर उसकी माँ ने उसको किसी भी लड़की के साथ जाने से मना कर रखा था क्योंकि वह सोचती थी कि वे उसको खराब कर देंगीं।

वह ढोल बहुत अच्छा बजाता था और नाचता भी बहुत अच्छा था सो जब भी शहर की लड़कियाँ अपना कुछ प्रोग्राम रखतीं वे ऐंडेट को जरूर बुलातीं। वह उनके लिये ढोल बजाता और नाचता।

बहुत सारी जवान लड़कियों ने अपने पतियों को छोड़ दिया था और वह ऐंडेट के पास गयीं कि वह उनसे शादी कर ले पर उसने अभी तक शादी नहीं की थी।

इससे शहर के बहुत सारे नौजवान लड़के उससे जलने लगे थे। एक दिन वे सब नौजवान लड़के रात को इकट्ठा हुए और उन्होंने ऐंडेट को मारने की तरकीब सोची। उन्होंने सोचा कि जब ऐंडेट नदी पर नहाने जायेगा तब वे मगरों को उकसा कर उनसे उसको पकड़वा लेंगे।

सो एक रात जब ऐंडेट नदी पर कुछ धो रहा था कि एक मगर ने उसका पैर पकड़ा और दूसरे मगरों ने उसको उसकी कमर से पकड़ा और उसको पकड़ कर खींचने लगे।

ऐंडेट बेचारे ने उनसे छूटने की काफी कोशिश की पर वह उन की पकड़ से नहीं छूट सका और मगर उसको पानी में खींच कर अपने घर ले गये।

ऐडेट की माँ ने जब यह सुना तो उसने यह निश्चय कर लिया कि वह अपने बेटे को वहाँ से लाने की पूरी पूरी कोशिश करेगी। वह सुबह होने तक चुपचाप रही।

जब लड़कों ने देखा कि ऐडेट की माँ तो चुपचाप है और रोयी नहीं तो उनको बाज़ और उल्लू की कहानी[191] याद आ गयी और उन्होंने ऐडेट को कुछ महीने तक ज़िन्दा रखने का निश्चय किया।

सुबह होते ही ऐडेट की माँ ने रोना शुरू किया और अपने पति की कब्र पर उसकी आत्मा से सलाह माँगने गयी कि उसको अपने बेटे को वापस लाने के लिये क्या करना चाहिये।

उसके कुछ समय बाद वह कुछ हरी डंडियाँ हाथ में ले कर नदी के किनारे गयी और वहाँ जा कर उन डंडियों से पानी को पीटना शुरू कर दिया।

वह कैलैबार नदी के सारे जू जू से और उसकी आत्मा से अपने बेटे को लौटाने की प्रार्थना करने लगी। प्रार्थना के बाद वह घर वापस चली गयी।

घर जा कर उसने बहुत सारी डंडियाँ[192] लीं और खेत पर जू जू आदमी के पास गयी। उस जू जू आदमी का नाम था इनीनैन ओकोन[193]। उसका यह नाम इसलिये था क्योंकि वह बहुत चालाक था और उसके पास बहुत असरदार जू जू थे।

---

[191] Read this story in this book – "Baaz Aur Ulloo" – Story No 37 – the previous story

[192] Translated for the word "Rod" – maybe the currency of Nigeria at that time

[193] Ininen Okon – name of the Ju Ju man

जब उन नौजवान लड़कों ने यह सुना कि ऐडेट की माँ इनीनैन जू जू आदमी के पास गयी है तो वे डर गये और ऐडेट को लौटाने की सोचने लगे। पर वे ऐसा नहीं कर सकते थे क्योंकि यह उन लोगों के समाज के नियमों के खिलाफ था।

उधर इस जू जू आदमी ने भी यह पता लगा लिया कि ऐडेट अभी ज़िन्दा था और वह मगरों के घर में बन्द था सो उसने उसकी माँ को थोड़ा धीरज रखने के लिये कहा।

तीन दिन बाद इनीनैन जू जू आदमी खुद एक दूसरे मगरों के समूह में जा कर मिल गया और वहाँ से उन जवान मगरों का घर देखने गया जो उसको पकड़ कर ले गये थे।

वहाँ उसने एक नौजवान को देखा जिसको वह जानता था। दूसरे नौजवान मगर बाहर ज्वार में आये हुए खाने को खाने के लिये गये हुए थे। जाने से पहले उस नौजवान को पहरे पर छोड़ गये थे। इनीनैन यह सब देख कर वापस आ गया।

उसने आ कर ऐडेट की माँ को बताया कि वह एक ऐसा असरदार जू जू बनायेगा जिससे वे सारे मगर सात दिन के अन्दर अन्दर वहाँ से चले जायेंगे और उनमें से कोई भी मगर उस घर में नहीं रह जायेगा। उसने वह जू जू बनाया।

जब मगर लोग घर लौट कर आये तो उन्होंने पूछा कि क्या कोई ऐडेट को पूछने के लिये आया था तो उस आदमी ने उनको बताया कि कोई भी उसको पूछने नहीं आया।

यह जान कर वे बोले कि अब वे सब एक साथ खाना खाने बाहर जा सकते थे। अब वहाँ पहरे की कोई जरूरत नहीं थी।

सो वे सब एक साथ खाना खाने बाहर चले गये और जब लौट कर आये तो उन्होंने ऐडेट को वहीं पाया जहाँ वे उसको छोड़ कर गये थे और बाकी चीज़ें भी वहीं की वहीं थीं क्योंकि इनीनैन उस दिन वहाँ गया ही नहीं था।

तीन दिन के बाद वे सब फिर बाहर गये और इस बार वे थोड़ी दूर निकल गये। इसका मतलब था कि वे जल्दी वापस नहीं आने वाले थे। जब इनीनैन ने देखा कि ज्वार उतरने वाला है तो इनीनैन ने अपने आपको एक मगर में बदला और वह जवान मगरों के घर पहुँच गया।

वहाँ उसने ऐडेट को एक खम्भे से बँधा पाया। उसने एक कुल्हाड़ी ली और उस खम्भे को काट कर उसे आजाद कर दिया। बहुत दिनों तक पानी में रहने की वजह से वह न तो कुछ बोल सकता था और न ही कुछ सुन सकता था।

वहाँ इनीनैन को बहुत सारे कमर में पहनने वाले कपड़े मिले जो वे जवान मगर लोग वहाँ छोड़ गये थे। उसने वे सब कपड़े राजा को दिखाने के लिये उठा लिये और फिर वह ऐडेट को ले कर वहाँ से चल दिया।

घर पहुँच कर उसने ऐडेट की माँ को उसके बेटे को देखने के लिये बुलाया। वह उसको देख तो सकी पर उससे बात नहीं कर सकी।

उसने अपने बेटे को अपने गले से लगाया पर जैसे उसको कुछ महसूस ही नहीं हुआ। ऐसा लग रहा था कि वह कुछ भी समझने के लायक ही नहीं था। पर फिर भी वह चुपचाप बैठ गया।

जू जू आदमी ने उसकी माँ को बताया कि वह उसको कुछ दिन की मोहलत दे वह उसको कुछ ही दिन में ठीक कर देगा।

तब जू जू आदमी ने उसके लिये कई जू जू बनाये और उसको दवा भी दी। कुछ समय बाद वह लड़का ठीक हो गया और उसकी समझ भी वापस आ गयी।

उसके बाद ऐडेट की माँ ने लोगों को दिखाने के लिये कि उसका बेटा मर चुका है दुख वाले कपड़े पहन लिये और किसी को नहीं बताया कि उसका बेटा वापस घर आ गया है।

जब वे नौजवान मगर घर वापस लौटे तो उन्होंने देखा कि ऐडेट तो जा चुका है और किसी ने उनके कमर में पहनने वाले कपड़े चुरा लिये हैं।

यह देख कर वे बहुत डर गये और उन्होंने ऐडेट के बारे में पूछताछ की कि किसी ने उसको देखा है क्या पर किसी ने उसको नहीं देखा था असल में तो वह तो खेत पर छिपा था और उसकी माँ

ने सबको धोखा देने के लिये अभी भी दुख वाले कपड़े पहन रखे थे।

छह महीने तक कुछ नहीं हुआ ऐसा ही चलता रहा। अब तक सब लोग इस बात को भूल भी गये थे।

फिर एक दिन ऐडेट की माँ ऐफ़ियोंग शहर के सरदारों के पास गयी और उनसे एक बहुत बड़ी मीटिंग बुलाने की प्रार्थना की जिसमें जवान और बूढ़े सभी बुलाये जायें ताकि उन सबके सामने उसके पति की सम्पत्ति का वहाँ के रीति रिवाजों के अनुसार बँटवारा किया जा सके। क्योंकि उसके बेटे को मगरों ने मार दिया था।

सो सरदारों ने अगले दिन एक बहुत बड़ी मीटिंग बुलवायी जिसमें बहुत सारे लोग आये।

ऐडेट की माँ ऐडेट को सुबह ही जहाँ मीटिंग होनी थी उसके पीछे वाले कमरे में ले गयी और वहाँ उसको वे सात नीचे पहनने वाले कपड़े दे कर बिठा दिया जिनको इनीनिन मगरों के घर से ले कर आया था।

जब सरदार लोग और आये हुए सारे लोग बैठ गये तो ऐफ़ियोंग ने कहना शुरू किया — "ओ सरदारों और बैठे हुए सारे लोगों, आठ साल पहले मेरा पति एक सुन्दर नौजवान था। उसने मुझसे शादी की।

हम लोग काफी दिनों तक साथ साथ रहे पर हमारे कोई बच्चा नहीं हुआ। आखिर मेरे एक लड़का हुआ पर बदकिस्मती से मेरा पति कुछ महीने बाद ही चल बसा।

मैंने अपने बेटे को बड़े लाड़ प्यार से पाला और वह एक अच्छा ढोल बजाने वाला और नाचने वाला बन गया। बहुत सारे नौजवान उससे जलने लगे और उन्होंने उसको मगरों से पकड़वा दिया।

क्या आप लोगों में से कोई बता सकता है कि आज अगर मेरा बेटा ज़िन्दा होता तो वह इस समय क्या होता?"

फिर उसने उन लोगों से पूछा कि वे मगरों के समाज के बारे में क्या सोचते थे जिन्होंने कितने ही जवानों को मार दिया था।

सरदारों के भी बहुत सारे नौकर मारे जा चुके थे सो उन्होंने उससे कहा कि अगर वह उनमें से किसी एक के खिलाफ भी कोई सबूत पेश कर सके तो वे उसको तुरन्त ही मार देंगे।

तब उसने इनीनैन को अपने बेटे ऐडेट के साथ वहाँ आने के लिये कहा। इनीनैन पीछे के कमरे में से एक हाथ में ऐडेट का हाथ पकड़े और दूसरे में वे सात नीचे पहनने वाले कपड़ों की गठरी लिये हुए सबके सामने आया और वह गठरी सरदारों के सामने रख दी।

जैसे ही नौजवान लोगों ने ऐडेट को देखा तो वे तो आश्चर्य में पड़ गये और वहाँ से भागने की कोशिश करने लगे। पर जैसे ही वे भागने के लिये खड़े हुए सरदारों ने उनको बैठने के लिये कहा और

कहा कि अगर वे नहीं बैठे तो उनमें से हर एक को **300** कोड़े लगेंगे। यह सुन कर वे सभी बैठ गये।

इसके बाद जू जू आदमी ने उन सबको बताया कि कैसे वह मगरों के घर गया था और फिर कैसे ऐंडेट को उसकी मॉ के पास वापस ले कर आया।

फिर उसने उनको यह भी बताया कि कैसे उसने सात नीचे पहनने वाले कपड़े वहॉ देखे जिनको वह यहॉ ले आया पर उनके बारे में वह कुछ भी नहीं कहना चाहता क्योंकि उनमें से कुछ कपड़े सरदारों के बेटों के थे।

वहॉ बैठे सरदारों में से उन सरदारों ने जो अपने समाज में से बुरे लोगों को रोकना चाहते थे इनीनैन से सब कुछ तुरन्त बताने को कहा।

इस पर इनीनैन ने कपड़ों की वह गठरी खोली और उसमें से एक एक करके सब कपड़े अलग अलग रख दिये और वे कपड़े जिन जिनके थे उनका नाम ले ले कर उन्हें बुलाना शुरू किया।

तब उन सातों ने अपने समाज के दूसरे लोगों के नाम भी बता दिये। गिनती में वे सब **32** थे। इन सबको एक लाइन में खड़ा कर दिया गया और सरदारों ने उन सबको सजा दे दी कि अगली सुबह उन सबको नदी के किनारे मार दिया जाये।

फिर उन सबको खम्भों से बॉध दिया गया। सात आदमी उनकी पहरेदारी करते रहे। उन्होंने वहॉ आग जलायी और सारी रात ढोल बजाया।

अगली सुबह वहॉ की रीति रिवाज के अनुसार जहॉ मीटिंग हुई थी उस कमरे की छत पर एक बड़ा ढोल रख दिया गया और वहॉ उसको बुरा काम करने वालों के मरने की खुशी मे बजाया गया।

उसके बाद उन बत्तीसों लड़कों को खम्भे से खोल दिया गया। उनके हाथ उनकी पीठ पीछे बॉध दिये गये और उनको नदी किनारे ले जाया गया।

सरदारों के सरदार ने तब एक स्पीच दी — "यह एक छोटा सा शहर है जहॉ का मैं सरदार हूॅ। मैं यहॉ के इस बुरे रिवाज को खत्म कर देना चाहता हूॅ क्योंकि इसकी वजह से यहॉ बहुत सारे लोग मारे जा चुके हैं।"

उसने तब एक आदमी को अपने लम्बे चाकू से एक आदमी का सिर काटने का हुक्म दिया। फिर उसने एक दूसरे आदमी को दूसरे आदमी की खाल निकालने का हुक्म दिया। फिर एक तीसरे आदमी को तीसरे आदमी को डंडे से मारने के लिये कहा जब तक वह मर न जाये। उनमें से कुछ को खम्भे से बॉध नदी में डाल दिया जब तक ज्वार आ कर उनको डुबो न दे।

इस तरह उसने सब लोगों को अलग अलग तरीके से मरवा दिया।

इस घटना के बाद बहुत दिनों तक मगरों ने किसी को नहीं मारा लेकिन कुछ साल बाद नदी के किनारे और शहर के बीच में की जमीन नीचे धँस गयी जिससे एक बहुत बड़ा और गहरा गड्ढा बन गया जो कहते हैं कि मगरों का घर था।

लोगों ने उस गड्ढे को भरने की बहुत कोशिश की पर वह गड्ढा आज तक नहीं भरा जा सका।

39 एनसासक और ओडुडु चिड़िया[194]

यह बहुत पुरानी बात है जब ऐडम[195] कैलैबार शहर का राजा हुआ करता था।

एक बार राजा ने सोचा कि वह यह पता लगाया जाये कि ऐसी कौन सी चिड़िया है जो बहुत दिनों तक भूखी रह सकती है। जब उसको ऐसी कोई चिड़िया मिल जायेगी तो वह उसको उसकी अपनी जाति का सरदार बना देगा।

ऐनसासक चिड़िया[196] एक बहुत ही छोटी चिड़िया होती है। उसकी छाती लाल और हरे रंग की होती है। उसके नीले और पीले पंख होते हैं और गले के चारों तरफ का हिस्सा लाल होता है। वह ज़्यादातर पाम की पकी गिरी खाती है।

जबकि ओडुडु चिड़िया[197] ऐनसासक चिड़िया से कहीं बड़ी होती है। यह मैना[198] जितनी बड़ी होती है। इसके पंख तो बहुत सारे होते हैं पर इसका शरीर बहुत ही पतला होता है।

---

[194] The Nsasak Bird and the Odudu Bird (Tale No 39)
[195] Edam – name of the King of Calabar, a city of Nigeria in its Cross River State
[196] Nsasak Bird
[197] Odudu Bird
[198] Translated for the word “Magpie Bird”

इसके लम्बी सी पूँछ होती है। इसका रंग काला और भूरा होता है और इसकी छाती का रंग क्रीम रंग का होती है। यह चिड़िया टिड्डे[199] खाती है पर यह मकड़ियाँ भी पहुत पसन्द से खाती है।

सो एक बार की बात है कि एक ऐनसासक और एक ओड्डु चिड़े दोनों बहुत ही अच्छे दोस्त थे और एक साथ रहते थे। एक बार उन्होंने सोचा कि वे राजा के पास जायेंगे और उससे कहेंगे कि उनको उनकी जाति की चिड़ियों का सरदार बना दिया जाये। उनको राजा की शर्त के बारे में भी मालूम था।

ओड्डु चिड़े को पूरा विश्वास था कि शर्त में वही जीतेगा क्योंकि वह ऐनसासक चिड़े से काफी बड़ा था सो उसने सात दिन भूखे रहने का विचार किया।

राजा ने उन दोनों को एक एक घर बनाने के लिये कहा और कहा कि वह खुद आ कर उन घरों को देखेगा। फिर वह उनको उन घरों में बाँध देगा और जो कोई ज़्यादा देर तक भूखा रहेगा वह उसी को सरदार बनायेगा।

सो दोनों ने अपने अपने घर बनाये। ऐनसासक चिड़ा बहुत चालाक था। उसने सोचा शायद वह सात दिन तक भूखा न रह सके सो उसने अपने घर की दीवार में एक छोटा सा छेद बनाया और

[199] Translated for the word "Grasshopper". See its picture above.

उसको इस तरह ढक दिया कि राजा जब उसका घर देखने आये तो वह छेद उसको दिखायी ही न दे।

ऐसा ही हुआ। जब दोनों के घर बन गये तो राजा उनके घर देखने आया पर ऐनसासक के घर का वह छोटा छेद नहीं देख पाया क्योंकि ऐनसासक चिड़े ने उसे बड़ी सावधानी से छिपा रखा था।

सो उसने उन दोनों घरों को ठीक बोल दिया और दोनों चिड़े अपने अपने घरों में रहने चले गये। उनके जाने के बाद उनके घरों के दरवाजे बाहर से बन्द कर दिये गये।

अब हर सुबह ऐनसासक चिड़ा अपने उस छेद से बाहर चला जाता जो उसने अपने घर की दीवार में ऊपर की तरफ बनाया था और सारा दिन मस्ती मारता।

पर वह इस बात का ध्यान रखता कि खेत का कोई आदमी उसको देख न ले। और जब शाम हो जाती तो चुपचाप अपने घर में घुस जाता और चुपके से वह छेद बन्द कर लेता।

जब वह अपने घर में आराम से आ जाता तब वह ओडुडु को आवाज लगाता और पूछता कि क्या उसे भूख लगी है? फिर उसको समझाता कि अगर उसको जीतना है तो उसको थोड़ा धीरज रखना चाहिये जैसे कि मैं रख रहा हूँ।

यह सब कई दिनों तक चलता रहा। ओडुडु चिड़े की आवाज रोज ब रोज धीमी और कमजोर होती चली गयी और एक रात जब

ऐनसासक चिड़े ने उसको आवाज लगायी तो वह बेचारा तो बोल भी न सका।

ऐनसासक को लगा कि वह मर गया। हालाँकि उसको अपने दोस्त के मरने का बहुत दुख हुआ पर वह इस मामले को बता नहीं सका क्योंकि वह तो घर में बन्द था।

जब सात दिन बीत गये तो राजा आया और दोनों घरों के दरवाजे खोले गये। ऐनसासक चिड़ा तो तुरन्त उड़ गया और पास के एक पेड़ की डाल पर बैठ कर गाने लगा।

पर ओडुडु चिड़ा बेचारा तो मरा जैसा पड़ा था। उसके अन्दर ज़िन्दगी बहुत कम रह गयी थी। चींटियों ने उसका काफी शरीर खा लिया था। अब तो उसके केवल पंख और हड्डियाँ ही रह गये थे। राजा ने ऐनसासक को तुरन्त ही छोटी चिड़ियों का सरदार बना दिया।

आज तक भी इबीबियो[200] देश में छोटे लड़के जो तीर कमान चलाते हैं और ऐनसासक चिड़िया को मार लेते हैं उनको बकरी की शक्ल की एक मूर्ति इनाम में दी जाती है। क्योंकि साइज़ में बहुत छोटी होने की वजह से ऐनसासक चिड़िया को मारना बहुत कठिन होता है।

[200] Ibibio – name of a place in Nigeria

40 राजा चिड़े का चुनाव[201]

पुराने कैलैबार शहर में एक बार एक ऐसिया[202] नाम का राजा राज करता था। वह भी वहाँ के पुराने राजाओं की तरह बहुत अमीर और ताकतवर था।

पर इतना अमीर होने के बावजूद उसके पास बहुत सारे दास नहीं थे। सो वह अपने आदमियों का काम करवाने के लिये जानवरों और चिड़ियों की सहायता लिया करता था।

काम जल्दी और ठीक से कराने के लिये उसने सोचा कि उन सब जातियों का एक एक सरदार बना दिया जाये। सो उसने हाथी को जंगल के जानवरों का सरदार बना दिया, हिप्पोपोटेमस को पानी के जानवरों का सरदार बना दिया। और अब बारी थी पक्षियों के सरदार की।

ऐसिया काफी देर तक सोचता रहा कि सबसे अच्छा कौन सा तरीका हो सकता है चिड़ियों के सरदार को चुनने का। क्योंकि ऐसी बहुत सारी चिड़ियाँ थीं जिनको सबको चिड़ियों का सरदार बनाया जा सकता था। लेकिन सरदार तो केवल एक को ही बनना था।

---

[201] The Election of the King Bird (The Black and White Fishing Eagle) (Tale No 40)

[202] Essiya – name of the King of Calabar – a city of Nigeria in its Cross River State

बाज़[203] अपनी उड़ान में तेज़ था और बाज़ में भी कई जातियाँ थीं। फिर सारस[204] था जो सूखे के मौसम में रेत के ऊपर उड़ा करता था। फिर बड़े बड़े पंखों वाली बतखें थीं, फाख्ता थी।

और भी कई पक्षी थे जो सरदार बनने के लायक थे। बड़ा काला और सफेद गरुड़[205] भी था।

जब राजा ने सारी चिड़ियों के बारे में सोचा तो वह बेचारा किसी एक के बारे में सोच ही नहीं सका कि किस चिड़िया को राजा बनाया जाये सो उसने सोचा कि सबकी लड़ाई करवायी जाये और जो जीते वह उसी को सरदार बना देगा।

अगले दिन उसने सारे देश में यह कहलवा दिया कि सारे पक्षी उसके पास आ कर लड़ाई के लिये इकट्ठे हों और जो कोई भी जीतेगा वही पक्षियों का राजा बना दिया जायेगा।

सो अगले दिन पक्षी हजारों की गिनती में राजा के पास आ कर इकट्ठे हो गये। चारों तरफ खूब आवाजें हो रहीं थीं बोलने की और पंखों के फड़फडाने की।

बाज़ जाति के पक्षियों ने बहुत सारे छोटे पक्षियों को तो तुरन्त ही भगा दिया। फिर उन्होंने बतख जैसे पक्षियों को भी भगा दिया। बड़ी बड़ी जंगली चिड़ियें जो अकेला रहना ज़्यादा पसन्द करती थीं

[203] Translated for the word "Hawk". See its picture above.
[204] Translated for the word "Heron"
[205] Translated for the word "Eagle". See its picture above, below is the picture of Hawk

वे सब इस शोर से परेशान हो गयीं। वे भी कुछ देर तक शोर मचा कर अपने घर भाग गयीं।

इधर उधर घूमने वाले बाज़ लड़ने वाले बाज़ों के सामने बहुत देर तक नहीं ठहर सके और चले गये। शिकारी चिड़ियों को कोई मौका नहीं था वे सब झाड़ियों में जा कर छिप गयीं।

तो आखीर में बचा एक मछली पकड़ने वाला गरुड़ जो एक पेड़ की डाल पर बैठा था और वहीं बैठा बैठा यह सब तमाशा देख रहा था। इधर उधर घूमने वाले बाज़ इस सबमें हिस्सा लेने के लिये बहुत सुस्त थे।

लड़ने वाले बाज़ उनकी तरफ ध्यान ही नहीं दे रहे थे। वे तो बस एक दूसरे के ऊपर चक्कर काटे जा रहे थे। उनके उस चक्कर काटने से ही बहुत आवाज हो रही थी।

वे तो बहुत ऊपर और ऊपर उड़ते जा रहे थे यहाँ तक कि वे दिखायी देना भी बन्द हो गये थे। उनमें से केवल कुछ ही बाज़ लौट कर आये और उनके भी कइयों के शरीर घायल थे और कइयों के पंख गायब थे।

सो आखीर में मछली पकड़ने वाला बाज़ बचे हुए पक्षियों से बोला — “जब तुम सब लोग अपनी बेवकूफियाँ खत्म कर लो तो मुझे बता देना और अगर फिर भी तुम राजा बनने का सपना देख रहे हो तो मेरे पास आ जाना मैं तुम लोगों को राजा बनने का मौका हमेशा के लिये निश्चित कर दूँगा।”

पर जब सबने उसकी भयानक चोंच और खूँख्वार पंजे देखे और उसकी ताकत देखी तो उन्होंने आपस में लड़ना बन्द कर दिया और उस गरुड़ को अपना सरदार मान लिया।

ऐसिया ने तब मछली पकड़ने वाले इटुऐन[206] गरुड़ को चिड़ियों का सरदार या राजा बना दिया।

तबसे आज तक जब भी जवान लोग लड़ने के लिये जाते हैं वे हमेशा अपने बालों में तीन काले और सफेद पंख पहनते हैं – एक एक तरफ, एक दूसरी तरफ और तीसरा बीच में।

अगर कोई लड़ने वाला ये पंख नहीं पहनता तो वे उसे बच्चा समझते हैं।

[206] Ituen – name of the Hawk who catches the fish

Classic Books of African Folktales in Hindi

Translated by Sushma Gupta

1901 **Zanzibar Tales.**
No 1 by George W Bateman. 10 tales. The 1st African Folktale book.

1910 **Folktales From Southern Nigeria.**
No 15 By Elphinstone Dayrell. London: Longman Green & Co. 40 tales.

1917 **West African Folk-Tales**
No 20 By William H Barker and Cecilia Sinclair. Lagos: Bookshop. 35 tales.

1947 **The Cow Tail Switch and Other West African Stories.**
No 14 By Harold Courlander and George Herzog. NY: Henry Holt. 143 p.

1962 **Fourteen Hundred Cowries and Other stories.**
No 8 By Abayomi Fuja. Ibadan: OUP. 31 tales

1998 **African Folktales.**
No 12 By Alessandro Ceni. 18 tales.

2001 **Orphan Girl and Other Stories.**
No 13 By Buchi Offodile. 41 tales

2002 **Nelson Mandela's Favorite African Tales**.
No 7 ed Nelson Mandela. 32 tales

List of stories of all these books is available at :
http://sushmajee.com/folktales/books-Old/index-old-books.htm

देश विदेश की लोक कथाओं की सीरीज़ में प्रकाशित पुस्तकें —

इस सीरीज़ में 100 से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं।
पूरे सूचीपत्र के लिये इस पते पर लिखें : hindifolktales@gmail.com

नीचे लिखी हुई पुस्तकें हिन्दी ब्रेल में संसार भर में उन सबको निःशुल्क उपलब्ध है जो हिन्दी ब्रेल पढ़ सकते हैं।
Write to :- E-Mail : hindifolktales@gmail.com

1 नाइजीरिया की लोक कथाऐं–1
2 नाइजीरिया की लोक कथाऐं–2
3 इथियोपिया की लोक कथाऐं–1
4 रैवन की लोक कथाऐं–1

नीचे लिखी हुई पुस्तकें हार्ड कापी में बाजार में उपलब्ध हैं।
To obtain them write to :- E-Mail drsapnag@yahoo.com

1 रैवन की लोक कथाऐं–1 — भोपाल, इन्द्रा पब्लिशिंग हाउस, 2016
2 इथियोपिया की लोक कथाऐं–1 — देहली, प्रभात प्रकाशन, 2017, 120 पृष्ठ
3 इथियोपिया की लोक कथाऐं–2 — देहली, प्रभात प्रकाशन, 2017, 120 पृष्ठ
4 शीबा की रानी मकेडा — देहली, प्रभात प्रकाशन, 2019, 160 पृष्ठ
5 राजा सोलोमन — देहली, प्रभात प्रकाशन, 2019, 144 पृष्ठ
6 रैवन की लोक कथाऐं — देहली, प्रभात प्रकाशन, 2020, 176 पृष्ठ
7 बंगाल की लोक कथाऐं — देहली, नेशनल बुक ट्रस्ट, 2020, 213 पृष्ठ

Facebook Group
https://www.facebook.com/groups/hindifolktales/?ref=bookmarks

Updated in 2022

लोक कथाओं की क्लासिक पुस्तकें हिन्दी में
हिन्दी अनुवाद सुषमा गुप्ता

1. Zanzibar Tales: told by the Natives of the East Coast of Africa.
Translated by George W Bateman. Chicago, AC McClurg. **1901**. 10 tales.
ज़ंज़ीबार की लोक कथाऐं। अनुवाद – जौर्ज डबल्यू बेटमैन। **2022**

2. Serbian Folklore.
Translated by Madam Csedomille Mijatovies. London, W Isbister. **1874.** 26 tales.
सरबिया की लोक कथाऐं। अंगेजी अनुवाद – मैम ज़ीडोमिले मीजाटोवीज़। **2022**

"Hero Tales and Legends of the Serbians". By Woislav M Petrovich. London : George and Harry. 1914 (1916, 1921). it contains 20 folktales out of 26 tales of "Serbian Folklore: popular tales"

3. The King Solomon: Solomon and Saturn
राजा सोलोमन ः सोलोमन और सैटर्न्। हिन्दी अनुवाद – सुषमा गुप्ता – प्रभात प्रकाशन। जनवरी **2019**

4. Folktales of Bengal.
By Rev Lal Behari Dey. **1889**. 22 tales.
बंगाल की लोक कथाऐं — लाल बिहारि डे। हिन्दी अनुवाद – सुषमा गुप्ता – नेशनल बुक ट्रस्ट।। **2020**

5. Russian Folk-Tales.
By Alexander Nikolayevich Afanasief. **1889**. 64 tales. Translated by Leonard Arthur Magnus. 1916.
रूसी लोक कथाऐं – अलैक्ज़ैन्डर निकोलायेविच अफ़ानासीव। **2022**। तीन भाग

6. Folk Tales from the Russian.
By Verra de Blumenthal. **1903**. 9 tales**.**
रूसी लोगों की लोक कथाऐं – वीरा डी ब्लूमैन्थल। **2022**

7. Nelson Mandela's Favorite African Folktales.
Collected and Edited by Nelson Mandela. **2002**. 32 tales
नेलसन मन्डेला की अफ्रीका की प्रिय लोक कथाऐं। **2022**

8. Fourteen Hundred Cowries.
By Fuja Abayomi. Ibadan: OUP. **1962**. 31 tales.
चौदह सौ कौड़ियॉ – फूजा अबायोमी। **2022**

9. Il Pentamerone.
By Giambattista Basile. **1634**. 50 tales.
इल पैन्टामिरोन – जियामबतिस्ता बासिले। **2022**। **3** भाग

10. Tales of the Punjab.
By Flora Annie Steel. **1894**. 43 tales.
पंजाब की लोक कथाऐं – फ्लोरा ऐनी स्टील। **2022**। **2** भाग

11. Folk-tales of Kashmir.
By James Hinton Knowles. **1887**. 64 tales.
काश्मीर की लोक कथाऐं – जेम्स हिन्टन नोलिस। **2022**। **4** भाग

12. African Folktales.
By Alessandro Ceni. Barnes & Nobles. **1998**. 18 tales.
अफ्रीका की लोक कथाऐं – अलेसान्ड्रो सैनी। **2022**

13. Orphan Girl and Other Stories.
By Offodile Buchi. **2001**. 41 tales
लावारिस लड़की और दूसरी कहानियाँ – ओफ़ोडिल बूची। **2022**

14. The Cow-tail Switch and Other West African Stories.
By Harold Courlander and George Herzog. NY: Henry Holt and Company. **1947**. 143 p.
गाय की पूँछ की छड़ी – हैरल्ड कूरलैन्डर और जौर्ज हरज़ौग। **2022**

15. Folktales of Southern Nigeria.
By Elphinston Dayrell. London : Longmans Green & Co. **1910**. 40 tales.
दक्षिणी नाइजीरिया की लोक कथाऐं – ऐलफिन्स्टन डैरेल। **2022**

16. Folk-lore and Legends : Oriental.
By Charles John Tibbitts. London, WW Gibbins. **1889**. 13 Folktales.
अरब की लोक कथाऐं – चार्ल्स जौन टिबिट्स। **2022**

17. The Oriental Story Book.
By Wilhelm Hauff. Tr by GP Quackenbos. NY : D Appleton. **1855**. 7 long Oriental folktales.
ओरिऐन्ट की कहानियों की किताब – विलहैल्म हौफ़। **2022**

18. Georgian Folk Tales.
Translated by Marjorie Wardrop. London: David Nutt. **1894**. 35 tales. Its Part I was published in 1891, Part II in 1880 and Part III was published in 1884.
जियोर्जिया की लोक कथाऐं – मरजोरी वारड्रौप। **2022**। **2** भाग

19. Tales of the Sun, OR Folklore of South India.
By Mrs Howard Kingscote and Pandit Natesa Sastri. London : WH Allen. **1890**. 26 Tales
सूरज की कहानियाँ या दक्षिण की लोक कथाऐं — मिसेज़ हावर्ड किंग्सकोटे और पंडित नतीसा सास्त्री। **2022**।

20. West African Tales.
By William J Barker and Cecilia Sinclair. **1917**. 35 tales. Available in English at :
पश्चिमी अफ्रीका की लोक कथाऐं — विलियम जे बार्कर और सिसीलिया सिन्क्लेयर। **2022**

21. Nights of Straparola.
By Giovanni Francesco Straparola. **1550, 1553**. 2 vols. First Tr: HG Waters. London: Lawrence and Bullen. **1894**.
स्ट्रापरोला की रातें — जियोवानी फ्रान्सैस्को स्ट्रापरोला। **2022**

22. Deccan Nursery Tales.
By CA Kincaid. **1914**. 20 Tales
दक्कन की नर्सरी की कहानियाँ – सी ए किनकैड। **2022**

23. Old Deccan Days.
By Mary Frere. **1868 (5th ed in 1898**) 24 Tales.
पुराने दक्कन के दिन – मैरी फ्रैरे। **2022**

24. Tales of Four Dervesh.
By Amir Khusro. **Early 14th century**. 5 tales. Available in English at :
किस्सये चहार दरवेश — अंग्रेजी अनुवाद – डंकन फोर्ब्स। **2022**

25. The Adventures of Hatim Tai : a romance (Qissaye Hatim Tai).
Translated by Duncan Forbes. London : Oriental Translation Fund. **1830.** 330p.
किस्सये हातिम ताई — अंग्रेजी अनुवाद – डंकन फोर्ब्स। **2022**।

26. Russian Garland : being Russian folktales.
Edited by Robert Steele. NY : Robert McBride. **1916**. 17 tales.
रूसी लोक कथा माला — अंग्रेजी अनुवाद – ऐडीटर रोबर्ट स्टीले। **2022**

27. Italian Popular Tales.
By Thomas Frederick Crane. Boston : Houghton. **1885**. 109 tales.
इटली की लोकप्रिय कहानियाँ — थोमस फैडैरिक केन। **2022**

28. Indian Fairy Tales
By Joseph Jacobs. London : David Nutt. 1892. 29 tales.
भारतीय परियों की कहानियाँ — जोसेफ जेकब्स। **2022**

29. Shuk Saptati.
By Unknown. c 12th century. Tr in English by B Hale Wortham. London : Luzac & Co. 1911.
Under the Title “The Enchanted Parrot”.
शुक सप्तति — । **2022**

30. Indian Fairy Tales
By MSH Stokes. London : Ellis & White. **1880.** 30 tales.
भारतीय परियों की कहानियाँ — ऐम ऐस ऐच स्टोक्स। **2022**

31. Romantic Tales of the Panjab
By Charles Swynnerton. Westminster : Archibald. **1903**. 422 p. 7 Tales
पंजाब की प्रेम कहानियाँ — चार्ल्स स्विनरटन। **2022**

32. Indian Nights' Entertainment
By Charles Swynnerton. London : Elliot Stock. **1892**. 426 p. 52/85 Tales.
भारत की रातों का मनोरंजन — चार्ल्स स्विनरटन। **2022**

34. Indian Antiquary 1872
A collection of scattered folktales in this journal. 1872.

36. Cossack Fairy Tales and Folk Tales.
Translated in English By R Nisbet Bain. George G Harrp & Co. **c 1894**. 27 Tales.
कोज़ैक की परियों की कहानियाँ — अनुवादक आर निस्बत बैन। **2022**

Facebook Group :
https://www.facebook.com/groups/hindifolktales/?ref=bookmarks

Updated in 2022
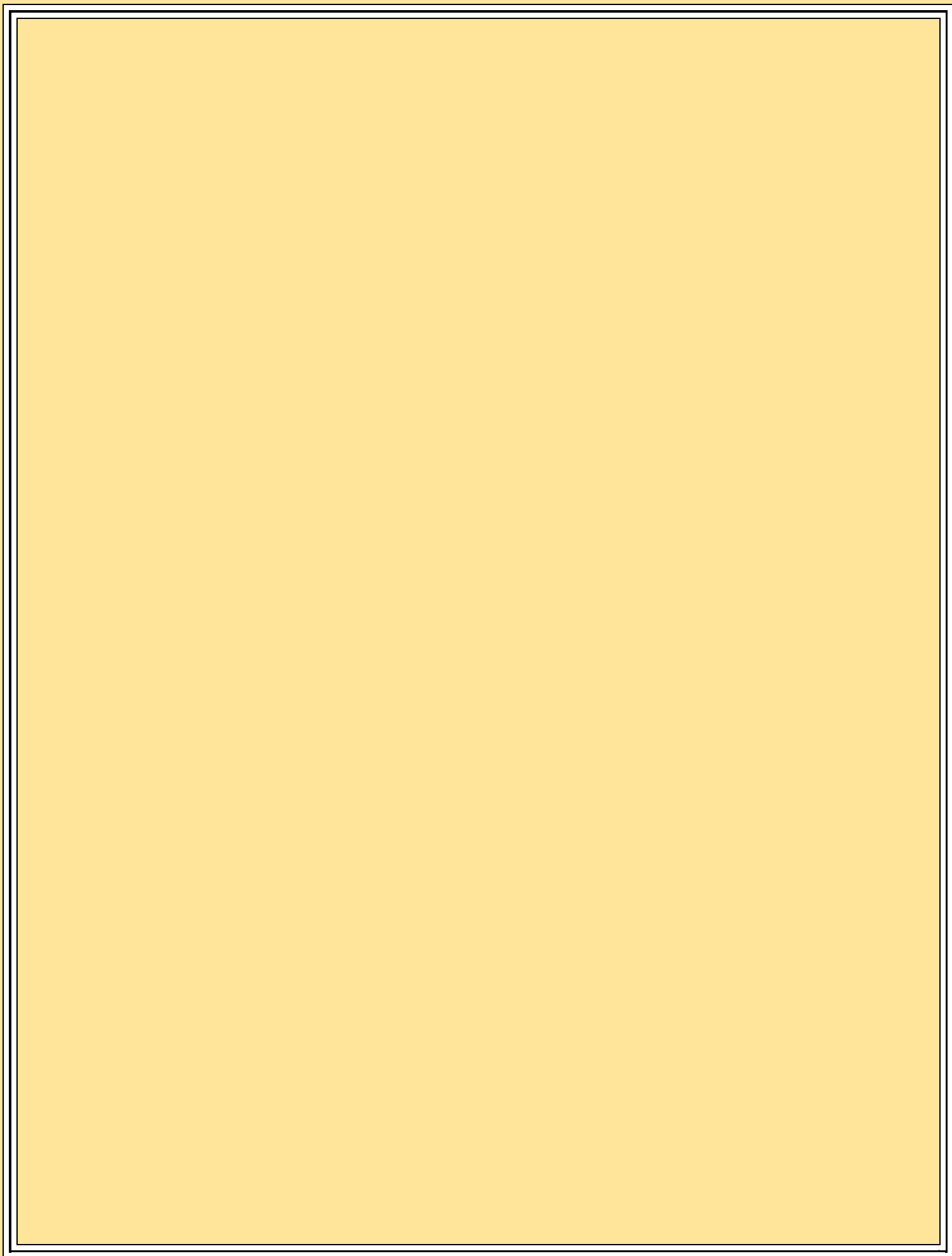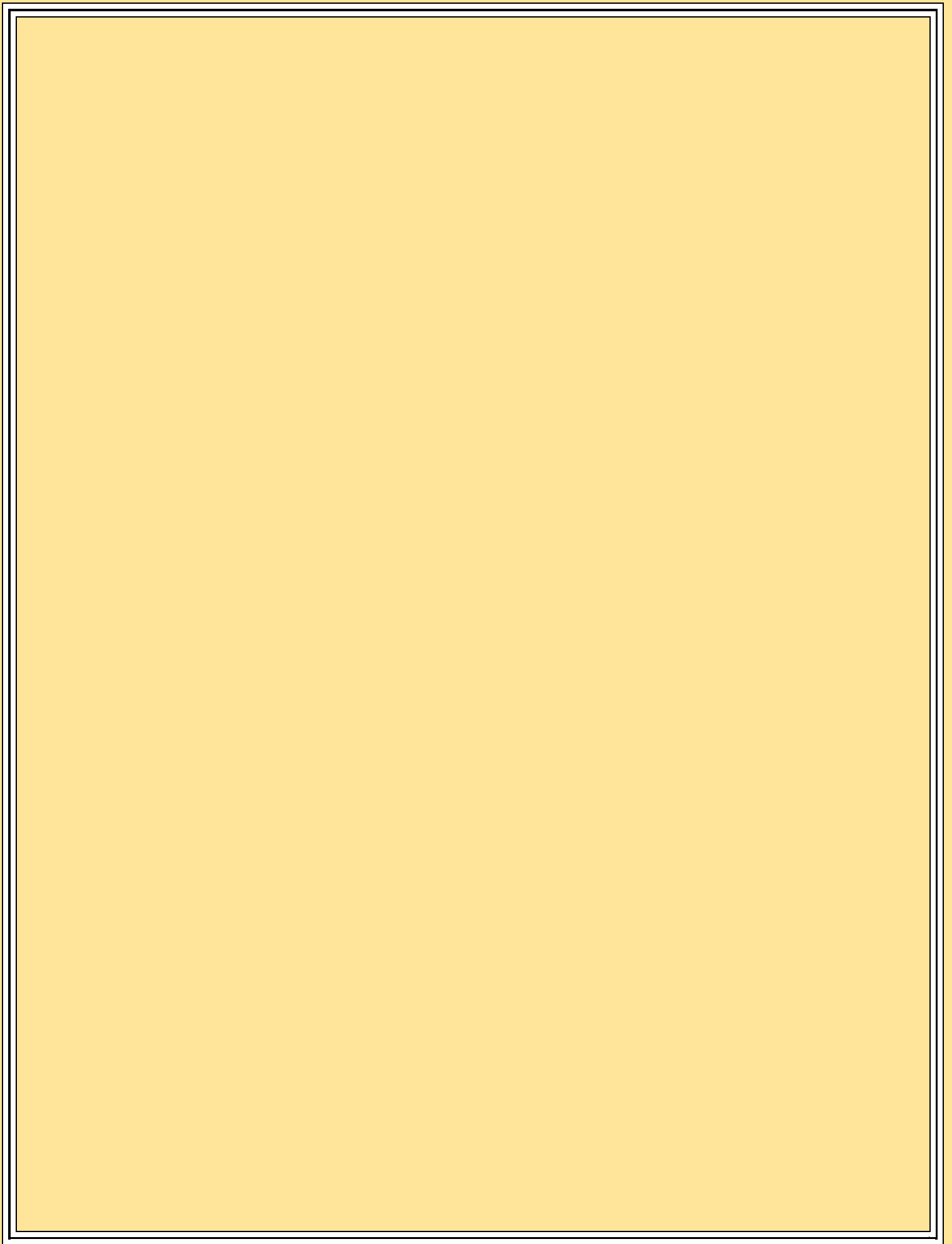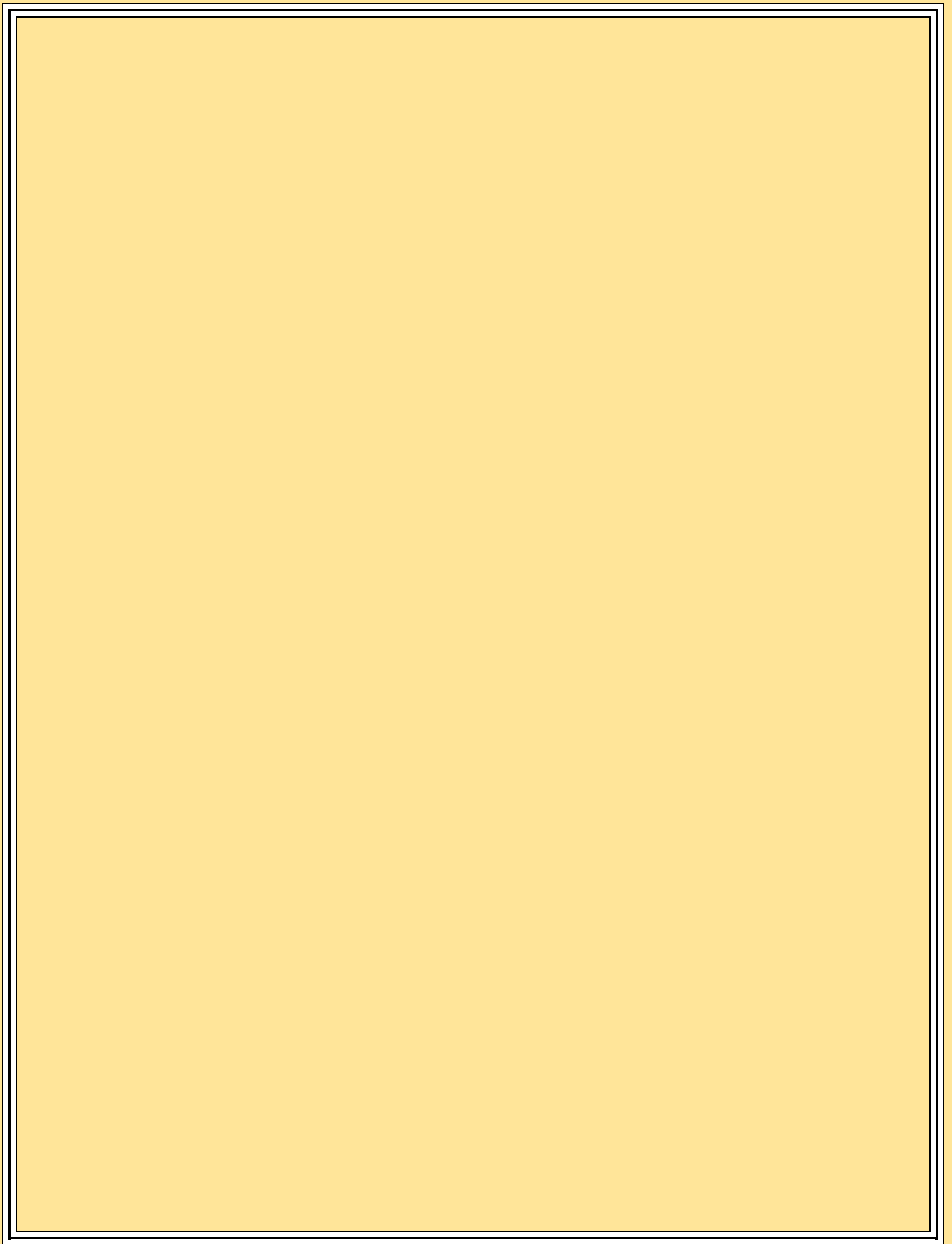
लेखिका के बारे में

सुषमा गुप्ता का जन्म उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ शहर में सन् **1943** में हुआ था। इन्होंने आगरा विश्वविद्यालय से समाज शास्त्र और अर्थ शास्त्र में ऐम ए किया और फिर मेरठ विश्वविद्यालय से बी ऐड किया। **1976** में ये नाइजीरिया चली गयीं। वहाँ इन्होंने यूनिवर्सिटी औफ़ इबादान से लाइब्रेरी साइन्स में ऐम ऐल ऐस किया और एक थियोलोजीकल कौलिज में **10** वर्षों तक लाइब्रेरियन का कार्य किया।

वहाँ से फिर ये इथियोपिया चली गयीं और वहाँ एडिस अबाबा यूनिवर्सिटी के इन्स्टीट्यूट औफ़ इथियोपियन स्टडीज़ की लाइब्रेरी में **3** साल कार्य किया। तत्पश्चात इनको दक्षिणी अफ्रीका के एक देश लिसोठो के विश्वविद्यालय में इन्स्टीट्यूट औफ़ सदर्न अफ्रीकन स्टडीज़ में **1** साल कार्य करने का अवसर मिला। वहाँ से **1993** में ये यू ऐस ए आ गयीं जहाँ इन्होंने फिर से मास्टर औफ़ लाइब्रेरी ऐंड इनफौर्मेशन साइन्स किया। फिर **4** साल ओटोमोटिव इन्डस्ट्री एक्शन ग्रुप के पुस्तकालय में कार्य किया।

1998 में इन्होंने सेवा निवृत्ति ले ली और अपनी एक वेब साइट बनायी – www.sushmajee.com। तब से ये उसी वेब साइट पर काम कर रहीं हैं। उस वेब साइट में हिन्दू धर्म के साथ साथ बच्चों के लिये भी काफी सामग्री है।

भिन्न भिन्न देशों में रहने से इनको अपने कार्यकाल में वहाँ की बहुत सारी लोक कथाओं को जानने का अवसर मिला – कुछ पढ़ने से, कुछ लोगों से सुनने से और कुछ ऐसे साधनों से जो केवल इन्हीं को उपलब्ध थे। उन सबको देख कर इनको ऐसा लगा कि ये लोक कथाऐं हिन्दी जानने वाले बच्चों और हिन्दी में रिसर्च करने वालों को तो कभी उपलब्ध ही नहीं हो पायेंगी – हिन्दी की तो बात ही अलग है अंग्रेजी में भी नहीं मिल पायेंगीं।

इसलिये इन्होंने न्यूनतम हिन्दी पढ़ने वालों को ध्यान में रखते हुए उन लोक कथाओं को हिन्दी में लिखना प्रारम्भ किया। सन **2021** तक इनकी **2500** से अधिक लोक कथाऐं हिन्दी में लिखी जा चुकी हैं। इनको "देश विदेश की लोक कथाऐं" क्रम में प्रकाशित करने का प्रयास किया है।

आशा है कि इस प्रकाशन के माध्यम से हम इन लोक कथाओं को जन जन तक पहुँचा सकेंगे।

विंडसर, कैनेडा
2022